Machine Translated by Google

CHRISTIAN RACE TO THE END

(QUALIFICATION FOR THE THRONE)

BY JOHN DANIEL

Machine Translated by Google

ईसाई धर्म की दौड़ अंत तक

(सिंहासन के लिए योग्यता)

जॉन डैनियल द्वारा

इसलिए तुम यीशु मसीह के एक अच्छे सैनिक की तरह मुश्किलों को सहो। कोई भी युद्ध करने वाला इंसान इस ज़िंदगी के मामलों में खुद को नहीं उलझाता; ताकि वह उसे खुश कर सके जिसने उसे सैनिक बनने के लिए चुना है। और अगर कोई आदमी भी ताकत के लिए कोशिश करता है, तो भी उसे ताज नहीं मिलता, जब तक वह सही तरीके से कोशिश न करे। जो किसान मेहनत करता है, उसे पहले फल का हिस्सा बनना चाहिए (II Tim. 2:3-6)।

Machine Translated by Google

कॉपीराइट © ब्रदर जॉन डैनियल,
पी.ओ. बॉक्स 537,
सैटेलाइट टाउन,
लागोस.

सभी अधिकार सुरक्षित हैं। लेखक की लिखित अनुमति के बिना इस किताब का कोई भी हिस्सा, पूरा या आंशिक रूप से दोबारा नहीं बनाया जा सकता, या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक, रिकॉर्डिंग या किसी और तरीके से नहीं भेजा जा सकता।

सभी पवित्र ग्रंथों के कोट किंग जेम्स बाइबिल के ऑथराइज़्ड वर्शन से हैं।

Machine Translated by Google

समर्पण

मैं यह किताब अपनी प्यारी पत्नी, मैरी ब्लेसिंग्स डैनियल को समर्पित करना चाहता हूँ, जो पहली महिला शिष्या हैं जिन्हें भगवान ने मेरी कड़ी ट्रेनिंग के बाद मेरे अंडर रखा। मैं भगवान को उन आज्ञाकारी बच्चों के लिए भी धन्यवाद देता हूँ जो उन्होंने मुझे टिमोथी जॉन (जूनियर), बेंजामिन सैमुअल और डेविड जोसेफ के रूप में दिए हैं, उनके धैर्य और भगवान की चाल को समझने के लिए, जब वे शिष्य बनने के समय से गुज़रते हैं, अपने माता-पिता के साथ खुश और दुखी होते हैं। मैं मदद और मेल-मिलाप की इस सेवा में अपने शिष्यों के लिए भी भगवान को धन्यवाद देने के लिए समय निकालता हूँ, जिसे उन्होंने मेरे हाथों में सौंपा है।

आखिर में, मैं यह किताब दुनिया भर में प्रभु के शिष्यों को समर्पित करता हूँ, जिन्होंने एक शिष्य का जीवन जीने के लिए यह हिम्मत वाला कदम उठाया है। भगवान की कृपा, शक्ति और दया जिसने शुरुआती प्रेरितों को सहारा दिया, वह इस आखिरी समय में हम सभी को सहारा दे, आमीन।

Machine Translated by Google

परिचय

परमेश्वर की आत्मा की प्रेरणा से, मैं दुनिया भर के ईसाई जगत को एक सच्चे ईसाई या हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के शिष्य का एक रोमांचक अनुभव, शिक्षा और जीवनशैली से परिचित कराता हूँ, जिसे AD66 से AD70 के बीच यरूशलेम पर रोमन सैनिकों के हमले के बाद शुरुआती ईसाइयों के धर्मत्याग के बाद लंबे समय तक ठंडे बस्ते में रखा गया था। यह अनुभव, आज तथाकथित ईसाई समुदाय में हावी धर्मशास्त्री, दार्शनिक, वगैरह नहीं सिखा सकते, क्योंकि प्रभु को इसे किसी भी ऐसे व्यक्ति के शरीर के ज़रिए देना होगा जो इसे होने वाले शिष्यों के साथ एक महान गवाही के रूप में साझा कर सके। धर्मशास्त्री और दार्शनिक पवित्र आत्मा के नेतृत्व में नहीं चलते हैं और इसलिए एक शिष्य के जीवन के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। इसलिए इस किताब में, मुझे प्रभु ने दुनिया भर में उनके शिष्यों की टीम को यह बताने के लिए निर्देशित किया है कि उनकी आत्मा ने शुरुआती शिष्यों के साथ क्या किया, और इस अंतिम समय में भी क्या कर रही है, ताकि जब कोई शिष्य के रूप में परमेश्वर के बुलावे का जवाब देने के लिए आगे बढ़े तो उसे अपनी कमर कसनी पड़े।

अब किताब पढ़ें और खुद देखें कि क्रिश्चियन समुदाय में इतनी उलझन के बीच आप किसे क्रिश्चियन या शिष्य मान सकते हैं।

पादरी जॉन डैनियल

Machine Translated by Google

अंतर्वस्तु	पृष्ठों
अध्याय 1 - के बीच तुलना	6-12
धर्म और	
ईसाई धर्म	
अध्याय 2 - तो फिर एक ईसाई कौन है?	13-24
अध्याय 3 - यीशु का सच्चा शिष्य बनने की शर्तें	25-36
अध्याय 4 - यीशु के सच्चे शिष्य के गुण	37-48
अध्याय 5 - कितना सच्चा शिष्य	49-58
मसीह के लिए त्याग करना होगा	
अध्याय 6 - सत्य की राह में बाधाएँ	59-70
शागिर्दी	
अध्याय 7 - ए की प्रतिक्रिया	71-82
सच्चा शिष्य	
शादी	
अध्याय 8 - योग्यता	83-101
सिंहासन	
चैप्टर 9 - एक सच्चे इंसान के इनाम 102-116	
अपने ईसाई धर्म के अंत में शिष्य।	

Machine Translated by Google

अध्याय 1

धर्म और के बीच तुलना

ईसाई धर्म

धर्म और ईसाई धर्म इन दो शब्दों ने न सिर्फ़ मसीह के शरीर में, बल्कि पूरी दुनिया में बहुत विवाद खड़ा किया है। दुनिया आपके धर्म के अलावा भगवान के साथ आपके रिश्ते के बारे में कुछ नहीं जानती। और सच कहूँ तो, वे कुछ हद तक सही हैं, क्योंकि दुनिया ईसाई धर्म को धर्म कहती है, लेकिन धार्मिक होने से आप कभी ईसाई नहीं बन सकते।

धर्म को नास्तिक और बहुत से ऐसे विश्वासी भी मानते हैं जिन्हें भगवान के बारे में कोई जानकारी नहीं है या बहुत कम है, लेकिन नास्तिक ईसाई धर्म को नहीं मान सकते और न ही कभी मान पाएंगे। क्यों? क्योंकि ईसाई धर्म सिर्फ़ प्रभु यीशु मसीह और भगवान के वचन से ही माना जा सकता है। जो कोई भी यीशु को नहीं मानता, उसका भगवान के वचन और ईसाई धर्म से कोई लेना-देना नहीं है।

लेकिन बुरे (पापी) से भगवान कहते हैं, तुम्हें मेरे नियम (कानून या वचन) बताने से क्या लेना-देना , या मेरा वादा (बाइबिल का पुराना और नया वादा) अपने मुंह में लेने से क्या लेना-देना? क्योंकि तुम शिक्षा से नफरत करते हो, और मेरे शब्दों को अपने पीछे फेंक देते हो। जब तुमने चोर को देखा, तो तुम उसके साथ हो गए, और व्यभिचारियों के साथ हो गए। तुम अपना मुंह बुराई की ओर लगाते हो, और तुम्हारा

Machine Translated by Google

ज़बान धोखा देती है। तू बैठा है और अपने भाई के खिलाफ़ बोल रहा है; तू अपनी ही माँ के बेटे की बुराई कर रहा है। ये काम तूने किए, और मैं चुप रहा; तूने सोचा कि मैं बिलकुल तेरे जैसा ही हूँ, लेकिन मैं तुझे डाँटूँगा, और तेरी आँखों के सामने इन्हें ठीक करूँगा। अब हे परमेश्वर को भूलने वालों, इस बात पर ध्यान दो, कहीं ऐसा न हो कि मैं तुम्हें टुकड़े-टुकड़े कर दूँ, और कोई बचाने वाला न हो। (भजन 50:16-22)।

धर्म को कोई अकेला नहीं मान सकता, इसे एक ग्रुप के साथ चलना पड़ता है जिसका एक आम विश्वास हो और जिसके सदस्य उसे मानने के लिए मजबूर हों। ईसाई धर्म को कोई भी अकेला रहकर परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा की अगुवाई में हमारे प्रभु यीशु के सिद्धांतों का पालन कर सकता है। दुनिया मानती है कि धर्म को मानने के कई तरीके हैं, लेकिन ईसाई धर्म को एक ही तरीके से माना जाता है, और वह है यीशु मसीह के ज़रिए, जो पिता (परमेश्वर) तक पहुँचने का एकमात्र रास्ता है।

यीशु ने उससे कहा, "मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ; मेरे बिना कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।" (यूहन्ना 14:6)।

वही एकमात्र रास्ता, एकमात्र सत्य और परमपिता परमेश्वर के लिए एकमात्र जीवन है। धर्म आपको यह नहीं सिखा सकता या दिखा नहीं सकता, केवल ईसाई धर्म ही ऐसा कर सकता है। धर्म बाहर से काम करता है, यानी हमारे बाहरी स्वभाव पर ध्यान देता है।

हम इंसानों के बनाए नियमों को कैसे मानते हैं, जिससे हमारा खुद को सही समझने वाला रवैया सामने आता है, जबकि ईसाई धर्म आपकी ज़िंदगी को अंदर से बदल देता है, क्योंकि हमारी ज़िंदगी को अंदर से नया करने का एजेंट पवित्र आत्मा है, जिसका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

Machine Translated by Google

हमारे बाहरी रूप-रंग से। वह सीधे दिल के अंदर देखता है और दिल में जो है, उसी से पहले फैसला करता है।

और उसने उनसे कहा, क्या तुम भी ऐसे नासमझ हो? क्या तुम नहीं समझते कि जो भी चीज़ बाहर से इंसान के अंदर जाती है, वह उसे गंदा नहीं कर सकती; क्योंकि वह उसके दिल में नहीं, बल्कि पेट में जाती है, और सूखे में निकल जाती है, और सब खाने की चीज़ों को साफ़ कर देती है? और उसने कहा, जो इंसान के अंदर से निकलता है, वही इंसान को गंदा करता है। क्योंकि इंसान के अंदर से, दिल से, बुरे विचार, शादी के बाहर संबंध, हत्या, चोरी, लालच, दुष्टता, धोखा, कामुकता, बुरी नज़र, ईशनिंदा, घमंड, मूर्खता निकलती हैं। ये सभी बुरी चीज़ें अंदर से आती हैं; और इंसान को गंदा करती हैं। (मरकुस 7:18-23)।

और क्योंकि पवित्र आत्मा दिल की सभी चीज़ों का न्याय करता है, ताकि दिल को शुद्ध किया जा सके और उसे नया बनाया जा सके ताकि वह परमेश्वर की आज्ञा मानने के काबिल हो सके, इसलिए उसके (पवित्र आत्मा) बिना ईसाई धर्म का कोई महत्व नहीं है। ईसाई धर्म नेकी पाने के एकमात्र तरीके के तौर पर पवित्र आत्मा पर निर्भर करता है, जबकि धर्म इंसान की अपनी कोशिशों पर निर्भर करता है। तो फिर धर्म क्या है? ऑक्सफ़ोर्ड डिक्शनरी के अनुसार, धर्म एक सुपरनैचुरल सत्ता के होने में विश्वास है, जो दुनिया को बनाने वाला और कंट्रोलर है, जिसने इंसान को एक आध्यात्मिक स्वभाव दिया है जो शरीर की मौत के बाद भी बना रहता है। इसका मतलब यह भी है कि कोई व्यक्ति खुद को ऐसा करने के लिए मजबूर मानता है। ऊपर दी गई परिभाषा से, यह साफ़ है कि धरती पर नब्बे प्रतिशत इंसान, शैतान और उसकी शैतानी आत्माओं सहित, मानते हैं।

Machine Translated by Google

ब्रह्मांड के निर्माता और नियंत्रक (ईश्वर) का अस्तित्व।

तू विश्वास करता है कि एक ही परमेश्वर है; तू अच्छा करता है, शैतान भी विश्वास करते हैं और कांपते हैं। (याकूब 2:19)।

क्योंकि बहुत कम नास्तिक (जो मानते हैं कि कोई भगवान नहीं है) और शैतान मानते हैं कि एक ही भगवान है, को छोड़कर बाकी सभी इंसान हैं, इसलिए धर्म को मानने की ज़रूरत पैदा होती है। ऐसा क्यों है? ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया मानती है कि आप धर्म को माने बिना भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते, और आप भगवान में विश्वास किए बिना धर्म को नहीं मान सकते। कुछ लोग कह सकते हैं, पैगन्स का क्या? जवाब है कि पैगन्स भगवान में विश्वास करते हैं और वे धर्म को मानते हैं, और उनका धर्म पैगनिज़्म है। यह बात कि वे किसी भी पंथ या किसी जाने-माने धार्मिक ग्रुप से जुड़े नहीं हैं, उन्हें नास्तिक नहीं बनाती।

नास्तिकता, मूर्तिपूजा से साफ़ तौर पर अलग है क्योंकि वे यह नहीं मानते कि भगवान नाम की कोई सबसे बड़ी चीज़ है। मूर्तिपूजक जो मूर्तियाँ बनाते हैं, चाहे वे लकड़ी, सोने, चाँदी, कांसे वगैरह की हों, और जिनकी वे पूजा करते हैं, उन्हें उनके विश्वास के अनुसार उनका भगवान माना जाता है। भले ही वे यह अनजाने में करते हैं, यह इस बात का सबूत है कि वे एक सबसे बड़ी चीज़ में विश्वास करते हैं। और शैतान जल्दी से एक शैतान को भगवान का भेष बनाकर उनसे बात करने के लिए भेजता है, इस तरह उन्हें मानने के लिए कानून देता है। ईसाई धर्म को मानने का सिर्फ़ एक ही तरीका है, और वह है हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज़रिए। यीशु मसीह के अलावा कोई और तरीका जिससे कोई यह मानता है कि वह ईसाई धर्म को मान सकता है, वह धोखा है, और

Machine Translated by Google

संबंधित व्यक्ति या समूह धर्म का पालन कर रहे हैं।
कुछ धार्मिक ग्रुप जो मानते हैं कि भगवान हैं, लेकिन भगवान से जुड़ने के लिए जिस एक तरीके को मानते हैं, उस पर विश्वास नहीं करते, वे हैं इस्लाम, बौद्ध धर्म, यहूदी धर्म, हिंदू धर्म, कुछ दूसरे धार्मिक पंथ जिन्हें कुछ गुप्त गुरुओं ने बनाया है, जैसे ग्रेल मैसेज, रोज़ीक्रूसियन ऑर्डर, एकांकर, वगैरह। ये और हज़ारों दूसरे धार्मिक ग्रुप, यहाँ तक कि तथाकथित ईसाई धर्म में भी, धर्म का पालन करते हैं, लेकिन वे न तो यीशु मसीह के सिद्धांत पर विश्वास करते हैं और न ही उसका पालन करते हैं, जैसा कि सच्चे ईसाई करते हैं।

और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें। (प्रेरितों 4:12)।

इंसानों में दिया गया एकमात्र नाम जिसके ज़रिए मुक्ति मिल सकती है, वह हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम है।

शैतान और उसके शैतान यह जानते हैं, और जब यीशु धरती पर थे, तो उन्होंने उन्हें प्रभु माना था, लेकिन वह (शैतान) इंसानों को उस अनमोल नाम पर कभी विश्वास न करने के लिए धोखा देने में कामयाब रहा है। दिलचस्प बात यह है कि यह वही भगवान है जिस पर धार्मिक ग्रुप विश्वास करते हैं, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह हैं।

और इसमें कोई शक नहीं कि भक्ति का रहस्य बहुत बड़ा है; परमेश्वर शरीर में प्रकट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहराया गया, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, गैर-यहूदियों को उसका प्रचार किया गया, दुनिया में उस पर विश्वास किया गया, और महिमा में ऊपर उठाया गया। (I Tim. 3:16)।

क्योंकि हमारे लिए एक बच्चा पैदा हुआ है, हमें एक बेटा दिया गया है, और राज उसके कंधे पर होगा; और उसका नाम अद्भुत सलाह देने वाला, ताकतवर परमेश्वर, हमेशा रहने वाला पिता, शांति का राजकुमार रखा जाएगा। (यशायाह 9:6)।

Machine Translated by Google

इन दो पवित्र ग्रंथों से ज़्यादा और क्या साबित किया जा सकता है, उस महान पैगंबर की, जिन्हें यहूदी पागल पैगंबर मानते थे क्योंकि उन्होंने तीन साल तक बिना कपड़ों के रहने के लिए भगवान की बात मानी थी। और महान प्रेरित पॉल की भी, जिनसे गवर्नर फेस्टस ने कहा था कि बहुत ज़्यादा पढ़ाई उन्हें पागल बना रही है, जब वह राजा अग्रिप्पा और गवर्नर फेस्टस से बात कर रहे थे, ताकि यहूदियों द्वारा उन पर लगाए गए इल्ज़ामों से खुद को साफ़ कर सकें। फिर भी, धरती पर अरबों लोग अभी भी इस धोखे में हैं कि जीसस क्राइस्ट भगवान नहीं हैं। धर्म अलग-अलग ग्रुप और ग्रुप के साथ चलता है और वे मिस्ट्री बेबीलोन द ग्रेट की बेटियां हैं, जो धरती की वेश्याओं और घिनौनी चीज़ों की मां हैं, जो निम्रोद के समय में बाबेल से शुरू हुईं (Gen. 11:1-9), और सेमिरामिस और तम्मुज़ (क्रमशः निम्रोद की पत्नी और बेटा) ने भगवान द्वारा धार्मिक ग्रुप के बिखरने और निम्रोद की मौत के बाद इसे जारी रखा, और फिर आखिर में रोम में बस गए। जहाँ से इस मदर ऑफ़ हार्लोट्स ने दूसरे धार्मिक ग्रुप्स को जन्म देना शुरू किया, जो आज धरती पर फैले हुए हैं, और जिन्हें हार्लोट्स की बेटियाँ कहा जाता है। धर्म को इस दुनिया के सिस्टम से मान्यता मिली है, लेकिन इसे स्वर्ग और आने वाली दुनिया में मान्यता नहीं मिली है। वे एंटी-क्राइस्ट या पाप के आदमी या बर्बादी के बेटे की दुल्हन हैं, जो उनका मुखिया है। दूसरी ओर, ईसाई धर्म हमारे प्रभु यीशु की शिक्षाओं में विश्वास है, जैसा कि सच्चे ईसाई करते हैं, जो प्रभु यीशु के जंगल से बाहर आने और सिखाने के तुरंत बाद शुरू हुआ, पहले जॉन द बैपटिस्ट ने उन्हें पानी में बपतिस्मा दिया था, और पवित्र आत्मा मिलने के बाद। बारह के रूप में पहली सभा के साथ।

Machine Translated by Google

यीशु मसीह के धर्मदूत। ईसाई धर्म चर्च (वे लोग जो पवित्र हैं और दुनिया के सिस्टम से अलग होकर भगवान के लिए हैं) के साथ चलता है, जो मसीह का शरीर है, न कि चर्च, जैसा कि अलग-अलग ग्रुप ने इसे नाम दिया है। उन्हें इस दुनिया के सिस्टम में पहचान नहीं मिलती क्योंकि वे इस सिस्टम से जुड़े नहीं हैं, लेकिन उन्हें स्वर्ग में और आने वाले राज्य में पहचान मिलती है। वे प्रभु यीशु मसीह की दुल्हन हैं जो उनके हेड हैं। उनका उन फिजिकल स्ट्रक्चर से भी कोई लेना-देना नहीं है जिन्हें कई ग्रुप ने बनाया है, और इस तरह सच्चे संतों के इकट्ठा होने को चर्च नाम की एक खास बिल्डिंग में बदल दिया है। और जिसके बारे में प्रभु ने खुद कहा था; क्योंकि जहां दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठा होते हैं, वहां मैं उनके बीच में होता हूं। (मैथ्यू 18:20)।

इससे पता चलता है कि भगवान के नाम पर संतों का इकट्ठा होना सिर्फ़ किसी खास जगह या बिल्डिंग में ही नहीं होना चाहिए, बल्कि पति-पत्नी अकेले भी अपने घर में ऐसा कर सकते हैं।

Machine Translated by Google

अध्याय दो

तो फिर ईसाई कौन है?

यह एक ऐसा सवाल है जो ईसाई धर्म को मानने वाले लोगों को तबाह कर देगा, जब इसे उनके बीच बम की तरह फेंका जाएगा, वह भी ऐसे इंसान द्वारा जो ईसाई बनने के स्टेप्स के बारे में सच्चाई जानने के लिए बहुत उत्सुक है। यह सवाल ईसाई धर्म को क्यों तबाह करेगा जब धर्मग्रंथ (रोमियों 10:3) में कहा गया है,

क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह बच जाएगा? सच कहूँ तो, यह सवाल बहुत ज़्यादा माने जाने वाले ईसाई ग्रुप को सच में तबाह कर देगा, क्योंकि, अगर आप उन्हें धर्मग्रंथ के ज़रिए दिखाएँगे कि एक ईसाई और एक सच्चा शिष्य बनने के लिए क्या करना पड़ता है, तो ईसाई ग्रुप में बहुत हंगामा मच जाएगा। रोमन कैथोलिक, एंग्लिकन कम्युनियन, प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, क्राइस्ट किंगडम सोसाइटी (जेहोवा विटनेस), वगैरह जैसे ऑर्थोडॉक्स चर्च के किसी भी सदस्य से उसके धर्म के बारे में पूछिए, तो जवाब होगा, मैं एक ईसाई हूँ। फिर, सेलेस्टियल चर्च ऑफ़ क्राइस्ट, ब्रदरहुड ऑफ़ द क्रॉस एंड स्टार, किंग सब्बाथ मिशन, चेरुबिम और सेराफिम, वगैरह जैसे स्पिरिचुअल चर्च के सदस्यों से उनके अपने धर्म के बारे में पूछिए, और वे कहेंगे, हम ईसाई हैं। पेंटेकोस्टल चर्च या असेंबलीज़ ऑफ़ गॉड, फुल गॉस्पेल, स्क्रिप्चर यूनियन, डीपर लाइफ़, चर्च ऑफ़ गॉड मिशन, ज़ो लाइफ़ मिनिस्ट्रीज़, न्यू बेथेल मिनिस्ट्रीज़, वगैरह जैसे मिनिस्ट्रीज़ में जाएँ।

Machine Translated by Google

और सदस्यों से उनके धर्म के बारे में पूछें, तो फिर जवाब मिलेगा कि हम ईसाई हैं। सबसे बड़ी बात, किसी भी गुप्त ग्रुप के पक्के सदस्य से पूछें, जो शायद रविवार को किसी भी ग्रुप की सर्विस में आता हो, और जवाब होगा कि मैं ईसाई हूँ। खैर, ये सभी ग्रुप और कई और जिनका ज़िक्र नहीं है, लेकिन जो ईसाई धर्म से जुड़े हैं, उन सभी को ईसाई माना जाता है। फिर भी इन तीनों ब्रांच, ऑर्थोडॉक्स चर्च, स्पिरिचुअल चर्च और पेंटेकोस्टल चर्च, की अपनी डॉक्ट्रिन है जो एक-दूसरे से अलग है। तीनों ब्रांच के उन ग्रुप में भी, कुछ छोटी डॉक्ट्रिन हैं जो एक-दूसरे से अलग हैं। यह सब कन्फ्यूजन क्यों है?

क्या परमेश्वर का वचन एक पवित्र बाइबल से ज़्यादा है? इस सवाल का जवाब है नहीं, हमारे पास परमेश्वर का सिर्फ़ एक पवित्र आत्मा से ऑथराइज़्ड वचन है, और वह है बाइबल का किंग जेम्स वर्शन जो 1611 में पब्लिश हुआ था। दूसरा कारण यह है कि सच्चे ईसाई या शिष्य अब बहुत कम दिखते हैं क्योंकि ईसाई परिवार बँटा हुआ है, और वे (ईसाई) दुनिया में चल रहे सिस्टम से जुड़े हुए हैं। फिर शैतान ने इसका फ़ायदा उठाया और अपने एजेंट भेजे, जो परमेश्वर के वचन को बेअसर करने से पहले ईसाई धर्म में ऊँचे पद पाने में कामयाब रहे। प्लीज़ मैं किसी ग्रुप, चर्च या व्यक्ति को जज नहीं कर रहा हूँ, या किसी को शैतान का एजेंट नहीं कह रहा हूँ, क्योंकि जिसे आप आज शैतान या शैतान का एजेंट कहते हैं, परमेश्वर कल उसे बदल सकता है और अपना सेवक बना सकता है। इसलिए, परमेश्वर मुझे, एक पापी जिसे कुछ साल पहले परमेश्वर की खास कृपा से मेरे पापी कामों से बचाया गया था, किसी को भी, ग्रुप या

Machine Translated by Google

चर्च। लेकिन, सिर्फ़ एक ही इंसान है जिसे किसी को, ग्रुप या चर्च को जज करने का हक़ है, और जिसके नाम से क्रिश्चियन शब्द बना है, वह हमारे प्रभु यीशु मसीह हैं, जो इंसानों के बचाने वाले हैं। सिर्फ़ उन्हें ही जज करने का हक़ है और हम जैसे उनके सेवकों के लिए, उन्होंने हमें अपना वचन दिया है जिससे हम हर आत्मा को परख सकें। अब प्रभु ने इस धर्मग्रंथ में कहा है, फिर भी परमेश्वर की नींव पक्की है, इस मुहर के साथ, प्रभु उन्हें जानता है जो उसके हैं। और, हर कोई जो मसीह का नाम लेता है, वह बुरे कामों से दूर रहे। (II Tim. 3:19)।

परमेश्वर की वह बुनियाद क्या है जिसकी वजह से आपके पास टिमोथी में बताई गई यह सील होगी? इस जगह को अच्छी तरह समझने के लिए, हमें फिर से यह देखना होगा कि ऑक्सफ़ोर्ड डिक्शनरी में सील को क्या बताया गया है, यह मोम, लेड वगैरह का एक टुकड़ा होता है, जिस पर डिज़ाइन की मुहर लगी होती है, जो किसी डॉक्यूमेंट या दिखाने के लिए लगाया जाता है कि वह असली है, या किसी चिट्ठी, पैकेट, डिब्बे, बोतल, दरवाज़े वगैरह पर लगाया जाता है ताकि कोई अनजान व्यक्ति इसे न खोल सके। यह एक ऐसा काम, घटना वगैरह भी है जिसे किसी चीज़ की पुष्टि या गारंटी या किसी चीज़ को मंज़ूरी देने के तौर पर माना जाता है।

इस बात को और समझाने के लिए, जो लोग जादू-टोने वाली सोसाइटी में हैं या उनसे जुड़े हैं, वे आपको बताएंगे कि एक सिग्नेट (सिग्नेट के साथ या उसकी जगह इस्तेमाल होने वाली प्राइवेट सील) होती है, जिससे स्पिरिट वर्ल्ड में सच्चे क्रिश्चियन पहचाने जाते हैं। आमतौर पर सिग्नेट उन क्रिश्चियन के माथे पर देखा जाता है। और इस सील को पाने के लिए, आपकी नींव भगवान द्वारा पक्की होनी चाहिए, लेकिन आपको पता चलेगा कि आपकी नींव पक्की है।

Machine Translated by Google

परमेश्वर का वचन। यह शब्द 'ईसाई' ईसाई जगत में कैसे और कहाँ से आया?

फिर बरनबास शाऊल को ढूंढने के लिए तरसुस चला गया। जब वह उसे मिल गया, तो वह उसे एंटाकिया ले आया। और ऐसा हुआ कि वे पूरे एक साल तक चर्च के साथ इकट्ठा होते रहे और बहुत से लोगों को सिखाते रहे। और चेलों को सबसे पहले एंटाकिया में क्रिश्चियन कहा गया। (प्रेरितों के काम 11:25-26)। इस धर्मग्रंथ से पता चलता है कि एंटाकिया के लोगों ने एक साल तक बरनबास और शाऊल पर कड़ी नज़र रखी, जब वे लोगों को परमेश्वर का वचन सिखाने के लिए चर्च के साथ इकट्ठा हुए और जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने पुष्टि की कि वे वास्तव में हमारे प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाओं का पालन कर रहे थे, और उन्हें क्रिश्चियन नाम दिया। जिसका मतलब है, मसीह का शिष्य या वह जो मसीह के सिद्धांत का पालन करता है।

तो फिर इसकी नींव क्या है?

ईसाई धर्म?

क्रिश्चियन बनने के लिए, आपको दोबारा जन्म लेना होगा, और इसका मतलब है, जब आप धर्मग्रंथ पर विश्वास करते हैं जो कहता है, क्योंकि सभी ने पाप किया है, और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। (रोमियों 3:23), और आप यह भी मानते हैं कि आप भी अपने पापी तरीकों से परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। और आपको परमेश्वर के साथ फिर से मेल-मिलाप की ज़रूरत है, तो आप परमेश्वर के साथ फिर से मेल-मिलाप करने के लिए परमेश्वर द्वारा अपने वचन में बताए गए एकमात्र रास्ते की तलाश करते हैं, और वह है यीशु के ज़रिए।

यीशु ने उससे कहा, “मैं ही मार्ग, सत्य और जीवन हूँ; मेरे बिना कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।” (यूहन्ना 14:6)।

Machine Translated by Google

..और अगर कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक मददगार है, यानी नेक यीशु मसीह; और वही हमारे पापों का प्रायश्चित है (जो हमें शांत करता है) , और सिर्फ़ हमारे ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के पापों का भी।

(1 यूहन्ना 2:1-2).

जब आपको यह बात सच लगने लगे कि आपको बदलाव की ज़रूरत है, तो आप घुटने टेक दें, ज़रूरी नहीं कि किसी धर्मयुद्ध के मैदान में, या किसी खास पंथ में, बल्कि यह आपके अपने कमरे में भी हो सकता है, और प्रभु यीशु के सामने अपने पाप कबूल करें।

उसे बताएं कि आप अपने दिल से विश्वास करते हैं और अपने मुंह से मानते हैं कि उसकी मौत आपकी जगह आपके पापों को दूर करने के लिए हुई थी, और आप उससे अपने पापों को अपने खून से साफ करने और अपनी जीवन की किताब में आपका नाम लिखने के लिए कह रहे हैं। कि जैसे-जैसे आप शरीर में जीते हैं, आप उसके लिए जी रहे हैं, जिसने आपके लिए कीमत चुकाई है। ऐसा करने के बाद, आप फिर से जन्म लेते हैं, और अपने अंदर परमेश्वर के राज्य की जीवनशैली का अनुभव करना शुरू कर देंगे, लेकिन आप अभी राज्य में प्रवेश नहीं कर सकते, जब तक कि दो और कदम न उठाए जाएं।

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, जब तक कोई इंसान दोबारा न जन्मे, वह परमेश्वर के राज्य को नहीं देख सकता। यीशु ने जवाब दिया, मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, जब तक कोई इंसान पानी और आत्मा से न जन्मे, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। (यूहन्ना 3:3,5)।

तुम सारी दुनिया में जाओ और हर जीव को खुशखबरी सुनाओ। जो विश्वास करेगा और बपतिस्मा लेगा वह बच जाएगा; लेकिन जो विश्वास नहीं करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा। (मरकुस 16:15-16)।

Machine Translated by Google

अगले दो स्टेप हैं, पानी और पवित्र आत्मा से बैप्टाइज़ होना। बैप्टिज़्म पानी में पानी डालना नहीं है, जैसा कि पुराने ज़माने के लोग बताते हैं, और यह उन बच्चों द्वारा नहीं किया जा सकता जो यीशु के बारे में कुछ नहीं जानते, या कोई भी जो खुद प्रभु के सामने अपने पापों को कबूल करके दोबारा जन्म नहीं लिया है। बैप्टिज़्म एक ग्रीक शब्द है जिसे बैप्टिस्मा कहते हैं, और इसका मतलब है पानी में डुबोना या दफ़नाना। यह हमारे प्रभु यीशु की मृत्यु और फिर से जी उठने के साथ आपकी पहचान का एक बाहरी दिखावा है, जिस पर आप पहले से ही दिल से विश्वास कर चुके हैं। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो यीशु मसीह की मृत्यु और फिर से जी उठने में आपका विश्वास असली नहीं है, क्योंकि आप जो दिल से विश्वास करते हैं, अपने मुँह से कबूल करते हैं, वह सिर्फ़ आपके शारीरिक कामों से ही साबित हो सकता है। इसलिए अगर आप दोबारा जन्मे हैं और पानी में बैप्टिज़्म नहीं लेते हैं, तो आप अभी तक बचाए नहीं गए हैं। पीटर से सुनिए, ठीक वैसा ही उदाहरण, जैसा बपतिस्मा भी अब हमें बचाता है (शरीर की गंदगी को दूर करना नहीं, बल्कि परमेश्वर के प्रति एक अच्छे विवेक का जवाब), यीशु मसीह के पुनरुत्थान के द्वारा। (I पतरस 3:21)।

देखिए प्रेरित पौलुस ने यहाँ क्या कहा, इसलिए

हम बपतिस्मा के द्वारा उसके साथ मृत्यु तक दफ़न हो गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा से मरे हुओं में से जी उठा, वैसे ही हम भी जीवन के नएपन में चलें। (रोमियों 6:4)।

फिर से, इसे किसी खुली बहती धारा या शायद नदी में करना होगा क्योंकि यह शैतान और दुनिया को खुले तौर पर नकारना है। इसे किसी तालाब या झील में नहीं करना चाहिए, सिवाय ऐसे राज्य या शायद ऐसे देश के जहाँ नदी या

Machine Translated by Google

बहती धारा। फिर बपतिस्मा देने वाला पादरी प्रार्थना करके प्रभु का चेहरा देखेगा, यह जानने के लिए कि क्या प्रभु उसे तालाब में ऐसा करने की इजाज़त देंगे। बहती धारा या नदी में ऐसा करने का मकसद दुनिया को यह दिखाना है कि क्या गुज़र रहा है। इसका मतलब है कि आपकी पुरानी ज़िंदगी उस नदी या धारा में गुज़र चुकी है, और अब आप धारा से फिर से ज़िंदा होकर मसीह यीशु में एक नई ज़िंदगी जी रहे हैं। तीसरा कदम पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है जिसका बाहरी संकेत नई भाषाएँ बोलना है, और यह कि व्यक्ति परमेश्वर की आत्मा से भर गया है, और हमारे प्रभु यीशु मसीह की मुहर से भी मुहरबंद हो गया है। कई पादरी ने प्रभु पवित्र आत्मा द्वारा भाई पॉल के ज़रिए (I कुरिन्थियों 12:30) में बोली गई बातों का गलत मतलब निकाला है, और इस वजह से बहुत से विश्वासी झूठ पर विश्वास करके अंधेपन में चल रहे हैं।

क्या सभी के पास ठीक करने का हुनर है? क्या सभी अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं?

क्या सभी लोग अर्थ समझते हैं? (1 कुरिन्थियों 12:30).

भाई पॉल स्वर्गदूतों की भाषाओं में बोलने के तोहफ़े के बारे में बात कर रहे थे, जो एक तरह की भविष्यवाणी है। और जब भी भाइयों की सभा में यह कहा जाता है, तो इसका मतलब निकालना ज़रूरी होता है, या तो बोलने वाले से या किसी और से, ताकि पूरे चर्च को बेहतर बनाया जा सके। यह अब दुनिया भर में ईसाई धर्म में बहुत कम है। मुझे सच में नहीं लगता कि पाँच परसेंट (5%) लोग जो दावा करते हैं कि उनके पास स्वर्गदूतों की भाषाओं और मतलब का असली तोहफ़ा है, उनके पास यह है। सिर्फ़ इसलिए कि बहुत से लोग तोहफ़े देने वाले से ज़्यादा तोहफ़ों को पसंद करते हैं, कुछ पादरी उन लोगों से जुड़ जाते हैं जिनमें भविष्यवाणी करने की आत्मा होती है और

Machine Translated by Google

लोगों को भाषाओं का गलत मतलब बताकर धोखा देते हैं। लेकिन, जब कोई व्यक्ति जिसके पास स्वर्गदूतों की भाषाओं का सच्चा तोहफ़ा होता है, बोलता है और मतलब बताता है, तो यह साफ़ तौर पर भविष्यवाणी होती है क्योंकि पूरा चर्च बेहतर होगा (I Cor.

14:5). दूसरी भाषाएँ, जिनका ज़िक्र मैंने पहले किया था, इंसान की आत्मा पर मुहर लगने के बाहरी निशान के तौर पर, इंसानों की भाषाएँ हैं। यह दूसरे देश की भाषा है जिसे कोई ऐसा बोल रहा है जो न तो उस देश का नागरिक है और न ही उसने इसे स्कूल में सीखा है। इसे बोलने वाला इंसान समझ भी नहीं पाएगा कि क्या बोला जा रहा है। लेकिन अगर उस देश का कोई इंसान, जिसे परमेश्वर ने बोलने वाले को उसकी भाषा दी है, उन भाषाओं को सुनता है, तो वह समझ जाएगा। (प्रेरितों 2:5-11)।

क्योंकि वे हकलाते हुए होंठों और दूसरी ज़बान से इन लोगों से बातें करेंगे। (यशायाह 28:11)।

और जो विश्वास करेंगे उनमें ये निशानियाँ होंगी; मेरे नाम से वे शैतानों को निकालेंगे, वे नई-नई भाषाएँ बोलेंगे। वे साँपों को उठा लेंगे, और अगर वे कोई जानलेवा चीज़ पी भी लें, तो भी उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे ठीक हो जाएँगे। (मरकुस 16:17-18)।

इसलिए दूसरी भाषाएँ निशानी हैं, विश्वास करने वालों के लिए नहीं, बल्कि उनके लिए जो विश्वास नहीं करते; लेकिन भविष्यवाणी उनके लिए नहीं जो विश्वास नहीं करते, बल्कि उनके लिए है जो विश्वास करते हैं। (I कुरिन्थियों 14:22)।

मैं इन तीन गवाहों के इन कोटेशन पर विश्वास करता हूँ,
यशायाह के कहे हुए पैगंबर, जो खुद प्रभु यीशु की कृपा है, और महान प्रेरित पॉल के कहे हुए कृपा के सेवकों से, उन सभी को साफ़ कर देंगे जिन्हें अभी भी शक है।

Machine Translated by Google

अगर संबंधित व्यक्ति दोबारा जन्म लेते हैं, तो क्या उनके लिए नई भाषा बोलना सही है। दोबारा जन्म लेने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह ज़रूरी है, यह अविश्वासियों के लिए एक संकेत है कि अब आप पर मुहर लग गई है। और जो लोग कहते हैं कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा लेने से पहले आपको पवित्र होना होगा, यह एक और धोखा है। वे शुरुआती प्रेरितों का उदाहरण देते हैं, जिन्होंने साढ़े तीन साल तक पवित्र होने और प्रभु के साथ काम करने के बाद पवित्र आत्मा का बपतिस्मा लिया था। सच तो यह है कि वे तब तक पवित्र भी नहीं हुए थे जैसा कि आप (यूहन्ना 17:17,19) में देख सकते हैं, जब तक कि पवित्र आत्मा ने आकर उनके सुने हुए वचन के ज़रिए उन्हें पवित्र नहीं किया। दूसरी बात, उन्हें साढ़े तीन साल तक इंतज़ार करना पड़ा क्योंकि यीशु को मरना था और महिमा मिलनी थी (यूहन्ना 7:38-

39) पवित्र आत्मा दिए जाने से पहले। लेकिन उसके बाद, प्रभु में विश्वास करने वाले सभी लोगों को तुरंत पानी और पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिया गया (प्रेरितों के काम 2:38-39, अध्याय 19:2-7)।

परमेश्वर ने हमसे बात करने के लिए क्यों चुना?

दूसरी भाषा?

भगवान सब कुछ जानते हैं और इससे पता चलता है कि उनके पास बहुत ज़्यादा ज्ञान है और वे सब कुछ जानते हैं। वे सब जगह मौजूद होने के साथ-साथ सर्वशक्तिमान भी हैं। उनकी सब जगह मौजूद होने की शक्ति, उन्हें अपनी आत्मा के ज़रिए एक ही समय में हर जगह मौजूद रहने और सभी रहस्यों को समझने में मदद करती है। इसीलिए आप उनसे बात करने के लिए जिस भी भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वे उसे समझते हैं। शैतान के बारे में यह भी कहा जाता है कि वह धरती पर इंसानों की सभी भाषाएँ समझता है, लेकिन वह फ़रिश्तों की भाषा नहीं समझता। इससे यह नहीं पता चलता कि शैतान सब जगह मौजूद है,

Machine Translated by Google

कभी नहीं, बल्कि वह भगवान की नकल करता है। वह जो करता है वह यह है कि, क्योंकि वह धरती और इंसान के बनने से हज़ारों साल पहले से मौजूद है, और इंसान में अपनी आत्मा डालने में कामयाब रहा, जिससे इंसान का पतन हुआ, फिर उसने इंसान के मामलों को कंट्रोल करने का एक नया तरीका बनाया, जब भगवान ने बाबेल में इंसान की भाषा को गड़बड़ कर दिया (Gen. 11:1-9)।

क्योंकि परमेश्वर के वरदान और बुलावा बिना पछतावे के हैं।

(रोमियों 11:29).

शैतान ने इस धर्मग्रंथ का फ़ायदा उठाया और भगवान ने उसे जो बड़ी ताकत, समझदारी और ज्ञान का तोहफ़ा दिया था (यहेजकेल 28:12-17), उसकी वजह से, जब वह अभी भी भगवान की गद्दी के सामने था (लेकिन उसकी तुलना उससे नहीं की जा सकती जो उसने जीसस को दिया था जो हमें विरासत में मिला है), उसने अपनी शैतानी आत्माओं को भी भेजा और उन्होंने धरती पर इंसानों के सभी परिवारों का पीछा किया और इन नई भाषाओं को सीखा। और इसलिए उनके (शैतानी आत्माओं) लिए उसी पुरानी भाषा का इस्तेमाल करके फ़ीडबैक देना मुमकिन हो गया जिससे वह इंसानों को जानता है। वह यहीं नहीं रुका, बल्कि उसने अपनी बुरी आत्माओं को बढ़ाया जिन्हें उसने प्रेग्नेंट औरतों और उनके अजन्मे बच्चों पर कब्ज़ा करने के लिए भेजा, और अजन्मे बच्चों में यह बागी स्वभाव डाल दिया। इसीलिए राजा डेविड ने कहा था,

देखो, मैं अधर्म में रचा गया, और पाप में मेरी माता ने मुझे गर्भ में धारण किया। (भजन 51:5)।

वहाँ बताए गए पाप और गलत काम, उन बुरी आत्माओं के असर की वजह से हुए थे। फिर भी, इंसान के जन्म के बाद, शैतान सात आत्माएँ भेजेगा जो उस इंसान के जन्म के दिन से ही उसकी ज़िंदगी पर असर डालेंगी।

Machine Translated by Google

और उस अथॉरिटी के चैनल को रिपोर्ट करें जिसे उसने बनाया है, जब तक कि रिपोर्ट खुद शैतान तक न पहुँच जाए। ये आत्माएँ आपकी भाषा बहुत अच्छी तरह जानती हैं क्योंकि, जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, वे आपको मॉनिटर करती हैं, इसलिए जैसे-जैसे आप सीखते हैं, वे आपकी भाषा भी सीख रही होती हैं। इन आत्माओं को पूर्वजों की आत्माएँ या जानी-पहचानी आत्माएँ कहा जाता है, हाँ वे आपकी ज़िंदगी से वाकिफ होती हैं। लेकिन रहस्यमयी राज्यों में, उन्हें किस्मत और ज़िंदगी के दायरे के एंजल गार्डियन कहा जाता है। और इसलिए जब आप फिर से जन्म लेने वाले क्रिश्चियन बन जाते हैं, तो होली घोस्ट आपको दूसरे देश की भाषा बोलने की ताकत देता है जिसे वे जानी-पहचानी आत्माएँ कभी नहीं सीख सकतीं, ताकि हमारे प्रभु के साथ आपकी बातचीत उन आत्माओं से प्रभावित न हो, और उन्हें पता न चले कि भगवान के साथ आपके व्यवहार के बारे में क्या रिपोर्ट करें।

आखिर में, एक क्रिश्चियन बनने के लिए, आपको दोबारा जन्म लेना होगा, और आपको पानी और होली घोस्ट में बैप्टाइज़ होना होगा। हालाँकि, यह स्टेप एक बिल्डिंग की नींव रखने जैसा है। घर किसी (होली स्पिरिट) के रहने के लिए बनाया जाना चाहिए, और घर बनाने के लिए, आपको एक शिष्य के तौर पर, खुद को भगवान के अथॉरिटी चैनल के तहत रखना होगा (सबमिशन, द अथॉरिटी चैनल ऑफ़ गॉड और द ओनली वे टू द किंगडम ऑफ़ गॉड पर मेरी किताब देखें), भगवान के वचन में बने रहकर, और उसे करके। (Jn. 8:31-32)।

Machine Translated by Google

अध्याय 3

सच्चा बनने की शर्तें

यीशु का शिष्य

इस चैप्टर को अच्छी तरह से समझने के लिए, डिसाइपल का मतलब समझना ज़रूरी है। ऑक्सफ़ोर्ड डिक्शनरी के अनुसार, डिसाइपल का मतलब है, धार्मिक सोच, कला, शिक्षा वगैरह के किसी भी लीडर का फॉलोवर। हमें यह ध्यान रखना होगा कि दुनिया के सभी धार्मिक ग्रुप्स में लीडर होते हैं, चाहे वे ज़िंदा हों या मरे हुए। और जो लोग उनकी शिक्षाओं, उनके लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं और उनके आदेशों का पालन करते हैं, उन्हें ऐसे लीडर्स का डिसाइपल माना जाता है। लेकिन क्रिश्चियनिटी में, मुझे नहीं लगता कि दस परसेंट (10%) से ज़्यादा विश्वासी (फिर से जन्मे, पानी में बैप्टाइज़ हुए और होली घोस्ट क्रिश्चियन) हमारे लीडर, प्रभु यीशु मसीह के उस सिद्धांत को फॉलो कर रहे हैं जैसा कि पवित्र बाइबिल में साफ-साफ बताया गया है। बहुत से लोग कई डिनॉमिनेशनल लीडर्स के डिसाइपल हैं। और दुनिया भर में ये लाखों विश्वासी ईमानदारी से अपने लीडर्स को फॉलो कर रहे हैं, लेकिन आज की सच्चाई क्या है, इस बात की जानकारी न होने के कारण, वे उन कई बड़े लोगों द्वारा गुमराह किए जा रहे हैं, जिन्होंने सच्चाई के प्रति अपने दिल कठोर कर लिए हैं। भाई पॉल जो गैर-यहूदी देशों के हेड अपोस्टल थे, उन्होंने यह आते देखा और टिमोथी और पूरे क्रिश्चियनिटी को चेतावनी देते हुए कहा,

वचन का प्रचार करो; समय पर और असमय तैयार रहो, डांटो, डांटो, और पूरी सहनशीलता और शिक्षा के साथ समझाओ।

Machine Translated by Google

क्योंकि ऐसा समय आएगा जब वे सही शिक्षा को बर्दाश्त नहीं करेंगे, बल्कि अपनी इच्छाओं के अनुसार अपने लिए बहुत से शिक्षक इकट्ठा कर लेंगे, जिनके कान खुजली वाले होंगे। और वे अपने कान सच्चाई से फेर लेंगे, और कहानियों पर ध्यान देंगे। (II Tim. 4:2-4).

यह देखकर बहुत दुख होता है कि हम मानने वालों ने लीगलिज़्म के मामले में, मेरा मतलब है धार्मिक लीगलिज़्म के मामले में, इतनी ज़्यादा गलती की है। और इसका मतलब है कि इंसान के बनाए नियमों (कानून) को मानकर भगवान की नेकी पाने की कोशिश करना, जिन्हें खुद भगवान ने नहीं बनाया है (या जो भगवान के वचन की सही शिक्षा के खिलाफ है)।

ईसाई धर्म किसी व्यक्ति, ग्रुप, संप्रदाय वगैरह के थोपे हुए नियमों का सेट नहीं है। यह बस पवित्र आत्मा के ज़रिए प्रभु यीशु मसीह के साथ एक पर्सनल रिश्ता है, और परमेश्वर के वचन से जज किया जाना है। जैसे दूसरे धार्मिक ग्रुप्स ने प्रभु यीशु को परमेश्वर पिता तक पहुँचने का एकमात्र रास्ता मानकर नज़रअंदाज़ किया है, वैसे ही ईसाइयों ने भी प्रभु यीशु के साथ करीबी रिश्ता बनाने के एकमात्र ज़रिया के तौर पर पवित्र आत्मा को नज़रअंदाज़ किया है। जोशुआ ने भी यही गलती की होगी जब उसे मूसा की जगह लेने के लिए चुना गया था ताकि वह इस्राएल के बच्चों को आगे बढ़ा सके।

वादा किया हुआ देश। इस्राएल के बच्चों के दूसरे खतने के तुरंत बाद, जो सभी जंगल में पैदा हुए थे, और मिस्र में खतना किए गए लोगों में से नहीं थे, वे ठीक होते ही जेरिको के पास पहुँचे।

और ऐसा हुआ कि जब यहोशू यरीहो के पास था, तब उसने अपनी आँखें उठाकर देखा, और क्या देखा, कि वहाँ एक खड़ा था।

Machine Translated by Google

एक आदमी उसके सामने खड़ा था, जिसके हाथ में तलवार थी; और यहोशू उसके पास गया, और उससे पूछा, क्या तुम हमारी तरफ़ से हो, या हमारे दुश्मनों की तरफ़ से? उसने कहा, नहीं; लेकिन मैं यहोवा की सेना का सरदार होकर आया हूँ। और यहोशू ज़मीन पर मुँह के बल गिर पड़ा, और उसने उसे प्रणाम किया, और उससे पूछा, मेरे मालिक अपने नौकर से क्या कहते हैं? और यहोवा की सेना के सरदार ने यहोशू से कहा, अपने पैर से जूता उतारो; क्योंकि जिस जगह पर तुम खड़े हो वह पवित्र है।

और यहोशू ने वैसा ही किया। (यहोशू 5:13-15)

जोशुआ, एक बहादुर सैनिक होने के नाते, और क्या करना है इसका अपना प्रोग्राम बनाकर, उस आदमी के पास गया जो उनके समय में एक एंजल था, लेकिन वह हमारे समय में पवित्र आत्मा है, और उससे पूछा, क्या तुम हमारे प्रोग्राम में शामिल होने आए हो या हमारे दुश्मनों के। प्रभु के एंजल ने कहा, बिल्कुल नहीं, मैं किसी के प्रोग्राम में शामिल नहीं हो रहा हूँ। चाहे तुम्हें अपना प्रोग्राम कितना भी अच्छा क्यों न लगे, मैं उसमें शामिल नहीं हो रहा हूँ, मुझे प्रभु की तरफ से एक और काम मिला है और अगर तुम मेरे साथ शामिल होना चाहते हो, तो हो सकते हो। जोशुआ ने पहचान लिया कि वह प्रभु के नाम पर उन्हें लीड करने आया है और उसने उसकी पूजा की (हमें एंजल्स की पूजा नहीं करनी है)। उसने तुरंत एंजल से पूछा, तुम मुझसे कौन सी बात मानना चाहते हो? और एंजल ने कहा, अपने पैर से अपना जूता उतार दो, मतलब अपना अधिकार या इच्छा मुझे सौंप दो, और मैं काम संभाल लूँगा। जोशुआ ने उसकी बात मानी और उस समय से, प्रभु की सेना का अदृश्य कप्तान (क्योंकि जोशुआ ने उसे फिर कभी नहीं देखा) लड़ रहा था और इज़राइल के बच्चों को वादा किए गए देश में ले जा रहा था। क्या हम सभी ने जो खुद को विश्वासी कहते हैं, यह देखा है? अगर हम अपने सभी प्रोग्राम अलग-अलग छोड़ने पर सहमत हो गए हैं और

Machine Translated by Google

अगर हम सब मिलकर पवित्र आत्मा की अगुवाई में चलते, तो वह हमें सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ा रहे होते, और ईसाई धर्म में ये सारी उलझनें खत्म हो जातीं। जो दुनिया विश्वास नहीं करती, वह हमें हमारे प्रभु यीशु के सच्चे शिष्य के तौर पर पहचान लेती और हमें ईसाई कहती। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि पवित्र आत्मा ने पॉल के ज़रिए कहा,

क्योंकि जितने लोग परमेश्वर की आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं। (रोमियों 8:14)।

कोई सच्चा होने के योग्य कैसे बनता है?
यीशु का शिष्य?

अगर आप हमारे प्रभु यीशु के सच्चे शिष्य बनना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपके मन में वही बात होगी जो प्रभु ने दाऊद के ज़रिए कही थी, मेरे संतों को मेरे पास इकट्ठा करो; जिन्होंने बलिदान देकर मेरे साथ वाचा बाँधी है। (भजन 50:5)।

इस जगह पर ध्यान देना बहुत ज़रूरी है क्योंकि, प्रभु ने यह नहीं कहा कि हर विश्वासी को इकट्ठा करो, बल्कि अपने संतों को इकट्ठा करो। उन्होंने आगे कहा कि वह सिर्फ़ उन्हीं को चाहते हैं जिन्होंने बलिदान देकर उनके साथ एक करार किया है। अब सवाल यह है कि कोई करार कैसे करता है, और प्रभु किस तरह के बलिदान की बात कर रहे हैं? यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि जब भी कोई करार होता है, तो एक बलिदान भी होना चाहिए, और किसी भी स्वीकार्य बलिदान में, खून बहाना ज़रूरी है। आप बिना करार के भगवान के साथ कोई रिश्ता (उनके लिए बलिदान) नहीं बना सकते, और आप बिना बलिदान के किसी भी करार में नहीं आ सकते। और खून बहाए बिना कोई बलिदान नहीं हो सकता।

Machine Translated by Google

(अपनी सारी इंसानी इच्छा को छोड़ देना)। इसीलिए पवित्र आत्मा ने पॉल के ज़रिए कहा, क्योंकि जहाँ वसीयतनामा होता है, वहाँ

वसीयत करने वाले की मौत भी ज़रूरी है। क्योंकि वसीयतनामा इंसान के मरने के बाद ही लागू होता है; नहीं तो वसीयत करने वाले के ज़िंदा रहते हुए उसका कोई मतलब नहीं होता। (इब्रानियों 9:16-17)।

बाइबिल के अनुसार, टेस्टामेंट और कवनेंट एक ही चीज़ हैं, इसलिए आपको खुद को पूरी तरह से नकारकर मरने के लिए तैयार रहना चाहिए (अपनी इच्छा प्रभु को उनके अधिकार के ज़रिए सौंपना, इस टॉपिक पर मेरी किताब देखें)।

प्रभु हमसे क्या बलिदान चाहते हैं?

अगर प्रभु चाहते हैं कि हम सिर्फ़ पैसे, ज़मीन, घर, कपड़े, कार वगैरह जैसी चीज़ों के लिए कुर्बानी दें, या प्रार्थना, उपवास, धर्म प्रचार, धर्मयुद्ध, सेमिनार और कॉन्फ्रेंस जैसी आध्यात्मिक चीज़ों के लिए, तो मैं कहूँगा कि कई विश्वासियों ने इन मामलों में बहुत अच्छा किया है। लेकिन प्रभु इन सबसे कहीं ज़्यादा कुछ चाहते हैं और इसीलिए उन्होंने कहा, इसलिए , भाइयो, मैं तुमसे भगवान की दया से विनती करता हूँ कि तुम अपने शरीर को एक जीवित, पवित्र और भगवान को मंज़ूर बलिदान के तौर पर चढ़ाओ, जो तुम्हारी सही सेवा है।

(रोमियों 12:1).

इसलिए जब वह दुनिया में आता है, तो कहता है, 'बलिदान और भेंट तू नहीं चाहता, पर मेरे लिए एक शरीर तैयार किया है।' (इब्रानियों 10:5)।

नए नियम के समय में हमारे लिए, इस जगह का मतलब है कि जब पवित्र आत्मा हमारे शरीर में आती है, जो एक तरह की

Machine Translated by Google

उन्होंने कहा, दुनिया में, उन्हें मरी हुई चीज़ों या ऐसे जानवरों की बलि और भेंट नहीं चाहिए जिनका खून पापों को दूर नहीं कर सकता, बल्कि हमारे अपने शरीर की बलि चाहिए। इसका मतलब है एक ऐसा जीवन जो वेदी पर चढ़ाया जाए, जिसमें मरे हुए जानवर से ज़्यादा कोई इच्छा या चाहत न हो, और जिसे भगवान की सेवा में भस्म कर दिया जाए। इसका मतलब यह भी है कि भगवान के प्रति पूरी तरह से, बिना किसी शर्त के समर्पण का दिल का रवैया। इसीलिए कोई भी बलि जो भगवान को मंज़ूर और पवित्र होगी, उसमें खून होना चाहिए, जिसका इस्तेमाल हमारे लिए प्रायश्चित करने के लिए किया जा सकता है।

प्रभु हमसे कहाँ जाना चाहते हैं?

उसके लिए बलिदान?

क्या हम पहाड़ों पर, मंदिरों में, गुफाओं में, घरों में, घाटियों में, जंगल में, वगैरह जगह पर भगवान के लिए बलि चढ़ाते हैं?

एक बार फिर से, हमारे प्रिय भाई पौलुस को पवित्र आत्मा के द्वारा उसके द्वारा कही गयी बातों का उत्तर मिला;

क्योंकि जिन जानवरों का खून पाप के लिए महायाजक पवित्र जगह में लाता है, उनके शरीर छावनी के बाहर जला दिए जाते हैं। इसलिए यीशु ने भी, ताकि वह लोगों को अपने खून से पवित्र कर सके, फाटक के बाहर दुख उठाया। इसलिए आओ, हम छावनी के बाहर उसके पास जाएं, और उसकी बेइज्जती सहें। (इब्रानियों 13:11-13)।

यह धर्मग्रंथ सब कुछ कहता है, कि जैसे यीशु यरूशलेम (अलग-अलग संप्रदायों की एक तस्वीर) के बाहर मरे ताकि हमें अपने खून से पवित्र कर सकें, वैसे ही वह यह भी चाहते हैं कि हम कैंप के बिना उनके पास आएं (जो दोनों संप्रदायों और दुनिया के किसी भी संगठित धार्मिक सिस्टम से बाहर है)। क्यों? ताकि हम उनकी बुराई सह सकें और उनका खून हमारे लिए काम आए।

Machine Translated by Google

हमें पवित्र करो। इसी कैंप के बाहर तुम परमेश्वर के सच्चे टैबरनेकल (प्रभु यीशु) में जा सकते हो, जिन्हें दुनिया के किसी भी ऑर्गनाइज़्ड धार्मिक सिस्टम में कोई दिलचस्पी नहीं है, और आत्मा और सच्चाई से उनकी पूजा कर सकते हो। यहीं पर पवित्र आत्मा, जो पहले से ही किसी भी ऐसे व्यक्ति का इंतज़ार कर रही है जो बाहर आने के लिए राज़ी हो, तुम्हें परमेश्वर के चुने हुए लोगों के अंडर रखने के बाद, जिन्हें उसने इस तरह ट्रेन किया है, तुम्हें किंगडम का सच्चा रास्ता दिखाना और सिखाना शुरू कर देगी।

वह आपको सिखाना शुरू करेगा कि उसकी बात कैसे सुनें, उसकी बात कैसे मानें और उसके लिए कैसे ज़ुल्म सहें। उसने यही काम पुराने नियम में इस्राएल के बच्चों के साथ किया था जब उसने मूसा से निर्गमन 33:1-11 में कहा था कि वह (मूसा) तम्बू ले ले, और वह छावनी के बाहर खड़ा किया जाए, ताकि जो कोई भी प्रभु को खोजे वह छावनी के बाहर आकर तम्बू में परमेश्वर से मिले।

लेकिन उन्होंने तम्बू में जाने से मना कर दिया, और भगवान से गुज़ारिश की कि मूसा को उनसे बात करने दें, बजाय इसके कि वे भगवान के साथ सीधा और पर्सनल रिश्ता रखें। फिर, जब सामरिया की औरत ने भगवान को कानून, या इंसानी समझ के तहत लाना चाहा, तो उन्होंने यह कहा,

यीशु ने उससे कहा, हे स्त्री, मेरा विश्वास करो, वह समय आता है जब तुम न तो इस पहाड़ पर पिता की पूजा करोगे, न यरूशलेम में। तुम नहीं जानते कि क्या पूजा करते हो; हम जानते हैं कि हम क्या पूजा करते हैं; क्योंकि मुक्ति यहूदियों (सच्चे उपासकों जो आत्मा और सच्चाई से पूजा करते हैं) से है।

लेकिन वह समय आता है, और अब है, जब सच्चे उपासक आत्मा और सच्चाई से पिता की आराधना करेंगे; क्योंकि पिता ऐसे ही उपासकों को ढूंढता है जो उसकी आराधना करें। परमेश्वर एक आत्मा है,

Machine Translated by Google

और जो उसकी आराधना करते हैं, उन्हें आत्मा और सच्चाई से उसकी आराधना करनी चाहिए। (यूहन्ना 4:21-24)।

उस बात के साथ, और अब भी है, किसी खास जगह पर प्रभु की पूजा करना आत्मा में खत्म कर दिया गया था, लेकिन उनकी मौत और फिर से जी उठने के बाद, जब पवित्र आत्मा पहली बार इंसान के अंदर रहने आई, तो यह असल में ज़ाहिर हुई। बहुत से विश्वासी जो खुद को सही ठहराने के लिए Heb. 10:25 का इस्तेमाल करके परमेश्वर की बात नहीं मानते, वे खुद को धोखा दे रहे हैं, क्योंकि यीशु ने Matt. 18:20 में कहा, क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठा होते हैं, वहाँ मैं उनके बीच में होता हूँ। इससे पता चलता है कि जहाँ भी कम से कम दो या तीन लोग सच में यीशु के नाम पर इकट्ठा होते हैं, वह उनके बीच में होता है। इसे और साफ़ करने के लिए, प्रभु ने कहा,

और जब तुम प्रार्थना करो, तो पाखंडियों की तरह मत बनो; क्योंकि उन्हें सभाओं (समुदायों) में और सड़कों के कोनों पर खड़े होकर प्रार्थना करना पसंद है, ताकि लोग उन्हें देख सकें। मैं तुमसे सच कहता हूँ, उन्हें उनका इनाम मिल चुका है। लेकिन जब तुम प्रार्थना करो, तो अपनी कोठरी में जाओ, और जब तुम अपना दरवाज़ा बंद कर लो, तो उस पिता से प्रार्थना करो जो गुप्त में है; और तुम्हारा पिता जो गुप्त में देखता है, तुम्हें खुले तौर पर इनाम देगा। (मत्ती 6:5-6)।

प्रभु यीशु ने खुद Jn. 4:22 में कहा था कि जब तुम पहाड़ों या यरूशलेम में जाओगे, जो कि अलग-अलग धर्मों की एक तस्वीर है, तो तुम नहीं जान पाओगे कि तुम किसकी पूजा कर रहे हो। क्यों? क्योंकि उन्होंने अपनी मौजूदगी वहाँ से हटा ली है, तो यह मान लो कि उनके नाम पर कुछ चमत्कार अभी भी होते हैं। हाँ, वह जहाँ भी जाते हैं, उनका नाम होता है।

Machine Translated by Google

उस नाम में शक्ति दिखाने के लिए कहा गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह किसी के प्रोग्राम में शामिल हो जाता है (देखें Matt. 7:21-23)। फिर उन्होंने मत्ती 6:5-6 में अपनी बात को पूरा किया, कि अगर तुम प्रार्थना करने के लिए सभाओं में या सड़कों के कोनों जैसे धर्मयुद्ध के मैदानों या सड़कों की खुली जगहों पर जाते हो, तो तुम एक पाखंडी हो जो चाहता है कि लोग उसे देखें। और तुम्हारे लिए कोई इनाम नहीं है।

उन्होंने कहा, जब तुम प्रार्थना करना चाहो, तो भगवान के साथ एक सीक्रेट और पर्सनल रिश्ता बनाने के लिए अपने प्राइवेट कमरे में जाओ, और तुम्हें खुले तौर पर इनाम मिलेगा (मतलब लोग देखेंगे कि वह तुम्हें कब आशीर्वाद देंगे)।

आखिर में, अगर आप भगवान के शिष्य बनना चाहते हैं, और सच में सच्चे शिष्य बनना चाहते हैं, तो आपको ये तीन शर्तें पूरी करनी होंगी:-

a) आपको उसके साथ एक करार वाला रिश्ता बनाना होगा, और यह आपको कैंप के बाहर करना होगा।

b) आपको अपने शरीर को एक जीवित बलिदान के रूप में पेश करना होगा, जो उन ज़ुल्मों से जलेगा जिनसे आप गुज़रेंगे, जब तक आप मसीह की तरह परिपूर्ण नहीं हो जाते। इसे आगे भजन संहिता में देखें :- प्रभु के वचन शुद्ध वचन हैं; जैसे चाँदी को मिट्टी की भट्टी में परखा गया हो, और सात बार शुद्ध किया गया हो। (भजन संहिता 12:6)। मिट्टी की भट्टी, जहाँ परमेश्वर के शुद्ध वचन को परखा जाएगा, वह हमारा शरीर है।

सात बार शुद्ध होने का मतलब है कि भगवान हमारे शरीर में इस पवित्र शब्द को तब तक आज़माते रहेंगे जब तक कि इंसान चांदी जैसा परफेक्ट और शानदार न हो जाए। ऐसा इसलिए है क्योंकि भगवान के नंबरों के हिसाब से सात नंबर परफेक्शन या पूर्णता है, और चांदी मुक्ति का प्रतीक है। और इससे पता चलता है कि भगवान इसे आज़माते रहेंगे।

Machine Translated by Google

उस वचन को अपने शरीर में तब तक जलाते रहें जब तक हम परिपूर्ण और मुक्त न हो जाएं।

c) आपको अपना खून बहाना होगा, जो इस बात का भी प्रतीक है कि आप अपनी इंसानी इच्छा को प्रभु यीशु को सौंप रहे हैं, परमेश्वर के एक चुने हुए आदमी के ज़रिए जिसे वह आप पर रखेंगे (मेरी किताब सबमिशन पर देखें, जो परमेश्वर का अधिकार का ज़रिया है और परमेश्वर के राज्य का एकमात्र रास्ता है)। अपनी इच्छा और खून देने का आपस में क्या संबंध है? और लगभग सभी चीज़ें कानून के हिसाब से खून से शुद्ध की जाती हैं, और बिना खून बहाए कोई माफ़ी नहीं है। (Heb.

9:22). खून और आपकी इच्छा के बीच का कनेक्शन यह है कि दुनियावी शरीर की जान आपके अपने खून में है, और आपकी इंसानी इच्छा भी आपके खून में है। अगर आपका खून पूरी तरह सूख जाए और आपको दूसरा शरीर दिया जाए (क्योंकि जो आपके पास है वह सड़ जाएगा), तो आप मांस और हड्डियों से भरे होंगे जो आपका रूह का या आसमानी शरीर है (मसीह की परछाई के तौर पर टैबरनेकल पर मेरी किताब देखें)। उस शरीर में, आपकी कोई इच्छा नहीं होती कि आप नर्क जाएं या स्वर्ग, (यानी) आप दुनियावी शरीर की तरह अपनी मर्ज़ी का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

क्योंकि शरीर की जान खून में है; और मैंने उसे तुम्हें वेदी (यीशु) पर तुम्हारी आत्माओं के लिए प्रायश्चित करने के लिए दिया है; क्योंकि खून ही आत्मा के लिए प्रायश्चित करता है। (लैव्यव्यवस्था 17:11)। आप देख सकते हैं कि जब से यीशु ने हमारे लिए रास्ता खोला है, हर सच्चे शिष्य को आत्मा के लिए फिरौती के तौर पर अपना खून बहाना चाहिए। अगर तुम अपना खून बचाने का फैसला करते हो, तो तुम खत्म हो जाओगे। अगर विश्वासी समझते हैं कि शिष्य बनना एक

Machine Translated by Google

वाचा, वे सावधान रहेंगे कि वे अपने मुँह से कोई वादा न करें और उसे पूरा न करें। क्योंकि एक बार जब आप भगवान के साथ वाचा में खुद को समर्पित करने के बाद वापस जाते हैं, तो आप आध्यात्मिक रूप से मर जाते हैं। हालाँकि, अगर आप अंत तक टिके रह सकते हैं, तो आपको सहारा देने के लिए बहुत कृपा मिलेगी, और आप अंत में अच्छे फल पाएँगे। अगर डर और जीवन के सुखों के कारण, आप भगवान के साथ इस वाचा के रिश्ते में शामिल नहीं होने का फैसला करते हैं, तो शैतान के साथ आपका वाचा, जिसमें आप हमेशा से रहे हैं, जारी रहेगा और जब एंटीक्राइस्ट आएगा तो आप इसकी कीमत चुकाएँगे, और फिर भी नरक में मरेंगे। हालाँकि, अगर आप उसके आने से पहले मर जाते हैं, तो आप नरक में अपने दाँत पीसेंगे, सिवाय इसके कि आप पूरे प्यार में चले। और पूरा प्यार भगवान के वचन का पूरा पालन करना है, इसलिए यदि आप उसकी बात नहीं मानते हैं, तो आप इस प्यार में नहीं चल सकते।

Machine Translated by Google

अध्याय 4

एक सच्चे शिष्य के गुण

यीशु

अगर एक सच्चे शिष्य में कोई गुण नहीं होने चाहिए, तो मुझे नहीं लगता कि हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह ने हमें उनके पीछे चलने की कीमत गिनने के लिए कहा होगा।

तुम में से ऐसा कौन है जो मीनार बनाना चाहता हो, और पहले बैठकर खर्च न जोड़े, कि पूरा करने के लिए उसके पास काफी है या नहीं? कहीं ऐसा न हो कि जब वह नींव डाल दे, और उसे पूरा न कर पाए, तो सब देखने वाले उसका मज़ाक उड़ाने लगें, और कहें, कि यह आदमी बनाने तो लगा, पर पूरा नहीं कर सका। (लूका 14:28-30)।

यह ज़रूरी है क्योंकि हमारे उद्धारकर्ता ने भी खुद इंसानियत को बचाने के लिए अपनी जान कुर्बान करने की कीमत गिनी थी। उन्होंने दुखों की तुलना इनाम से की, और पाया कि खुशी दुखों से कहीं ज़्यादा बड़ी है, और इसीलिए प्रभु पवित्र आत्मा ने भाई पॉल के ज़रिए बात की;

जैसा मन मसीह यीशु का था, वैसा ही मन तुम्हारा भी हो; जिसने परमेश्वर के रूप में होकर भी परमेश्वर के बराबर होने को लूट नहीं समझा। बल्कि खुद को बेइज़्ज़त किया, और दास का रूप धारण किया, और इंसानों की तरह बन गया। और इंसान के रूप में पाया गया, उसने खुद को दीन किया, और मौत तक आज्ञाकारी बना रहा, यहाँ तक कि

Machine Translated by Google

क्रूस की मृत्यु। इसलिए परमेश्वर ने भी उसे बहुत ऊंचा किया है, और उसे वह नाम दिया है जो हर नाम से ऊपर है।

(फिलि. 2:5-9).

प्रभु यीशु के बारे में यहाँ ध्यान देने वाली पहली बात यह है कि उन्होंने खुद को एक सेवक बना लिया, उन्हें किसी ने मजबूर नहीं किया।
इस कामयाबी का राज़ यह था कि वे एक सेवक के रूप में आने को तैयार थे, और फिर मरने तक आज्ञा मानते रहे।

इसलिए एक शिष्य का पहला गुण है, इच्छा। यशायाह के पास इसका जवाब है जब उसने कहा, अगर तुम तैयार और आज्ञाकारी हो, तो तुम ज़मीन की अच्छी चीज़ें खाओगे।

(यशायाह 1:19). देश की भलाई ही वह इनाम है जो आपको अपने शिष्यत्व के अंत में मिलेगा।

दूसरा गुण जो एक शिष्य में होना चाहिए, वह है जोश। जोश का मतलब है उत्साह, और उत्साह तारीफ या दिलचस्पी की गहरी भावना है। भगवान बिना समझदार लोगों के भी काम चला सकते हैं, वे आपकी दौलत के बिना भी काम चला सकते हैं (आखिरकार, धरती पर सब कुछ उन्हीं का है), वे आपकी ताकत के बिना भी काम चला सकते हैं, वे दिव्यांगों के साथ भी बहुत अच्छा काम कर सकते हैं। लेकिन उनका ऐसे किसी से कोई लेना-देना नहीं है, जिसमें उनके लिए बहुत जोश न हो। इसीलिए दुनिया सच्चे शिष्यों को कट्टर कहती है, लेकिन क्या आप भूल गए हैं कि हर इंसान कट्टर होता है? आप या तो पढ़ाई के, या फ़ैशन के, या औरतों के, या आदमियों के, या धर्म के, या खाने के, या खेल के, या राज करने के, या पैसे के, या सिगरेट वगैरह के कट्टर हैं। धरती पर ऐसा कोई नहीं है जिसे किसी न किसी चीज़ में बहुत दिलचस्पी न हो। अगर आपका दिल उद्धारकर्ता के लिए बहुत जुनून से भरा नहीं है, तो आप शिष्य नहीं बन सकते। भगवान

Machine Translated by Google

वह खुद अपने पिता के लिए बहुत जोश से भर गया था जब उसने कहा, तेरे घर की धुन ने मुझे खा लिया है। (यूहन्ना 1:1-2)
2:17) परमेश्वर के किस घर को व्यवस्थित रखने के लिए वह उत्साही था?
ये आप और मैं हैं, जो भगवान के सच्चे मंदिर हैं। मंदिर से बिज़नेस मैग्नेट को दूर भगाने के लिए उन्होंने जो डोरियाँ बनाईं और इस्तेमाल कीं, वे भगवान के लिए उनके जोश को दिखाती हैं, और यह भी दिखाती हैं कि कैसे वे अब भगवान के घर के तौर पर हमारे बर्तनों से शैतानों को बाहर निकाल रहे हैं, जहाँ वे बिज़नेस कर रहे हैं।

प्रभु का उत्साह इतना अधिक था कि वह इस बात से परेशान नहीं हुआ कि लोग क्या कहेंगे या उसकी शिक्षाओं से परिवारों, राष्ट्र के रूप में इस्राएल और पूरी दुनिया में क्या असर होगा, जब उसने कहा;

मैं धरती पर आग लगाने आया हूँ; और अगर वह पहले ही जल चुकी है, तो मैं क्या करूँगा? लेकिन मुझे एक बपतिस्मा लेना है; और जब तक वह पूरा न हो जाए, मैं कैसे तंग होऊँगा! (लूका 1:1-2)
12:49-50)। उन्हें धरती पर सच्चाई लाने और इंसानों को गुलामी से आज़ाद कराने के लिए भेजा गया था। ऐसा करने के लिए, वह जानते थे कि उनकी जान दांव पर लगानी होगी, इसलिए कोई भी धमकी उन्हें दिए गए काम को पूरा करने के उनके जोश को रोक नहीं सकी।

जॉन द बैपटिस्ट भी एक ऐसे इंसान थे जिनमें भगवान के लिए बहुत जोश था और प्रभु ने उनके जोश को माना जब उन्होंने कहा, वह एक जलती हुई और चमकती हुई रोशनी थे; और तुम कुछ समय के लिए उनकी रोशनी में खुश होने को तैयार थे। (यूहन्ना 5:35)। यह इसलिए ज़रूरी है क्योंकि, भले ही आपका कितना भी मज़ाक उड़ाया जाए, दुनिया तब तक नहीं हिल सकती जब तक वे प्रभु के लिए आपका जोश नहीं देखते। एक सच्चे शिष्य को प्रभु के लिए कैसे जोशीला होना चाहिए, इसका और क्या सबूत चाहिए, सिवाय इसके कि इस महान प्रेरित ने क्या झेला और क्या कहा, जब पैगंबर अगबस ने कहा।

Machine Translated by Google

वह उसे यह बताकर उसका ध्यान भटकाना चाहता था कि यरूशलेम में उसे क्या-क्या सहना पड़ेगा। पौलुस का जवाब सुनिए;

तुम रो कर मेरा दिल क्यों तोड़ते हो?

क्योंकि मैं न केवल बंधने के लिए, बल्कि प्रभु यीशु के नाम के लिए यरूशलेम में मरने के लिए भी तैयार हूँ। (प्रेरितों 21:13)।

पॉल यरूशलेम में किसके लिए मरने को तैयार था? प्रभु यीशु के नाम के लिए, किसी के लिए जोश रखने से यही होता है।

सच्चे शिष्य का तीसरा गुण है विश्वास।

इसे समझना आसान नहीं है, जब तक आप यह न देखें कि भाई पॉल ने पवित्र आत्मा की प्रेरणा से विश्वास को क्या बताया; अब विश्वास आशा की हुई चीज़ों का पक्का सबूत है, और अनदेखी चीज़ों का सबूत है। (इब्रानियों 11:1)।

इस जगह पर यह नहीं कहा गया कि विश्वास कल या आज के बाद है, बल्कि अभी है, जिसका मतलब है तुरंत। विश्वास उम्मीद नहीं है, क्योंकि विश्वास के बिना उम्मीद का कोई मतलब नहीं होता। मतलब का मतलब है कुछ ऐसा जिसे हम अपनी इंद्रियों से महसूस कर सकते हैं या उससे संपर्क कर सकते हैं, लेकिन यह असर हमारी आत्मा के सेंसरी मैकेनिज्म , से होता है, जो विश्वास है, नेचुरली, यह आंखें, कान, नाक, वगैरह हैं। मतलब ठोस होता है, मतलब भौतिकता, दिखने वाली नहीं बल्कि आध्यात्मिक और यह भगवान का दायरा है। फिर सबूत का मतलब है सबूत, और सबूत किसी ऐसी चीज़ के होने को सपोर्ट करने और असली बनाने के लिए तथ्य देता है जो अभी आपके पास नहीं है। सबूत उन चीज़ों की जगह ले लेता है जिन्हें साबित करना होता है, जब तक कि चीज़ें आ न जाएं। इसलिए विश्वास को एक आध्यात्मिक शक्ति एक्टिवेटर कहा जा सकता है, जो हमारे जीवन और हालात में सर्वशक्तिमान भगवान की शक्ति को रिलीज़ करता है। भगवान का विश्वास इंसान के साथ संभावना के दायरे में काम नहीं करता,

Machine Translated by Google

क्योंकि भगवान महिमा नहीं छीन सकते। विश्वास का वह दायरा वहीं से शुरू होता है जहाँ इंसान की काबिलियत खत्म हो जाती है। विश्वास की ताकत वहाँ से शुरू होती है जहाँ संभावनाएँ, आपकी नज़र और आपकी इंसानी समझ आपको फेल कर देती है, तब आपका विश्वास भगवान को सामने लाएगा। भगवान ने पहले कहा था;

..क्योंकि मैं तुमसे सच कहता हूँ, अगर तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो तुम इस पहाड़ (समस्या) से कहोगे, यहाँ से वहाँ हट जाओ, और वह हट जाएगा, और तुम्हारे लिए कुछ भी नामुमकिन नहीं होगा। (मैथ्यू 1:1-2)

17:20). सिर्फ़ प्रभु यीशु में आपका विश्वास ही किसी भी समस्या को खत्म कर सकता है। जब तक आप उन पर अपने विश्वास के अनुसार काम नहीं करते, तब तक भगवान आपकी मदद नहीं कर सकते, लेकिन अगर आपमें भगवान जैसा विश्वास है और आप उस पर काम करते हैं, तो आप भगवान के दायरे में चले जाएँगे जहाँ कुछ भी नामुमकिन नहीं है।

लेकिन विश्वास के बिना उसे खुश करना नामुमकिन है; क्योंकि जो परमेश्वर के पास आता है, उसे विश्वास करना चाहिए कि वह है, और जो लोग उसे लगन से खोजते हैं, उन्हें वह इनाम देता है। (इब्रानियों 11:6)।

भगवान का एक दायरा है जहाँ वह काम करते हैं और यह विश्वास का दायरा है, अगर आप उस दायरे में नहीं चल सकते, तो आप उनके शिष्य नहीं बन सकते, क्योंकि आप जो कुछ भी करेंगे, उससे वह खुश नहीं होंगे। अगर आप विश्वास के दायरे में चलने का फैसला करते हैं, तो आपकी परीक्षा ज़रूर होगी जब तक कि आपके सारे इंसानी संसाधन खत्म न हो जाएँ। अपने साथियों से मदद माँगने का लालच आएगा, लेकिन अगर आप भगवान पर भरोसा करते हैं, तो आप मदद के लिए सिर्फ़ उन्हीं पर भरोसा करेंगे। इसीलिए भगवान ने कहा कि नेक लोग विश्वास से जिएँगे। यह आगे दिखाता है कि अगर आप धरती पर एक नेक ज़िंदगी जी सकते हैं, तो यह सिर्फ़ भगवान के वचन पर काम करके ही हो सकता है। भगवान ने जेरेमी के ज़रिए कहा,

Machine Translated by Google

शापित है वह मनुष्य जो मनुष्य पर भरोसा करता है, और शरीर को अपना सहारा बनाता है, और जिसका मन यहोवा से भटक जाता है। (यिर्म.
17:5). अगर आप इंसान पर भरोसा करते हैं, तो आपका दिल प्रभु से दूर नहीं जाएगा। अगर आप अपनी ज़रूरतों के बारे में लोगों से सीधे या इनडायरेक्टली शिकायत करने लगते हैं, तो आप विश्वास की ज़िंदगी से दूर जा रहे हैं और भगवान को धोखा दे रहे हैं। यह कहने जैसा है कि भगवान ने आपको फेल कर दिया है, और आपको कहीं और मदद ढूंढनी होगी। आपको कई मुश्किल समय, बीमारी, मुश्किलें, दुख (चाहे पैसे, सामान या गैर-ज़रूरी चीज़ों में), मार और जेल का सामना करना पड़ेगा जहाँ भगवान इजाज़त देंगे, खतरे, जागते रहना, उपवास, तकलीफ़, अकाल, ज़रूरतें, लेकिन ये सभी चीज़ें और भी बहुत कुछ, विश्वास की परीक्षाएँ हैं। इन सभी परीक्षाओं के बाद, बुद्धि और ज्ञान का तोहफ़ा आपके बर्तन से बहेगा। पॉल ने इसे परखा और कहा, विश्वास की अच्छी लड़ाई लड़ो, हमेशा की ज़िंदगी को पकड़ो, जिसके लिए तुम्हें बुलाया भी गया है, और तुमने बहुत से गवाहों के सामने अच्छा कबूल किया है। (I Tim. 6:12)।

आओ हम अपने विश्वास के वचन को बिना डगमगाए मज़बूती से थामे रहें; (क्योंकि जिसने वादा किया है, वह सच्चा है)। (इब्रानियों 10:23)।
भगवान हमसे सिर्फ़ एक ही लड़ाई लड़ने के लिए कहते हैं, जिसे वे एक अच्छी लड़ाई कहते हैं, वह है हमारा विश्वास। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रभु यीशु में विश्वास एक प्रोफ़ेशन है, यह एक ऐसे काम की तरह है जिसमें कोई शामिल होता है या जिसे वह अपना गुज़ारा करने के लिए करता है। असल में, अगर आप अपनी नौकरी या बिज़नेस खो देते हैं जिससे आप गुज़ारा करते हैं, तो आपको बहुत बड़ा नुकसान होगा जो आपकी ज़िंदगी पर असर डाल सकता है।
इसी तरह अगर तुम अपना विश्वास खो दोगे, तो तुम्हारी सारी तकलीफें बेकार हो जाएंगी, क्योंकि तुम्हें इनाम नहीं मिलेगा।

Machine Translated by Google

सच्चे शिष्य का चौथा गुण प्रेम है।

यह समझना अच्छा है कि प्यार क्या है, क्योंकि दुनिया जिन चीज़ों को प्यार कहती है, वे सब प्यार नहीं हैं। इसलिए प्यार का मतलब है, बिना किसी शर्त के परमेश्वर के वचन का पूरी तरह पालन करना।

यहाँ कंडीशन का मतलब है कि जब हालात अच्छे होते हैं, तो आप पूरी तरह से उनकी बात मानते हैं, लेकिन जब हालात मुश्किल होते हैं, तो आपका प्यार ठंडा पड़ जाता है। हममें से कौन कह सकता है, हे पिता, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया? और फिर भी मरने के लिए सरेंडर कर देते हैं, लेकिन फिर भी एक सच्चे शिष्य से यही उम्मीद की जाती है। क्यों? क्योंकि आपको यह मानना होगा कि अगर आप उनकी खातिर अपनी जान गँवा देते हैं, तो भी आप उसे फिर से जी उठने में पा लेंगे। (यूहन्ना 12:25)।

जिसके पास मेरे हुक्म हैं और जो उन्हें मानता है, वही मुझसे प्यार करता है; और जो मुझसे प्यार करता है, उससे मेरा पिता प्यार करेगा, और मैं उससे प्यार करूंगा, और खुद को उस पर ज़ाहिर करूंगा। (यूहन्ना 14:21)।

उसने यह भी कहा, अगर कोई मुझसे प्यार करता है, तो वह मेरी बातें मानेगा; और मेरा पिता उससे प्यार करेगा, और हम उसके पास आएंगे, और उसके साथ वास करेंगे। (यूहन्ना 14:23)।

भगवान के लिए अपना प्यार दिखाने का एक ही तरीका है कि आप उनकी बात मानें और वह खुद आपको दिखाएंगे। अगर आप उनकी बातें मानकर उनसे प्यार नहीं करते, तो वह आप में नहीं रहेंगे, क्योंकि सिर्फ़ प्यार ही भगवान को किसी भी चीज़ में रहने के लिए खींच सकता है।

परमेश्वर के प्रति अपना प्रेम दिखाने का एक और तरीका है अपने साथी भाइयों से प्रेम करना, और यह है अपने भाइयों से परमेश्वर के वचन का पालन करना।

मेरा आदेश यह है कि जैसा मैंने तुमसे प्रेम किया है, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम करो। (यूहन्ना 15:12)।

Machine Translated by Google

अगर कोई कहे, मैं परमेश्वर से प्यार करता हूँ, और अपने भाई से नफ़रत करे, तो वह झूठा है; क्योंकि जो अपने भाई से प्यार नहीं करता, जिसे उसने देखा है, तो वह परमेश्वर से कैसे प्यार कर सकता है, जिसे उसने नहीं देखा? और हमें उससे यह हुक्म मिला है, कि जो परमेश्वर से प्यार करता है, वह अपने भाई से भी प्यार करे। (I Jn. 4:20-21).

अगर आप जानते हैं कि भगवान ने अपने साथी भाइयों के साथ अपने रिश्ते के बारे में अपने वचन में क्या आज्ञा दी है, तो उसे मानें, यह उनके लिए आपका प्यार दिखाना है। और जो दुनिया विश्वास नहीं करती, उनसे प्यार करें, उन्हें आशीर्वाद दें, उनसे भी जो आपके विश्वास पर हमला करते हैं, उनसे अच्छा करें जो आपसे नफरत करते हैं और उनके लिए प्रार्थना करें। पक्का करें कि आप सभी लोगों के साथ शांति से रहें, और यह दिखाने के लिए है कि कोई भी आपका दुश्मन नहीं है, लेकिन किसी भी चीज़ से अपने विश्वास से समझौता न करें। जब भगवान को खुश करने के लिए उनकी बात न मानने की बात आती है, तो प्लीज़ कभी समझौता न करें। अगर इस वजह से कोई आपसे नफरत करता है, तो वे आपसे नहीं, बल्कि भगवान से नफरत कर रहे हैं।

लेकिन यह इसलिए हुआ, ताकि उनके कानून में लिखी बात पूरी हो सके, कि उन्होंने मुझसे बिना वजह नफ़रत की।

(यूहन्ना 15:25).

जो कोई भी आपसे इसलिए नफ़रत कर रहा है क्योंकि आप भगवान की बात मानते हैं, वह प्रभु यीशु से नफ़रत कर रहा है और खुद को सज़ा दे रहा है। लेकिन, अगर आप उनकी नफ़रत को नज़रअंदाज़ करते हैं और पूरी लगन से प्रभु का अनुसरण करते हैं, तो जब आपके तरीके उन्हें पसंद आएंगे, तो वह आपके और उनके बीच शांति लाएंगे।

जब किसी इंसान के काम यहोवा को पसंद आते हैं, तो वह उसके दुश्मनों को भी उसके साथ शांति से रहने पर मजबूर कर देता है। (नीतिवचन 16:7)।
जब परमेश्वर देखेगा कि तुम उससे लिपटे हुए हो,
पारिवारिक संबंधों वगैरह के पीछे, वह आपके लोगों और

Machine Translated by Google

कुछ अच्छे दोस्त जो तुम्हें ढूँढ़ें और तुम्हारे विश्वास में शामिल हों, जैसे दाऊद के भाइयों ने उसके साथ किया था (I Chron. 12:16-18)।
एक सच्चे शिष्य में और भी कई खूबियां होनी चाहिए, लेकिन मैं इस किताब के लिए इस पांचवीं खूबी को आखिरी मानूंगा, और वह है युद्ध। युद्ध का बेहतर मतलब समझने के लिए, आइए देखें कि युद्ध का क्या मतलब है। युद्ध लड़ने, हथियारों का इस्तेमाल करने, स्ट्रेटेजी और टैक्टिक्स का साइंस या कला है। इसलिए युद्ध का मतलब है युद्ध करना, युद्ध में होने की हालत, लड़ना। युद्ध में, दोनों तरफ से खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल होता है, बहुत सारी स्ट्रेटेजी बनाई जाती हैं, और टैक्टिकल एक्सपर्ट अपने ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए बहुत सारे तरीके निकालते हैं। अब समय आ गया है कि सच्चे शिष्यों को यह समझना चाहिए कि हम युद्ध में हैं, और आज ईसाई धर्म में पाए जाने वाले इस तरह के दिखावटी मनोरंजन को बंद करना चाहिए। शिष्यत्व का मतलब लग्ज़री ज़िंदगी जीना या सुखों की तलाश करना नहीं है, जो आजकल ईसाई धर्म में आम है, बल्कि यह मौत तक संघर्ष करना और अंधेरे की ताकतों के खिलाफ लगातार लड़ाई है।

हर राज्य जो आपस में बँटा हुआ है, उजड़ जाता है; और जो राज्य या घर दूसरे घर के विरुद्ध बँटा हुआ है, वह गिर जाता है। (लूका 11:17)।

क्योंकि जो किंगडम या घर आपस में बँटा हुआ है, वह टिका नहीं रह सकता, इसलिए यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि मसीह के सच्चे शिष्यों को एक होना चाहिए। और इस सच्ची एकता का आसान तरीका है विनम्रता, यानी एक-दूसरे के आगे झुकना (I Pet. 5:5, मेरी किताब सबमिशन, परमेश्वर का अधिकार चैनल और परमेश्वर के राज्य का एकमात्र रास्ता देखें)। मैं अलग-अलग ग्रुप की एकता की वकालत नहीं कर रहा हूँ, जैसा कि आजकल कई पादरी फैला रहे हैं। वह है रहस्यमयी बेबीलोन की एकता।

Machine Translated by Google

और उसकी बेटियों को भी भगवान वैसे ही खत्म कर देंगे जैसे उन्होंने उनके टावर ऑफ़ बैबेल को किया था। लड़ाई में, सख्ती, तकलीफ़, बात मानना, खतरे का सामना करने की हिम्मत, हथियारों के इस्तेमाल में स्किल, अपने दुश्मन और उसकी चालों की जानकारी वगैरह होनी चाहिए। दुश्मन के खिलाफ़ एक सच्चे चेले का हथियार है दिल से प्रार्थना करना (कराहना, तकलीफ़ सहना, रोना, दहाड़ना, चीखना, विलाप करना, अलग-अलग भाषाएँ बोलना) और साथ में उपवास रखना और भगवान के वचन के ज्ञान के साथ चलना। अगर आप दिन-रात दुश्मन के कैंप में बम फेंकते रहेंगे, तो उसके पास आपको हराने का कोई मौका नहीं होगा। फिर से, अगर आप भगवान के वचन के ज्ञान के साथ नहीं चल रहे हैं, (यानी भगवान के वचन को बांटना नहीं जानते) जो आत्मा की तलवार है, तो शैतान आपको खत्म कर देगा। वह आपको कुछ उलटे-सीधे संदेश देकर, भगवान के सच्चे संदेशों पर शक पैदा करेगा। वह साइंस, बेकार की फिलॉसफी और इंसानों की परंपराओं से तुम्हारा विरोध करेगा (कुलुस्सियों 2:8, 1 तीमुथियुस 6:20-21), कि अगर तुम परमेश्वर के वचन के ज्ञान में नहीं बह रहे हो, तो तुम्हारा विश्वास कम हो जाएगा। एक सच्चे शिष्य को अपने विरोधी और उसकी चालों की गहरी जानकारी होनी चाहिए। पॉल ने कहा; ताकि अब चर्च के ज़रिए स्वर्ग में मौजूद अधिकारियों और ताकतों तक परमेश्वर की नाना प्रकार की बुद्धि पहुँचे। (इफिसियों 3:10)।

परमेश्वर चाहता है कि चर्च को अंधकार के राज्य के बारे में पता चले, और इसीलिए वह चाहता है कि हम सैनिकों के तौर पर भर्ती हों, क्योंकि यह बात सिर्फ़ मसीह के सैनिकों को ही पता चलती है। फिर से भाई पॉल ने कहा,

Machine Translated by Google

क्योंकि हमारा मुकाबला मांस और खून से नहीं, बल्कि राज करने वालों से, ताकतों से, इस दुनिया के अंधेरे के शासकों से, और ऊँची जगहों पर मौजूद रूहानी बुराई से है। (इफिसियों 6:12)।

सच्चे चेलों को बहुत सावधान रहना चाहिए, क्योंकि लड़ाई खून-पसीने के लोगों के खिलाफ नहीं है जैसा कि आप यहाँ देख सकते हैं, और इसी वजह से, शैतान और उसके एजेंट एकता के नाम पर ईसाई धर्म में घुस आए हैं। और वह अलग-अलग ग्रुप और अलग-अलग ग्रुप के चर्च और मिनिस्ट्री को एक करने की कोशिश कर रहा है, ताकि कैंप के बाहर रहने वाले भगवान के सच्चे चेलों से निपट सके। हालाँकि, वह (शैतान) फेल हो जाएगा।

क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित, धोखेबाज़ काम करने वाले होते हैं, जो खुद को मसीह के प्रेरितों का रूप देते हैं। और इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है; क्योंकि शैतान खुद रोशनी के फरिश्ते में बदल जाता है। इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है अगर उसके सेवक भी नेकी के सेवकों के रूप में बदल जाएं; उनका अंत उनके कामों के अनुसार होगा। (I कुरिन्थियों 11:13-15)।

मैं यह धर्मग्रंथ किसी व्यक्ति या किसी ग्रुप के लिए नहीं कह रहा हूँ, लेकिन इतना कहना काफ़ी है कि, उस समय लोगों के धार्मिक नेता फरीसी थे, जिन्होंने यीशु को सूली पर चढ़ाया क्योंकि उनका मानना था कि वह उनके कानून के खिलाफ़ सिखा रहे थे और चल रहे थे। उन्होंने शुरुआती चर्च में कई शिष्यों को सताया और मार डाला, जब वे (शिष्य) अभी भी सच्चाई का पालन कर रहे थे। भाई पॉल और उनके साथियों को परमेश्वर के तथाकथित सेवकों से बहुत ज़ुल्म सहना पड़ा, जिन्होंने किसी को भी नेकी के रास्ते पर चलने से मना कर दिया था। और आज के सच्चे शिष्यों के लिए, आपका सबसे बड़ा विरोध परमेश्वर के तथाकथित सेवकों और विश्वासियों से होगा जो

Machine Translated by Google

धर्म का पालन करना, और उसे ईसाई धर्म कहना। वे तुम्हारा इतना विरोध करेंगे कि अगर तुममें हिम्मत नहीं है, और तुम परमेश्वर के वचन को बांटना भी नहीं जानते, (मौजूदा सच्चाई को जानकर जो सही सिद्धांत है) तो तुम धोखा खा जाओगे। लेकिन अगर तुम उनका विरोध करोगे, तो वे तुम्हारा नाम धोखेबाज़ के तौर पर लेंगे और अपनी मंडली को तुमसे दूर रहने की चेतावनी देंगे। एक सच्चा शिष्य जिसमें ये सभी गुण होंगे, वह देखेगा कि उसका जीवन परमेश्वर से जुड़ा हुआ है और प्रभु के पास तुमसे जलने के अलावा कोई चारा नहीं है, और वह तुम्हारी रक्षा वैसे ही करेगा जैसे एक गर्भवती महिला अपने गर्भ में शरीर की रक्षा करती है। तब तुम्हारे बारे में कहा जाएगा, मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ; फिर भी मैं जीवित हूँ; फिर भी मैं नहीं, बल्कि मसीह मुझ में जीवित है, और जो जीवन मैं अब शरीर में जी रहा हूँ, वह परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास से जी रहा हूँ, जिसने मुझसे प्यार किया, और मेरे लिए खुद को दे दिया। (गला. 2:20)।

Machine Translated by Google

अध्याय 5

एक सच्चे शिष्य को क्या त्यागना चाहिए मसीह के लिए

कहा जाता है कि प्यार के लिए आपको कुछ कीमत चुकानी पड़ती है, क्योंकि जीसस क्राइस्ट को अपने चर्च और पूरी दुनिया से जो प्यार है, उसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। यह वही चीज़ है जो उन्होंने शुरू में इंसान से मांगी थी ताकि पत्नी के साथ उसकी शादी असरदार हो।

इस कारण मनुष्य अपने माता-पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा, और वे दोनों एक तन होंगे?

इसलिए वे अब दो नहीं रहे, बल्कि एक तन हैं। इसलिए जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे इंसान अलग न करे। (मत्ती 19:5-6)।

जैसे एक आदमी को अपनी पत्नी के साथ एक होने के लिए अपने माता-पिता से अलग होना होता है, वैसे ही शादी पूरी होते ही पत्नी को भी ऐसा कर लेना चाहिए। अगर शादी इस बुनियाद पर नहीं बनी है, तो उसका टूटना तय है। इसलिए कपल्स, दोनों के माता-पिता, रिश्तेदार और दोस्त भी ध्यान दें कि जिसे भगवान ने जोड़ा है, उसे अलग न करें।

क्योंकि शिष्य बनना शादी जैसा है, इसलिए प्रभु ने एक बहुत कठिन आज्ञा दी है जिसका पालन करना ज़रूरी है।

Machine Translated by Google

अगर कोई मेरे पास आए, और अपने पिता, और माता, और बच्चों, और भाइयों, और बहनों, बल्कि अपनी जान से भी नफ़रत न करे, तो वह मेरा चेला नहीं हो सकता। (लूका 14:26)।

मैंने कई मंत्रियों को नफ़रत शब्द को बदलने की कोशिश करते सुना है, यह कहकर कि आपको उनसे नफ़रत नहीं करनी चाहिए, बल्कि आपको उनकी बात मानकर उनसे प्यार करना चाहिए और उनकी बात माननी चाहिए (इफिसियों 6:2-3)। वे आगे कहते हैं कि आपको उन्हें नहीं छोड़ना चाहिए, बल्कि उन्हें बताना चाहिए कि आप भगवान के पीछे चलना चाहते हैं। खैर, हर किसी को अपनी राय रखने का हक है, आखिर भगवान ने इंसान को अपनी मर्ज़ी से बनाया है। इसलिए वह जानता है कि हर कोई ऐसा नहीं करेगा, और इसीलिए उसने कहा, अगर। सच्चे चेलों के लिए, नफ़रत शब्द का मतलब है अपने धर्म से बहुत ज़्यादा नफ़रत करना, जो भगवान के वचन के खिलाफ है, उनके रीति-रिवाज जो भगवान के आदेशों का विरोध करते हैं, और उनका लाइफस्टाइल जो उन्हें भगवान की नेकी के खिलाफ खुद को सही समझने पर मजबूर करता है। फिर से, वे पुराने या जान-पहचान वाले लोग जो उन्हें इस तरह से बर्ताव करने पर मजबूर करते हैं, वे आपके पीछे पड़ जाएंगे क्योंकि आप उनके कंट्रोल से बाहर निकल गए हैं, और अब आपके लोगों पर उनके लगातार दबदबे के लिए एक बड़ा खतरा बन गए हैं। ध्यान रखें कि आपका अलग होना अच्छे के लिए है, ताकि आप दुश्मन से लड़ने के लिए डटे रहें और अपने लोगों को आज़ाद करा सकें ताकि वे भी बच सकें, क्योंकि भगवान का इरादा है कि वे बच जाएं, और इसीलिए आप उनके लिंक हैं। भगवान जानते थे कि यह आसान नहीं होगा और उन्होंने कहा;

यह मत सोचो कि मैं धरती पर शांति लाने आया हूँ, मैं शांति लाने नहीं, बल्कि तलवार लाने आया हूँ। क्योंकि मैं आदमी को उसके पिता से और बेटी को उसके पिता से अलग करने आया हूँ।

Machine Translated by Google

सास। और आदमी के दुश्मन (दुश्मन) उसके अपने घराने के लोग होंगे। जो अपने पिता या माता को मुझसे ज़्यादा प्यार करता है, वह मेरे लायक नहीं है; और जो अपने बेटे या बेटी को मुझसे ज़्यादा प्यार करता है, वह मेरे लायक नहीं है। और जो अपना क्रॉस लेकर मेरे पीछे नहीं चलता, वह मेरे लायक नहीं है। जो अपनी जान पाता है, वह उसे खो देगा, और जो मेरे लिए अपनी जान खो देता है, वह उसे पा लेगा। (मत्ती 10:34-39)।

जो अपनी जान से प्यार करता है, वह उसे खो देगा; और जो इस दुनिया में अपनी जान खो देता है, वह उसे हमेशा की ज़िंदगी के लिए रखेगा। (यूहन्ना 12:25)।
क्योंकि प्रेम किसी की बात मानने जैसा ही है, इसलिए अगर आप अपने पिता, या माता, या बेटे, या बेटी, या पत्नी की बात प्रभु से ज़्यादा मानते हैं, तो आप उनके शिष्य बनने के लायक नहीं हैं।
अगर आप भी अपने शरीर की आवाज़ सुनते हैं जो महसूस कर रहा है (मेरी किताब 'टेबरनेकल्स ऐज़ ए शैडो ऑफ़ क्राइस्ट' देखें) और प्रभु से ज़्यादा उसकी बात मानते हैं, तो आप अपनी जान गँवा देंगे।
और उसने उन सबसे कहा, अगर कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप को नकारे, और रोज़ अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले। (लूका 9:23)।

आपको खुद को नकारना होगा (यानी) अपनी इच्छा पूरी तरह से छोड़ देना होगा और फिर रोज़ अपना क्रॉस उठाना होगा ताकि आप उनके पीछे चल सकें। क्रॉस का मतलब है मूर्खता, कमज़ोरी और दुख जो आपको प्रभु के लिए सहने होंगे। आपको वो काम करने होंगे जो दुनिया के लिए मूर्खतापूर्ण हैं, लेकिन वहीं परमेश्वर की बुद्धि है। (I कुरिन्थियों 1:1-15)

1:25-29, II कुरिन्थियों 12:9)। आपको मसीह के लिए कमज़ोर होना होगा ताकि उसकी शक्ति बह सके। और आपको उसके लिए दुख उठाना होगा ताकि आप उसकी छवि के अनुरूप बन सकें।

Machine Translated by Google

मैं तुमसे सच कहता हूँ, ऐसा कोई आदमी नहीं है जिसने मेरे और सुसमाचार के लिए घर, या भाई, या बहन, या पिता, या माँ, या पत्नी, या बच्चे, या ज़मीन छोड़ी हो। लेकिन उसे अब इस समय में सौ गुना मिलेगा, घर, और भाई, और बहनें, और माँ, और बच्चे, और ज़मीन, ज़ुल्म के साथ; और आने वाली दुनिया में हमेशा की ज़िंदगी।

मरकुस 10:29-30).

एक सच्चे शिष्य को प्रभु के लिए घर, भाई, बहन, पिता, माता, पत्नी, बच्चे, ज़मीन सब छोड़ देना चाहिए, और आखिर में तुम्हें सौ गुना मिलेगा, लेकिन जब तक ये चीज़ें सामने नहीं आतीं, तब तक तुम्हें ज़ुल्म सहने पड़ेंगे। एक सच्ची शिष्या जो शादीशुदा औरत है, वह अपने पति को नहीं छोड़ सकती, क्योंकि एक पत्नी अपने पति की शिष्या होती है। यह एक रहस्य है जिसकी वजह से भगवान के इतने सारे आदमियों ने गलत सलाह दी है, जिससे परिवार टूट गए हैं। अगर तुम इस गलती की शिकार हो, तो अपने पति के पास वापस जाओ और उनसे माफ़ करने की गुज़ारिश करो। फिर सबकी बात मानकर खुद को विनम्र बनाओ।

उसके हुक्मों को मानो, और भगवान को जादू करने दो। और ज़्यादा जानकारी के लिए, (सबमिशन, भगवान का अथॉरिटी चैनल और भगवान के किंगडम का एकमात्र रास्ता पर मेरी किताब देखें)।

अपने लिए धरती पर पैसे जमा मत करो, जहाँ कीड़ा और ज़ंग उसे खराब कर देते हैं, और जहाँ चोर सेंध लगाकर चुरा लेते हैं। क्योंकि जहाँ तुम्हारा पैसा होगा, वहीं तुम्हारा दिल भी होगा। शरीर की रोशनी आँख है; इसलिए अगर तुम्हारी आँख एक हो, तो तुम्हारा पूरा शरीर रोशनी से भरा होगा। कोई भी आदमी दो मालिकों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि वह दोनों में से किसी से भी नफ़रत करेगा।

Machine Translated by Google

एक को पकड़े रहो और दूसरे से प्यार करो, नहीं तो वह एक को पकड़े रहेगा और दूसरे को तुच्छ समझेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।
(मत्ती 6:19,21,24).

हे व्यभिचारिणियों, क्या तुम नहीं जानतीं कि संसार की मित्रता परमेश्वर से शत्रुता है? इसलिए जो कोई संसार का मित्र बनना चाहता है, वह परमेश्वर का शत्रु है। (याकूब 4:4)।

लोग खजाने का मतलब सिर्फ़ दौलत तक ही सीमित रखते हैं, लेकिन यह उससे भी आगे जाता है, इसका मतलब एक बहुत कीमती चीज़, चीज़ या इंसान भी है। इसलिए अपनी पढ़ाई, अपनी नौकरी या बिज़नेस, अपने दोस्त, अपनी दौलत, वगैरह, सब कुछ छोड़ देना चाहिए ताकि आप उनके पीछे चल सकें। उन्होंने कहा, कि आपकी नज़र एक होनी चाहिए, जिसका मतलब है सिर्फ़ प्रभु और प्रभु के काम पर ध्यान देना जो कि सुसमाचार का प्रचार करना है। आप भगवान की सेवा एक पेशे के तौर पर नहीं कर सकते और इस दुनिया में कुछ भी नहीं कर सकते। वह एक जलन रखने वाले भगवान हैं और आप उनके लिए अपना प्यार किसी भी चीज़ या किसी के साथ शेयर नहीं कर सकते। क्या यह हमारे प्रभु के बारे में सच नहीं था, कि उन्होंने अपने पिता की पुकार का जवाब देने के लिए अपना बढ़ई का काम छोड़ दिया, और फिर कभी दुनिया से किसी भी दिशा में पीछे मुड़कर नहीं देखा। शुरुआती शिष्यों के बारे में क्या, बाइबिल में लूका 5:11 में लिखा है, कि उन्होंने सब कुछ छोड़ दिया, और उनके पीछे चले गए। प्रभु ने यहाँ इस पर मुहर लगाई है, वैसे ही, तुम में से जो कोई भी अपना सब कुछ नहीं छोड़ता, वह मेरा शिष्य नहीं हो सकता। (लूका 14:33)।

यह ज़रूरी है, अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो चाहे आप कैसे भी प्रार्थना करें, या कैसे भी चमत्कार करें या परमेश्वर के वचन के ज्ञान के साथ कैसे भी चलें, आप उनके शिष्य नहीं हैं।

फिर से, यह शब्द त्यागना, एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, और

Machine Translated by Google

कहने का मतलब है कि जब तुम चेला बनने के लिए सब कुछ छोड़ दोगे, तो प्रभु अपनी बहुत दया से तुम्हें सौ गुना देगा, लेकिन ज़ुल्म के साथ। हालाँकि, वह चाहता है कि तुम छोड़ते रहो, और ज़रूरतमंदों में बाँट दो। तुम बस उतना ही लो जितना तुम्हारी तुरंत की ज़रूरतें पूरी करेगा, और बाकी विश्वास करने वाले घरानों, विधवाओं, अनाथों, गरीबों, ज़रूरतमंदों वगैरह में बाँट दो, ताकि तुम दौलत के जाल से बच सको। यह चेला बनने का सबसे मुश्किल हिस्सा है, और इसने कई चेलों को बर्बाद कर दिया है जिन्होंने सब कुछ छोड़कर अच्छी शुरुआत की थी। कई लोग जिनके दिल इस आज्ञा को न मानने के लिए सख्त हो गए हैं, वे भाई पॉल की कुछ आयतें जल्दी से कोट करेंगे, यह सही ठहराने के लिए कि तुम्हें काम करना चाहिए वरना तुम्हें खाना नहीं खाना चाहिए। कुछ लोग यह कहकर खत्म करते हैं कि अगर तुम अपने परिवार का पेट पालने के लिए काम नहीं करते, तो तुम एक काफ़िर (अविश्वासी) से भी बुरे हो।

जिसने चोरी की है, वह फिर चोरी न करे, बल्कि मेहनत करे, अपने हाथों से अच्छी चीज़ें बनाए, ताकि जिसे ज़रूरत हो, उसे देने के लिए उसके पास कुछ हो। (इफिसियों 4:28)।

क्योंकि जब हम तुम्हारे साथ थे, तब भी हमने तुम्हें यही आज्ञा दी थी कि अगर कोई काम न करे, तो वह खाए भी नहीं। क्योंकि हम सुनते हैं कि तुम्हारे बीच कुछ लोग ऐसे हैं जो बिना सोचे-समझे चलते हैं, कुछ काम नहीं करते, बल्कि दूसरों के काम में दखल देते हैं। अब ऐसे लोगों को हम अपने प्रभु यीशु मसीह के ज़रिए आज्ञा देते हैं और समझाते हैं कि वे शांति से काम करें और अपनी रोटी खाएं। (II थिस्सलुनीकियों 3:10-12)।

अगर कोई शिष्य सच में पवित्र आत्मा को मान रहा है, तो वह उसे सुरक्षित तरीके से ले जाएगा, और उस व्यक्ति को इन जगहों का सही मतलब अच्छी तरह से बताएगा। उसका अनुसरण करना ज़्यादा बेहतर है।

Machine Translated by Google

हमारे विश्वास के रचयिता और उसे पूरा करने वाले (प्रभु यीशु) के निर्देश, जब तक कि वह तुम्हें यह न समझा दे कि उसके शास्त्रियों ने बाइबल में क्या लिखा है, और उसके आस-पास के हालात क्या थे। सिनॉप्टिक गॉस्पेल में, हमारे प्रभु ने कहा कि एक सच्चे शिष्य को सब कुछ छोड़ देना चाहिए, लेकिन यहाँ चिट्ठियों में, पॉल जो प्रभु का शिष्य था, उसने कहा, अगर तुम काम नहीं करते, तो खाओ मत। उसने (पॉल) अपने गुरु और उद्धारकर्ता की बात का विरोध क्यों किया और उसका खंडन भी क्यों किया? इस सवाल का सही जवाब देने के लिए, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि परमेश्वर का वचन, परमेश्वर की इच्छा है। लेकिन परमेश्वर के वचन में सब कुछ परमेश्वर की पूरी इच्छा नहीं है, क्योंकि परमेश्वर के पास इजाज़त देने वाली इच्छा है, जिसे वह इंसान को इंसान की बगावत और स्वार्थ के कारण करने देता है। और उसके पास पूरी इच्छा है, जिसे उसने दुनिया की शुरुआत से पहले ही तय कर दिया था, ताकि किसी के भी जीवन में उसका मकसद पूरा हो सके। क्या यह सच नहीं था कि परमेश्वर ने इस्राएल के बच्चों को शाऊल को चुनने दिया, जब उन्हें राजा देने का उसका समय नहीं था, सिर्फ़ इसलिए कि वे दूसरे देशों की तरह बनना चाहते थे? यही बात मूसा पर भी लागू होती है, जिसे इस्राएल के बच्चों ने परमेश्वर के बजाय उनसे बात करने के लिए चुना, और उसने (मूसा ने) उन्हें अपनी पत्नियों को तलाक देने और दूसरी शादी करने की इजाज़त दी, जो परमेश्वर के आदेश के खिलाफ है, जिसमें कहा गया है कि सिर्फ़ मौत ही पति-पत्नी को अलग कर सकती है (रोमियों 7:2-3, मरकुस 10:11-12)। यह भी पॉल की गलती थी, लेकिन प्रभु ने तब भी इसकी इजाज़त दी, और अब भी, उन शिष्यों के लिए जो उसी मकसद से उनके पास आएंगे। पॉल ने प्रभु के लिए बड़े जोश के साथ प्रचार करना शुरू किया, और मूसा की तरह उस समय दुनिया के बारे में बहुत ज़्यादा समझ और ज्ञान होने के कारण, उसने फैसला किया कि

Machine Translated by Google

इसका इस्तेमाल करें, धरती पर प्रभु के समय और मौसम के बारे में स्टडी करके। उन्हें इंसानों की समझदारी से जल्दी जवाब मिल गया, उन्होंने हिसाब लगाया कि AD 30 से AD 70 तक चालीस साल होंगे, इस तरह एक पीढ़ी के बराबर, जो शायद प्रभु का इस कहानी से मतलब था :-

अब अंजीर के पेड़ की एक कहानी सीखो; जब उसकी डाली कोमल होती है और उसमें पत्ते निकलते हैं, तो तुम जान लेते हो कि गर्मी का मौसम पास है। इसी तरह, जब तुम ये सब बातें देखो, तो जान लो कि वह पास है, दरवाज़े पर ही है। मैं तुमसे सच कहता हूँ, यह पीढ़ी तब तक नहीं जाएगी, जब तक ये सब बातें पूरी न हो जाएँ। (मत्ती 24:32-34)।

फिर पॉल ने इस कोटेशन के साथ लोगों को सिखाना शुरू किया कि यरूशलेम कैसे नष्ट होगा, एंटीक्राइस्ट का आना और राज कैसे होगा, और आखिर में इंसान का बेटा कैसे आएगा।

बहुत से लोग सब कुछ छोड़कर प्रभु के पीछे चले गए, इसलिए नहीं कि वे उनके शिष्य बनना चाहते थे, बल्कि वे एंटीक्राइस्ट के भयानक राज से बचना चाहते थे, और फिर बादलों में प्रभु के साथ चले जाना चाहते थे। बाइबल के लेखक, पवित्र आत्मा ने बाद में पॉल को बताया कि न केवल वह मैथ्यू चैप्टर 24 में लिखी इन सभी बातों के होने से पहले मर जाएगा, बल्कि जिस पीढ़ी का वह मतलब निकाल रहा था, वह कृपा के इस इंतज़ाम के अंत की ओर होगी। तब तक, जो लोग सच में शिष्य बनने के लिए तैयार नहीं थे, उन्हें भूख सताने लगी, और उनमें से कई चोरी करने लगे, जबकि कुछ दूसरों के काम में दखल देने लगे और खाने के लिए घर-घर जाकर अपने साथी भाइयों की बुराई करने लगे। फिर पॉल ने इस सारी उलझन के बीच, उन्हें यह हुक्म दिया। लेकिन ऐसा नहीं है।

Machine Translated by Google

यह बताता है कि वह प्रभु की ओर से एक सही आदेश दे रहा है।
तो जो लोग सच में प्रभु के सच्चे शिष्यों की तरह उनके पीछे नहीं चल सकते, सिवाय इसके कि वे उनके अलावा किसी और जगह से बचने की कोशिश करें, इस जगह पर ध्यान दें, और जैसा पौलुस ने इन लोगों को आज्ञा दी थी वैसा करें, न कि दूसरों के काम में दखल देकर परमेश्वर के वचन की बुराई करें। हालाँकि, यह जान लें कि जब भी आप यहाँ बताई गई यह बात कर रहे हैं, तो आप

अपने प्रभु को अपना बनाओ, और परमेश्वर की मर्ज़ी के मुताबिक रहो जब तक तुम्हारा विश्वास बढ़ता है, और तुम शरीर के हाथों पर भरोसा करना बंद नहीं कर देते। तब प्रभु तुम्हें बाहर निकालेंगे, और तुम्हें सुसमाचार की बातों से जीने के लिए मज़बूत करेंगे (I कुरिन्थियों 9:11-14, रोमियों 15:26-27)। कुछ वजहों से, मैं इस किताब में यह नहीं समझाऊँगा कि प्रभु ने मुझे उस मत्ती 24:32-34 का मतलब क्या बताया, लेकिन मैं इसे किसी भी ऐसे इंसान के साथ शेयर करने के लिए तैयार हूँ जो इसकी परवाह करता है, और खास तौर पर इसके लिए पूछता है। एक सच्चे शिष्य को खुद से प्यार करना छोड़ देना चाहिए ताकि वह अपने साथी भाइयों के लिए अपनी जान दे सके, और ऐसा असरदार तरीके से करने के लिए, उसे इन धर्मग्रंथों का पालन करना चाहिए,

कोई भी अपना नहीं, बल्कि दूसरे का धन खोजे। (I कुरिन्थियों 10:24)

तो हम जो ताकतवर हैं, हमें कमज़ोरों की कमज़ोरियों को सहना चाहिए, न कि खुद को खुश करना चाहिए। हर कोई अपने पड़ोसी (भाई) को उसकी भलाई के लिए खुश करे जिससे उसकी तरक्की हो। (रोमियों 15:1-2)।

झगड़े या दिखावे के लिए कुछ न करो; बल्कि मन की दीनता से एक-दूसरे को खुद से बेहतर समझो। हर कोई अपनी ही बातों पर ध्यान न दे, बल्कि दूसरों की बातों पर भी ध्यान दे। (फिलिप्पियों 2:3-4)।

Machine Translated by Google

इस मुश्किल मांग को पूरा करने के लिए आपको सच में अपनी ज़िंदगी से नफ़रत करनी होगी। वरना आप उस आदमी से क्या कह सकते हैं जिसने शायद सात से दस साल तक सब कुछ छोड़ दिया हो, और जो दुख उसने झेले हैं, उससे शरीर में आग की तरह जलन हो रही हो, फिर भगवान उसे सौ गुना देना शुरू कर दें, और दूसरा आदमी जो इतने सालों से दुनिया का मज़ा ले रहा हो, लेकिन सिर्फ़ तीन महीने में बदल गया हो, और भगवान कहे, अपनी भलाई से ज़्यादा उस इंसान की भलाई का ध्यान रखो? लेकिन वह ठीक यही कह रहे हैं कि तुम्हें यहाँ करना चाहिए, और जब तुम ऐसा करोगे, तो स्वर्ग में तुम्हारा इनाम बहुत बड़ा होगा।

और आपको उन खास लोगों में शामिल होने का मौका मिल सकता है जो प्रभु के आने वाले राज में उनके बाएं और दाएं हाथ होंगे।

Machine Translated by Google

अध्याय 6

सच्चे शिष्यत्व में बाधाएँ

जिस चीज में लाभ है, उसमें हानि भी अवश्य होगी, जिस चीज में अच्छाई है, उसमें बुराई भी अवश्य होगी, इसी प्रकार जिस चीज में परिस्थितियाँ है, उसमें बाधाएँ भी अवश्य होंगी।

सच्चे शिष्य बनने में तीन बड़ी रुकावटें हैं, और इन्हीं बड़ी रुकावटों से हर दूसरी चीज़ पैदा होती है जो सच्चे शिष्य बनने में रुकावट डालती है।

दुनिया से प्यार मत करो, न ही दुनिया की चीज़ों से। अगर कोई दुनिया से प्यार करता है, तो उसमें पिता का प्यार नहीं है। क्योंकि दुनिया में जो कुछ भी है, यानी शरीर की हवस, और आँखों की हवस, और ज़िंदगी का घमंड, वह पिता की तरफ़ से नहीं, बल्कि दुनिया की तरफ़ से है। और दुनिया और उसकी हवस मिट जाती है; लेकिन जो परमेश्वर की मर्ज़ी पर चलता है, वह हमेशा बना रहता है। (I Jn. 2:15-17).

इस कोट को देखने के बाद, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि तीन बड़ी रुकावटें हैं (a) शरीर की हवस; (b) आँखों की हवस; © ज़िंदगी का घमंड। और इन्हीं से दूसरी रुकावटें आती हैं जैसे दुनियावी आराम (सिर्फ़ बढ़िया खाने का शौक, सिर्फ़ अच्छे फर्निश्ड घरों में रहना, महंगी कारों में घूमना, वगैरह), अपनी नौकरी, बिज़नेस, पढ़ाई, मर्दों के रीति-रिवाज़ वगैरह के लिए प्यार, परिवार के प्यारे रिश्तों का जुनून, जैसे, माता-पिता, भाई-बहनों के लिए, पत्नी के लिए, बच्चों के लिए, वगैरह। फिर आप जिस ऊंचाई पर पहुँच चुके हैं, वह पहले ही पहुँच चुकी है।

Machine Translated by Google

समाज उदाहरण के लिए, अपने मुखियापन की उपाधियों को छोड़ देना, अपने मानद पुरस्कारों को छोड़ देना, धार्मिक संगठनों में प्राप्त पदों को छोड़ देना, इत्यादि। ये सभी चीज़ें और कई अन्य चीज़ें, इन तीन चीज़ों से निकलती हैं, और ये वो चीज़ें हैं जिनका उपयोग शैतान ने आदम और हव्वा को नीचे खींचने के लिए, प्रभु यीशु को लुभाने के लिए किया था, और वह (शैतान) उनका उपयोग संसार को प्रभु यीशु का अनुसरण करने से रोकने के लिए कर रहा है।

फिर मनुष्य परमेश्वर की महिमा से कैसे गिर गया?

..और उसने (शैतान ने) औरत से कहा, हाँ, क्या भगवान ने कहा है, तुम बगीचे के हर पेड़ का फल नहीं खाओगे? और औरत ने साँप से कहा, हम बगीचे के पेड़ों के फल खा सकते हैं; लेकिन बगीचे के बीच में जो पेड़ है, उसके फल के बारे में भगवान ने कहा है, तुम उसे मत खाना, न ही उसे छूना, नहीं तो तुम मर जाओगे। और साँप ने औरत से कहा, तुम पक्का नहीं मरोगे: क्योंकि भगवान जानता है कि जिस दिन तुम उसका फल खाओगे, उसी दिन तुम्हारी आँखें खुल जाएँगी, और तुम भगवान जैसे हो जाओगे, और अच्छे और बुरे को जान जाओगे।

और जब औरत ने देखा कि वह पेड़ खाने में अच्छा है, और आँखों को अच्छा लगता है, और बुद्धिमान बनाने के लिए चाहने लायक है, तो उसने उसका फल तोड़ा और खाया, और अपने पति को भी दिया; और उसने भी खाया।

और उन दोनों की आँखें खुल गईं, और उन्होंने जाना कि वे नंगे हैं (पाप में); और उन्होंने अंजीर के पत्तों को जोड़कर लंगोट बना लिए। (उत्पत्ति 3:1-7)।

शैतान को वह खास फल नहीं पता था जिसे खाने के लिए परमेश्वर ने मनुष्य को मना किया था, लेकिन अपने चालाक तरीकों से, उसने परमेश्वर के वचन पर सवाल उठाया और स्त्री उसकी चालाकी में फंस गई, इससे पहले कि वह

Machine Translated by Google

आखिरकार इंसान को नीचे खींच लिया। इन्हीं तीन तरीकों से उसने (शैतान ने) इंसान पर अपना पहला खेल खेला;

औरत ने देखा कि वह पेड़ खाने में अच्छा (शरीर की हवस) था, और आँखों को अच्छा (आँखों की हवस) लग रहा था, और बुद्धिमान बनाने के लिए चाहने लायक (ज़िंदगी का घमंड) पेड़ था ।

और अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ का वह फल है, अपनी मर्ज़ी, जिसमें वह (भगवान) कभी नहीं चाहते थे कि इंसान चलना शुरू करे। इसलिए शरीर की हवस, आँखों की हवस और ज़िंदगी के घमंड की वजह से, इंसान नीचे गिरा दिया गया और वह शैतानी चालों का शिकार हो गया। और हर बार जब इंसान खुद को इन तीनों में से किसी में पाता है, तो वह रूहानी तौर पर नंगा (पाप में) हो जाएगा। पहले इंसान के गिरने के बाद, कोई भी इंसान शैतान को उसके मुश्किल रास्तों से हरा नहीं पाया, जब तक कि हमारे प्रभु यीशु, जो इंसानों के बचाने वाले हैं, नहीं आए। शैतान ने उनके जंगल में आग की परीक्षा से गुज़रने का इंतज़ार किया, फिर उन्हें लगभग ऐसे ऑफ़र दिए जिन्हें ठुकराया नहीं जा सकता था। लेकिन भगवान जो अपने पिता की मर्ज़ी से भरे हुए हैं, जंगल में अपनी मर्ज़ी को कुचलने के बाद, शैतान पर बम फेंकने में समय बर्बाद नहीं किया और वह (शैतान) कुछ समय के लिए भगवान से दूर चला गया। भगवान ने चालीस दिन और चालीस रात उपवास किया था, और जब शैतान ने उनका सामना किया तो वह बहुत भूखे थे:-

(1) शरीर की वासना :- और शैतान ने उससे कहा, अगर तू परमेश्वर का बेटा है, तो इस पत्थर से कह कि यह रोटी बन जाए। (लूका 4:3)। शैतान जानता था कि यीशु परमेश्वर का बेटा है, लेकिन वह चाहता था कि वह अपनी मर्ज़ी से काम ले, शरीर की आवाज़ सुनकर जो महसूस होती है, लेकिन यीशु ने इस लालच को यह कहकर टाल दिया, लिखा है, कि

Machine Translated by Google

मनुष्य केवल रोटी से नहीं, परन्तु परमेश्वर के हर एक वचन से जीवित रहेगा। (वचन 4)।

(2) आँखों की हवस :- और शैतान उसे एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया, और पल भर में दुनिया के सारे राज्य उसे दिखाए। और शैतान ने उससे कहा, यह सारी ताकत और इनकी शान मैं तुझे दूँगा; क्योंकि यह मुझे सौंपा गया है, और जिसे चाहूँ उसे दे दूँगा। इसलिए अगर तू मेरी पूजा करेगा, तो सब कुछ तेरा हो जाएगा। (Vs.5-7)।

शैतान को पूजा की बहुत चाहत थी और आँखों की हवस की वजह से, उसने इंसान से ऐसी पूजा करवाई जिसे वह (इंसान) नहीं जानता। क्यों? क्योंकि इंसान उसे बहुत चाहता है जिसे वह देख सके और अपना भगवान कह सके। जब उसने सोचा कि वह यीशु को भी इसी हवस का शिकार बना सकता है, उन्हें इस दुनिया के वे राज दिखाकर जो उसने इंसान से चुराए थे, तो उसे बनाने वाले भगवान ने पलटवार किया;

यीशु ने उत्तर दिया, "शैतान, मेरे पीछे हट जा; क्योंकि लिखा है, तू प्रभु अपने परमेश्वर की आराधना करेगा, और केवल उसी की सेवा करेगा।"

(व.8)

(3) जान का घमंड :- और वह उसे यरूशलेम ले आया, और मंदिर के एक शिखर पर खड़ा किया, और उससे कहा, अगर तू परमेश्वर का बेटा है, तो यहाँ से नीचे कूद जा: क्योंकि लिखा है, वह अपने फ़रिश्तों को तेरी रक्षा करने की आज्ञा देगा: और वे तुझे अपने हाथों में उठा लेंगे, कहीं ऐसा न हो कि कभी तेरा पैर पत्थर से टकरा जाए। आयत 9-11)। यह वह जगह है जहाँ शैतान ने न सिर्फ़ दुनिया पर बुरी तरह हमला किया है, बल्कि उससे भी ज़्यादा।

Machine Translated by Google

वह है, ईसाई धर्म। यह परमेश्वर के वचन पर सीधा हमला है क्योंकि, उसने न सिर्फ़ उसे जोड़कर और घटाकर गलत तरीके से कोट किया (सही कोट भजन 91:11-12 में है) बल्कि वह उसे खुद परमेश्वर के वचन से कोट कर रहा था ताकि उसके अंदर घमंड भर जाए और वह परमेश्वर के खिलाफ़ चलने लगे।

यीशु ने उसको उत्तर दिया, कि कहा गया है, कि तू अपने परमेश्वर यहोवा की परीक्षा मत लेना। (वचन 12)।

प्रभु को शैतान से सहमत होने या उससे तर्क करने की कोई ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि वह जानता था कि उसे जो निर्देश मानने चाहिए, वे उसके पिता के अलावा किसी और से नहीं आने चाहिए। अगर शैतान या लोग इस बात पर विश्वास नहीं कर सकते कि आप कौन हैं, जो वे आपके लाइफस्टाइल और दूसरे अच्छे कामों के मामले में आपके ज़रिए देख रहे हैं, तो आगे बढ़कर भगवान को वह करने के लिए लुभाना शुरू न करें जो उसने आपसे करने के लिए नहीं कहा है, ताकि यह साबित हो सके कि आप भगवान द्वारा भेजे गए हैं। अगर आप कोशिश करेंगे, तो आप असफल हो जाएँगे क्योंकि आप घमंड में आ गए हैं, लेकिन अगर आप सफल हो जाते हैं, तो भगवान महिमा नहीं लेते हैं, और आखिरकार आपको नीचे गिरा दिया जाएगा। इन लालचों पर हमारे प्रभु यीशु की सफलता का राज़ यह है कि वह अपने पिता की इच्छा से भरे हुए थे, और उन्होंने कभी किसी और इच्छा को जगह नहीं दी, चाहे वह कितनी भी अच्छी क्यों न लगे, उन्होंने अपनी इच्छा को जगह देने से इनकार कर दिया। फिर से, उन्होंने एक सेकंड के लिए भी उन सभी विचारों पर ध्यान करने से इनकार कर दिया जो उनके मन में आए और जो जंगल में उन्हें मिले निर्देशों के खिलाफ थे। अगर हम उनके नक्शेकदम पर चल सकें, तो हम आखिर तक ज़रूर पहुँच जाएँगे क्योंकि इन तीन खास तरीकों के अलावा किसी को भी लालच नहीं आ सकता। मुझे कैसे पता?

Machine Translated by Google

फिर से, जवाब यह है:- और जब शैतान ने सारी परीक्षा खत्म कर दी, तो वह कुछ समय के लिए उसके पास से चला गया।

(लूका 4:13).

भाई ल्यूक ने इसे लालच कहा, क्योंकि शैतान इंसान पर जो भी लालच लाएगा, वह इन्हीं तरीकों में से किसी एक से आना चाहिए। बहुत से लोग बर्बाद हो गए हैं और धोखे में पड़ गए हैं, क्योंकि वे शैतान के साथ बहस करने लगते हैं, खासकर जब शैतान उन्हें भगवान की बात बताता है, या कुछ धार्मिक भक्तों का इस्तेमाल करता है जो दुनिया के सिस्टम से जुड़े हुए हैं और जिनका दिल सच्चाई के प्रति कठोर हो गया है। और एक बार जब आप उन कल्पनाओं को छोड़ने से मना कर देते हैं, विचारों को मसीह की आज्ञा मानने की ओर ले आते हैं, और भेड़ के भेष में उन भेड़ियों को अपने जीवन में भगवान की चाल पर सवाल उठाने से रोकते हैं, तो आप घमंड और बेवजह की वासना में चले जाएंगे। और शैतान आपको खुद को समझने से पहले ही खत्म कर देगा। इन तीन बड़ी रुकावटों को कई हिस्सों में बांटते हुए, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि जिस भी शिष्य ने प्रभु के पीछे चलने का फैसला किया है, उसे शैतान की भेजी कई आवाज़ों से पीछे हटने के दूसरे मौके मिलेंगे, लेकिन अगर आप मना करते हैं, तो वह आपसे युद्ध में उलझ जाएगा।

और ऐसा हुआ कि जब वे रास्ते में जा रहे थे, तो एक आदमी ने उससे कहा, हे प्रभु, तुम जहाँ भी जाओगे, मैं तुम्हारे पीछे-पीछे चलूँगा। और यीशु ने उससे कहा, लोमड़ियों के बिल होते हैं, और हवा के पक्षियों के घोंसले होते हैं; लेकिन इंसान के बेटे के पास सिर रखने की जगह नहीं है। और उसने दूसरे से कहा, मेरे पीछे आओ। लेकिन उसने कहा, हे प्रभु, मुझे पहले जाने दो और अपने पिता को दफ़ना दो। यीशु ने उससे कहा, मरे हुओं को दफ़नाने दो।

Machine Translated by Google

उनके मरे हुए; लेकिन तुम जाओ और परमेश्वर के राज्य का प्रचार करो।
और एक और ने भी कहा, हे प्रभु, मैं तेरे पीछे चलूंगा; पर पहले मैं जाकर उन्हें विदा कर लूं, जो मेरे घर पर हैं। यीशु ने उससे कहा, जो कोई हल पर हाथ रखकर पीछे देखता है, वह परमेश्वर के राज्य के योग्य नहीं है। (लूका 9:57-62)।

यहाँ पहले चेले को लगा कि वह प्रभु के पीछे-पीछे जा सकता है, चाहे वह कहीं भी जाएँ। उसे ऐसा क्यों लगा? उसने प्रभु को बड़े-बड़े चमत्कार करते देखा था, जैसे सिर्फ़ पाँच रोटियों और दो मछलियों से पाँच हज़ार लोगों को खाना खिलाना, और उसने अपने दिल में सोचा कि अगर यह आदमी इतनी भीड़ को खाना खिला सकता है, तो उसके (यीशु के) साथ रहना उसके लिए सबसे बड़ी बात होगी। उसका मानना था कि प्रभु बहुत अमीर होंगे और एक शानदार घर में भी रहते होंगे, और उनकी सेवा करने वालों को कभी किसी चीज़ की कमी नहीं होगी। उसने सच्चे चेले बनने की शर्तों के बारे में नहीं पूछा, और इसलिए उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि इसकी कोई कीमत है या नहीं। उसने यह नहीं सोचा कि कोई बोझ उठाना पड़ेगा, क्योंकि वह एक ऐसे अमीर आदमी के साथ रहना चाहता था जो बिना कोई कीमत चुकाए बहुत से लोगों को खाना खिला सके। लेकिन वह सब गलत समझ गया क्योंकि जिस पल हमारे प्रभु यीशु ने कहा, मैं अब बेघर हूँ, और मेरा दूसरे जीवों की तरह पक्के रहने की जगह बनाने का भी इरादा नहीं है, वह चेला चला गया। इसलिए अगर आप प्रभु के सच्चे शिष्य बनना चाहते हैं, तो पक्के रहने की जगह के बारे में भूल जाइए क्योंकि जब प्रभु आपको इधर-उधर ले जाना शुरू करेंगे तो यह एक बड़ी रुकावट होगी (Ref.

I कुरिन्थियों 4:11)। यहाँ दूसरे और तीसरे शिष्य बहुत स्वार्थी थे, उनकी इच्छाएँ दूसरों से ज़्यादा ज़रूरी थीं।

Machine Translated by Google

प्रभुओं के पीछे चलने के लिए प्रभु ने दूसरे से कहा था, लेकिन उसके लिए तुरंत बात मानने से ज़्यादा ज़रूरी दूसरी चीज़ें थीं। उसने प्रभु के पीछे चलने से सीधे मना नहीं किया, लेकिन उसका जवाब एक इनडायरेक्ट मना था क्योंकि प्रभु के पास टालमटोल के लिए समय नहीं है। प्रभु ने अपने जवाब में यह साफ़ कर दिया, मरे हुओं को अपने मरे हुए दफ़नाने दो, लेकिन तुम जाओ और परमेश्वर के राज्य का प्रचार करो। उसे परमेश्वर के साथ काम करने से ज़्यादा इंसानों की परंपराओं में दिलचस्पी थी, और इसलिए जब उसे प्रभु से वह जवाब मिला, तो वह चला गया। यहाँ पहला सबक यह है कि परमेश्वर के पास इंसानों की परंपराओं के लिए समय नहीं है जो उसके शिष्यों को उसकी आज्ञाओं का उल्लंघन करने के लिए उकसाती हैं। (रेफ. मैट. 15:2-3)। सीखने के लिए दूसरा सबक यह है कि प्रभु के सच्चे शिष्य, अविश्वासियों के दफ़नाने के समारोहों में शामिल नहीं होते हैं, चाहे वे रिश्तेदार हों या नहीं, सिवाय प्रभु के खास निर्देश के, शायद, मरे हुओं को ज़िंदा करने के लिए। (रेफ. लैव्य. 10:1-7)। खुद प्रभु और शुरुआती प्रेरित किसी भी अविश्वासी दोस्त या रिश्तेदार को दफ़नाने में शामिल नहीं होते थे, सिवाय ज़रूरत पड़ने पर मरे हुए लोगों को ज़िंदा करने के (प्रभु की तरफ़ से उन्हें शामिल होने के निर्देश के साथ)। तीसरा शिष्य भी मतलबी था, लेकिन उसका मतलबीपन पारिवारिक रिश्तों या लगाव पर टिका था। वह अपने परिवार से इतना जुड़ा हुआ था कि प्रभु के बुलावे का जवाब देने से पहले उसे उनके सपोर्ट की ज़रूरत थी। एक परिवार जो प्रभु के पीछे चलने का फ़ैसला करने पर आपका सबसे बड़ा दुश्मन बन जाएगा (मत्ती 10:36), वह आपके फ़ैसले का सपोर्ट कैसे कर सकता है? फिर भी कुछ चाहने वाले शिष्य जो अपने परिवारों से बंधे हैं, और जो परिवार के प्यार के साथ प्रभु में अपने विश्वास के साथ समझौता करना पसंद करते हैं, वे आपको जल्दी से बता देंगे कि यह

Machine Translated by Google

कोई फ़र्क नहीं पड़ता। आखिर वे कहते हैं, मेरे लोग मेरे विश्वास को रोक या तय नहीं कर सकते, हाँ वे नहीं कर सकते, लेकिन उन जानी-पहचानी आत्माओं की वजह से शरीर की भावनाएँ, आप दोनों में, उनके लिए दया दिखाने के बजाय हमदर्दी दिखाएँगी, और आप भगवान की बात नहीं मानेंगे। और क्योंकि यह शिष्य परिवार के लगाव से अलग नहीं हो सका, वह चला गया। इसलिए परिवार के रिश्ते या लगाव सच्चे शिष्य बनने में एक और रुकावट है। इसीलिए यीशु अपनी माँ, मरियम और अपने भाइयों को भगवान की ओर भेजते रहे, क्योंकि वे भगवान की मर्ज़ी के बाहर थे और चाहते थे कि यीशु पिता की मर्ज़ी छोड़कर उनकी तरफ ध्यान दें (मत्ती 12:46-50)।

और अफ़सर लोगों से कहेंगे, "कौन-सा आदमी नया घर बनाकर उसे समर्पित नहीं करता? वह जाकर अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह लड़ाई में मर जाए और कोई दूसरा आदमी उसे समर्पित कर दे।" और कौन-सा आदमी है जिसने अंगूर का बाग लगाया हो और अभी तक उसमें से न खाया हो? वह भी जाकर अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह लड़ाई में मर जाए और कोई दूसरा आदमी उसमें से खा ले। और कौन-सा आदमी है जिसने किसी से शादी की हो और उसे ब्याह न ले आया हो? वह जाकर अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह लड़ाई में मर जाए और कोई दूसरा आदमी उसे ब्याह ले ले। (व्यवस्थाविवरण 20:5-7)

एक आदमी ने बहुत बड़ा डिनर किया और बहुत से लोगों को बुलाया: और डिनर के समय अपने नौकर को बुलाए गए चेलों से कहने के लिए भेजा, आओ, क्योंकि अब सब कुछ तैयार है। और वे सब एकमत होकर बहाने बनाने लगे। पहले वाले ने उससे कहा, मैंने ज़मीन का एक टुकड़ा खरीदा है, और मुझे जाकर उसे देखना ही है, मैं आपसे गुज़ारिश करता हूँ कि मुझे जाने दो।

Machine Translated by Google

माफ़ी मांगी गई। एक और ने कहा, मैंने पाँच जोड़ी बैल खरीदे हैं, और मैं उन्हें परखने जा रहा हूँ, मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि मुझे माफ़ी दी जाए। एक और ने कहा, मैंने शादी कर ली है, इसलिए मैं नहीं आ सकता। (लूका 14:16-20)।

मैंने लॉ और ग्रेस से ये दो जगहें कोट की हैं, ताकि डबल रेफरेंस का प्रिंसिपल दिखाया जा सके, और यह भी कि कैसे इन चेलों के ग्रुप के बताए ये तीन कारण लोगों को भगवान के पीछे चलने से रोक रहे हैं। ड्यूट्रोनॉमी और ल्यूक दोनों एक ही बात कह रहे हैं। पहले चेले की रुकावट उसकी जायदाद है। वह भगवान के पीछे चलने के लिए अपनी जायदाद नहीं छोड़ सकता था। दूसरा इंसान अपनी नौकरी, या बिज़नेस, या पढ़ाई वगैरह के बिना नहीं रह सकता, क्योंकि वह अपनी ग्रेच्युटी लेना चाहता था, और अपनी महीने की पेंशन लेना चाहता था, या अपने बिज़नेस से काफी प्रॉफिट कमाना चाहता था, या ग्रेजुएट होकर अपना सर्टिफिकेट वगैरह लेना चाहता था। तीसरा चेला अपनी नई पत्नी के बिना नहीं रह सकता था, वह भगवान के बुलावे का जवाब देने के बजाय, वहीं रहना चाहता था, उसे प्यार करना और उसका पालन-पोषण करना चाहता था। और भगवान ने तीनों को दरकिनार कर दिया, और उन लोगों को बुलाया जिनके पास छोड़ने के लिए बहुत कम या कुछ भी नहीं है।

एक और बड़ी बाधा धन है:-

..लेकिन यीशु ने फिर जवाब दिया, और उनसे कहा, हे बच्चों, जो धन पर भरोसा करते हैं, उनके लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है! ऊँट का सूई के छेद से निकल जाना, धनी व्यक्ति के परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने से अधिक आसान है। (मरकुस 10:24-25)।

लेकिन जो अमीर बनना चाहते हैं, वे लालच और फंदे में और बहुत सी बेवकूफी भरी और नुकसान पहुंचाने वाली इच्छाओं में पड़ जाते हैं, जो इंसानों को बर्बादी और बर्बादी में डुबो देती हैं। (I Tim. 6:9).

Machine Translated by Google

इन धर्मग्रंथों को मानना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि शैतान विश्वासियों को धोखा देने के लिए, दौलत को छिपाने के लिए खुशहाली शब्द का इस्तेमाल कर रहा है। खुशहाली हर तरह से अच्छी सफलता पाने के अलावा और कुछ नहीं है, लेकिन भगवान ने पहले ही यह साफ़ कर दिया था कि, पहले भगवान के राज और उनकी नेकी की तलाश करने से, आपकी आत्मा खुशहाल होगी, आप अच्छी सेहत में रहेंगे, आपकी आर्थिक और भौतिक किस्मत भी खुशहाल होगी, लेकिन एक अमीर शिष्य बनने की हद तक नहीं। अगर आप अमीर बन जाते हैं, तो आप लालच और जाल में फँस जाते हैं, और आप विश्वास से भटक सकते हैं, जब तक कि आप इसे विश्वास के घराने, विधवाओं, जो सच में विधवा हैं, अनाथों, गरीबों, ज़रूरतमंदों, वगैरह में बाँटकर खुद को न बचा लें, ताकि आप स्वर्ग में अपना खज़ाना जमा कर सकें। इस किताब में मैंने जो आखिरी लेकिन सबसे ज़रूरी रुकावटें लिखी हैं, वह यह है:-

फिर भी बड़े-बड़े सरदारों में से भी बहुतों ने उस पर विश्वास किया; लेकिन फरीसियों की वजह से उन्होंने उसे नहीं माना, कहीं ऐसा न हो कि उन्हें सभा-घर से निकाल दिया जाए, क्योंकि उन्हें परमेश्वर की तारीफ़ से ज़्यादा इंसानों की तारीफ़ पसंद थी। (यूहन्ना 12:42-43)।

यह विश्वास करने वालों का एक ग्रुप है जो अपने ग्रुप में ऊँचे पदों पर हैं, लेकिन अपने ग्रुप से बाहर निकाले जाने और अपनी पोजीशन खोने के डर से, उन्होंने भगवान के सच्चे शिष्यों के तौर पर खुद को पहचानने से इनकार कर दिया। यह कई लोगों के लिए सच है जो भगवान के बुलावे का जवाब देते, लेकिन सोसाइटी और क्रिश्चियनिटी दोनों में अपनी पोजीशन खोने के डर से, उन्होंने भगवान की बात मानने से इनकार कर दिया।

सच्चे शिष्यत्व में आने वाली रुकावटों को देखकर, मैं चाहता हूँ कि

Machine Translated by Google

जितने लोगों को प्रभु ने शिष्यता के जीवन के लिए बुलाया है, या बुला रहे हैं, उन्हें रुकावटों से बचना चाहिए और उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए।

Machine Translated by Google

अध्याय 7

एक सच्चे शिष्य की प्रतिक्रिया

शादी

बहुत से लोग जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के सच्चे शिष्य बनना चाहते हैं, वे जल्दी से पूछेंगे कि अगर किसी शिष्य को प्रभु का अनुसरण करने से पहले इन सभी शर्तों को पूरा करना होता है, तो क्या वह फिर भी शादी करेगा? वह शादी का आनंद कैसे ले सकता है और फिर भी भगवान का अनुसरण कर सकता है, या वह शादी के बारे में भूल जाएगा और महिलाओं के पीछे जलता रहेगा या उनकी हवस पालता रहेगा? इस सवाल का ध्यान से और पूरी तरह से जवाब देना ज़रूरी है, ताकि लोग गुमराह न हों।

शादी सब में इज्ज़त की बात है, और बिस्तर बेदाग है..

(इब्रानियों 13:4).

भले ही भाई पॉल ने शादी नहीं की, फिर भी परमेश्वर ने उन्हें शादी के बारे में गहराई से जानकारी दी। और शादी नाम की इस संस्था पर ध्यान से स्टडी करने के बाद, उन्होंने पवित्र आत्मा की प्रेरणा से यह नतीजा निकाला कि, शादी सभी में सम्मान की बात है। शादी के बारे में सब कुछ सम्मान की बात क्यों है?

(a) इसे बच्चे पैदा करने के एक तरीके के तौर पर बनाया गया था ताकि इंसान धरती को भर दें, और उस पर कब्ज़ा कर लें, इस तरह धरती की हर चीज़ पर उनका राज हो।

और परमेश्वर ने तब आशीष दी, और परमेश्वर ने उनसे कहा, फलवन्त हो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ, और

Machine Translated by Google

उसे अपने वश में कर लो; और समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जन्तुओं पर अधिकार रखो। (उत्पत्ति 1:28)

(ख) परमेश्वर मनुष्य का अकेलापन समाप्त करना चाहता था
एक साथी जो परमेश्वर का मकसद पूरा करने में उसकी मदद करेगा। और यहोवा परमेश्वर ने कहा, यह अच्छा नहीं है कि आदमी अकेला रहे; मैं उसके लिए एक मददगार बनाऊंगा जो उसके लिए सही हो। (उत्पत्ति 2:18)।

(c) यह इसलिए शुरू किया गया था ताकि परमेश्वर का एक नेक वंश (परमेश्वर के सच्चे बेटे) हो जो शैतान को दूसरे स्वर्ग में उसके अड्डे से नीचे गिरा देगा। फिर भी तुम पूछते हो, क्यों?
क्योंकि यहोवा तेरे और तेरी जवानी की पत्नी के बीच गवाह रहा है, जिसके साथ तूने धोखा किया है; फिर भी वह तेरी साथी और तेरे वादे की पत्नी है। और क्या उसने एक नहीं बनाई? फिर भी उसके पास बची हुई आत्मा थी।

और एक क्यों? ताकि वह एक नेक वंश की तलाश कर सके। _____
इसलिए अपनी आत्मा का ध्यान रखो और कोई भी अपनी जवानी की पत्नी के साथ विश्वासघात न करे। (मलाकी 2:14-15)

Machine Translated by Google

(d) विवाह की अनुमति इसलिए दी गई ताकि मनुष्य ऐसा जीवन जी सके इस दुनिया में अनैतिकता नहीं है। यह अच्छा है कि पुरुष किसी स्त्री को न छुए, फिर भी, व्यभिचार से बचने के लिए, हर पुरुष की अपनी पत्नी हो, और हर स्त्री का अपना पति हो। (I कुरिन्थियों 7:1-2)।

(e) यह परमेश्वर का बनाया हुआ एक बड़ा रहस्य है, ताकि चर्च, मसीह (पति) के साथ अपने रिश्ते को समझ सके। क्योंकि किसी भी इंसान ने कभी अपने शरीर से नफ़रत नहीं की; बल्कि उसे पालता-पोसता है और बड़ा करता है, जैसे प्रभु चर्च को पालता-पोसता है। क्योंकि हम उसके शरीर, उसके मांस और उसकी हड्डियों के अंग हैं। इसी वजह से एक आदमी अपने माता-पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से जुड़ जाएगा, और वे दोनों एक शरीर होंगे। यह एक बड़ा रहस्य है; लेकिन मैं मसीह और चर्च के बारे में बात कर रहा हूँ। (इफिसियों 5:29-32)।

और क्योंकि पवित्र आत्मा ने भाई पॉल के ज़रिए कहा कि शादी सभी के लिए इज्ज़त की बात है, इसलिए धरती पर हर कोई जो शादी करने की उम्र तक पहुँच गया है, जिसमें हमारे प्रभु के शिष्य भी शामिल हैं, शादी करने की जल्दी में है। बहुत से लोगों ने भगवान को अपनी शादी से दूर रखने का भी फैसला किया है, यह नहीं जानते हुए कि जैसे ही वे भगवान के लिए अपना दरवाज़ा बंद करते हैं, तो शैतान खिड़की से अंदर आ जाता है। भगवान ने, इंसान के लिए अपनी दया की वजह से ताकि उसका अकेलापन खत्म हो सके, पहले कृपा और सच्चाई के सिद्धांत पर काम करने का फैसला किया था। और इंसान ने पलक झपकते ही, प्रभु द्वारा की गई पहली सुपरनैचुरल सर्जरी का फल पाया, जिसके वह लायक नहीं था।

और यहोवा परमेश्वर ने आदम को गहरी नींद में डाल दिया, और वह सो गया; और उसने उसकी एक पसली निकालकर उसे बंद कर दिया।

Machine Translated by Google

उसकी जगह मांस बनाया। और जो पसली प्रभु परमेश्वर ने मनुष्य से निकाली थी, उससे उसने एक स्त्री बनाई, और उसे मनुष्य के पास ले आया। और आदम ने कहा, यह अब मेरी हड्डियों में की हड्डी और मेरे मांस में का मांस है, इसका नाम स्त्री रखा जाएगा, क्योंकि यह मनुष्य में से निकाली गई है। (उत्पत्ति 2:21-23)।

जब आदम नींद से जागा और उसने अपने पास एक खूबसूरत साथी को देखा, तो वह इतना खुश हुआ कि उसने न तो भगवान से उस औरत के बारे में कोई सवाल पूछा, न ही भगवान के प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया। बल्कि वह दौड़ा और उस औरत को पकड़ लिया, और उसे अपनी पत्नी बना लिया। लेकिन जब शैतान ने औरत को धोखा दिया और उसने आदम से पाप करवाया, तो सुनिए जब भगवान ने आदम का सामना किया तो उसने क्या कहा;

और आदमी ने कहा, जिस औरत को तूने मेरे साथ रहने को दिया है, उसी ने मुझे उस पेड़ का फल दिया, और मैंने खा लिया। (उत्पत्ति 3:12)।

आदम ने अपना पाप मानने और पछतावा करने के बजाय, खुद को सही ठहराना शुरू कर दिया, और इस तरह भगवान को औरत देने के लिए दोषी ठहराया। यह उन चीज़ों में से एक थी जो भगवान ने दया करके इंसान के साथ की थी, और जिसका उन्हें पछतावा हुआ। क्योंकि उन्होंने पलटकर अब इंसान से कहा,

जो पत्नी पाता है, वह अच्छी चीज़ पाता है, और प्रभु का अनुग्रह पाता है। (नीतिवचन 18:22)।

वह आदमी जो हमेशा अपनी मर्ज़ी से काम करना पसंद करता है, पत्नी की तलाश के नाम पर किसी भी तरह की औरत के पास भागने लगा।

लेकिन मैं पूछना चाहता हूँ, भले ही भगवान ने कहा, जो कोई भी पाता है, धरती पर कौन उसकी सही या सही पसली ढूंढ सकता है?

पत्नी पाने का मतलब यह नहीं है कि शादी की ज़रूरी चीज़ें करने के बाद आप किसी भी औरत के साथ रहने लगें, बल्कि यह

Machine Translated by Google

इसका मतलब है उस कीमती खोई हुई पसली को ढूंढना, जो फिर भी छेद में फिट हो जाएगी, जैसे हम आत्मा में मसीह के शरीर में वापस फिट होते हैं। और जब तक आप खोई हुई पसली को नहीं ढूंढ लेते, आप प्रभु की कृपा नहीं पा सकते।

कोई अपनी खोई हुई पसली कैसे ढूंढ सकता है?

अपनी परफेक्ट पसली ढूंढने के लिए भगवान को लाना होगा, किसी भी स्पिरिचुअलिस्ट या ऑकल्टिस्ट के पास जाने से इसका हल नहीं निकल सकता।

वे आपको आपका असली पति या पत्नी नहीं दे सकते, क्योंकि ऐसा करना उनके बस में नहीं है, और उनके ज़रिए काम करने वाली आत्माएँ शादी के खिलाफ़ हैं। क्यों? क्योंकि सिर्फ़ एक परफ़ेक्ट शादी की एकता ही शैतान और उसके एजेंट्स को गिरा सकती है, और शैतान नहीं चाहता कि वे (पति और पत्नी) कभी एक हों।

लेकिन पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करो, तो ये सब चीज़ें तुम्हें मिल जाएंगी। (मत्ती 6:33)।

क्या शादी उन सभी चीज़ों में शामिल है जो आपको दी जाएंगी? हाँ, शादी तब तक शामिल है जब तक उसने आपको हिजड़ा नहीं कहा है। अगर आप सबसे पहले उसके राज और उसकी नेकी की तलाश करके अपनी ज़िंदगी भगवान के हाथों में सौंप देते हैं, तो भगवान कृपा और सच्चाई के सिद्धांत पर काम करेंगे, और आपको उस सही इंसान को ढूंढने में मदद करेंगे जिसमें भगवान के लिए वैसा ही जोश, विश्वास, प्यार और बात मानने की भावना होगी, जैसा आपके पास है। धर्मग्रंथ में जो कुछ भी कहा गया है, उसके बावजूद, यह साबित करना कि शादी भगवान की मर्ज़ी है, इस दौड़ में उसके चेलों के लिए भी, हर किसी के लिए ज़रूरी नहीं है।

क्यों? क्योंकि प्रभु यीशु का कोई शिष्य यह तय कर सकता है कि

Machine Translated by Google

भगवान के साथ काम करते समय ध्यान भटकने से बचने के लिए इसे छोड़ दें।

फिर से, भगवान किसी को गर्भ से ही हिजड़ा बना सकते हैं, सिर्फ़ उनके साथ काम करने के लिए। हालाँकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें उनके मालिकों ने हिजड़ा बना दिया।

क्योंकि कुछ नपुंसक ऐसे हैं जो अपनी माँ के पेट से ही ऐसे पैदा हुए थे; और कुछ नपुंसक ऐसे हैं जो इंसानों के नपुंसक बनाए गए, और कुछ नपुंसक ऐसे हैं जिन्होंने स्वर्ग के राज्य के लिए खुद को नपुंसक बना लिया है। जो इसे स्वीकार कर सकता है, वह इसे स्वीकार करे। (मत्ती 19:12)।

भले ही इस जगह पर तीन अलग-अलग हिजड़ों का ज़िक्र है, लेकिन सिर्फ़ दो का भगवान से लेना-देना है। दूसरा हिजड़ा है संबंधित लोगों का गुलाम, और उसमें पवित्रता के लिए कोई जगह नहीं है। अगर कोई शिष्य राज की खातिर खुद को हिजड़ा बनाना चाहता है, तो उसके अंदर यह इच्छा होनी चाहिए कि वह खुद को पूरी तरह से भगवान की सेवा में लगा दे, और उस सेवा में शादी की ज़िम्मेदारी न जोड़े। और इस मकसद के लिए, उसे संयम के लिए और कृपा मांगनी चाहिए, लेकिन अगर इसके बाद भी वह खुद को संयमित नहीं कर पाता, तो यह इस बात का संकेत है कि भगवान चाहते हैं कि वह शादी कर ले।

इसलिए मैं अविवाहितों और विधवाओं से कहता हूँ, यह उनके लिए अच्छा है
अगर वे मेरे जैसे ही रहें, तो उन्हें शादी कर लेनी चाहिए; क्योंकि शादी करना जलने से बेहतर है। (I कुरिन्थियों 7:8-9)।

भाई पॉल ने प्रभु की प्रेरणा से जवाब दिया कि औरतों के पीछे भागने के बजाय, जो हिजड़े शादी करना चाहते हैं, उन्हें अपने आप को काबू में नहीं रख पाना चाहिए।

Machine Translated by Google

पवित्रता। लेकिन, जो हिजड़े अपनी माँ के पेट से ऐसे पैदा हुए थे, उन्हें भगवान ने खुद हिजड़ा बनाया है ताकि वे शादीशुदा ज़िंदगी में, उनके साथ काम करते हुए, भटक न जाएँ। वैसे भी, जो लोग ऐसे कहलाते हैं, उनमें शिष्य बनने से पहले ही वह ईश्वरीय विश्वास होगा, और गर्भ से ही हिजड़ा बनने की कृपा मिलने के बाद वे औरतों के पीछे नहीं भागते। अपनी मर्ज़ी से हिजड़ा न बनना पूरी तरह से भगवान की ईश्वरीय इच्छा के खिलाफ है, और ऐसे मामलों में, पवित्रता मुश्किल से ही बनी रहती है।

अब आत्मा साफ़-साफ़ कहती है कि आने वाले समय में कुछ लोग विश्वास से भटक जाएँगे, और बहकाने वाली आत्माओं और शैतानों की शिक्षाओं पर ध्यान देंगे; वे पाखंड में झूठ बोलेंगे, और उनका ज़मीर गरम लोहे से दागा जाएगा; वे शादी करने से मना करेंगे, और उन खाने की चीज़ों से दूर रहने का हुक्म देंगे, जिन्हें परमेश्वर ने इसलिए बनाया है कि जो लोग विश्वास करते हैं और सच्चाई जानते हैं, वे उन्हें धन्यवाद के साथ खाएँ। (I Tim. 4:1-3).

प्रभु ने भाई पॉल के ज़रिए यह साफ़ किया कि जो लोग शादी करने से मना करते हैं और लोगों को मांस से दूर रहने का हुक्म देते हैं, वे लोग हैं जो विश्वास से भटक गए हैं, और शैतानों की शिक्षाओं को मान रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनके ज़मीर को गर्म लोहे से दाग दिया गया है।

इससे यह साबित होता है कि जहाँ भी शादी कानून के तौर पर मना है, और यह सादगी पसंद इंसान की मर्ज़ी से ली गई कसम नहीं है, वहाँ गलत काम बहुत ज़्यादा होगा।

लेकिन, एक सच्चा शिष्य जो हिजड़ा नहीं है, उसे किसी भी तरह से शादी नहीं करनी चाहिए, बल्कि भगवान के सिद्धांत के अनुसार करनी चाहिए।

Machine Translated by Google

एक सच्चा शिष्य कहाँ से आएगा?

शादी?

हमने देखा है कि शिष्य बनने के लिए, आपको भगवान के साथ करार करना होगा, उसी तरह शादी को भी ज़िंदगी का करार मानना चाहिए। जो भगवान के साथ करार करता है, उसकी शादी किसी ऐसे दूसरे के साथ सफल नहीं हो सकती जो भगवान के साथ भी उस तरह के करार वाले रिश्ते में नहीं है। क्यों? ऐसा इसलिए है क्योंकि आप एक ही समय में दो अलग-अलग ग्रुप के दो लोगों के साथ करार वाले रिश्ते में सफलतापूर्वक नहीं रह सकते, बिना उस करार की शर्तों को तोड़े। यह साफ़ है, क्योंकि भगवान अपने लोगों को, जब उन्होंने किसी के साथ करार किया है, तो उन्हें बुरे लोगों के साथ दूसरे करार वाले रिश्ते में रहने की इजाज़त नहीं दे सकते।

क्योंकि तुम किसी दूसरे देवता की पूजा नहीं करोगे; क्योंकि यहोवा, जिसका नाम जलनशील है, जलनशील परमेश्वर है। (Exo. 34:14).

जब परमेश्वर इस्राएल के बच्चों (जो चर्च का एक प्रकार है) के साथ एक वाचा का रिश्ता बनाने वाला था, तो उसने उन्हें वे सभी बातें बताईं जो वह उनसे करने के लिए कह रहा था, ताकि वह वाचा का अपना हिस्सा निभा सके, और इसमें शादी भी शामिल थी। प्रभु ने इस प्रकार कहा;

..तुम उनसे कोई वादा मत करना, न उन पर दया दिखाना; न ही तुम शादी करना; अपनी बेटी उसके बेटे को मत देना, और न ही उसकी बेटी को अपने बेटे के लिए लेना, क्योंकि वे तुम्हारे बेटे को मेरे पीछे चलने से रोक देंगे, ताकि वे दूसरे देवताओं की पूजा करें, और इस तरह यहोवा का गुस्सा तुम पर भड़केगा, और तुम्हें अचानक खत्म कर देगा। (व्यवस्थाविवरण 7:2-4)।

Machine Translated by Google

इसलिए तुम अपने बारे में अच्छे से सोचो कि तुम अपने परमेश्वर यहोवा से प्यार करते हो। नहीं तो अगर तुम किसी भी तरह से वापस लौटते हो, और इन देशों के बचे हुए लोगों से जुड़ जाते हो, यानी जो तुम्हारे बीच बचे हैं, और उनसे शादी करते हो, और उनके साथ रहते हो, और वे तुम्हारे साथ रहते हैं। तो यह पक्का जान लो कि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा अब इन देशों में से किसी को भी तुम्हारे सामने से नहीं निकालेगा; बल्कि वे तुम्हारे लिए जाल और जाल बनेंगे, और तुम्हारी पसलियों में कोड़े, तुम्हारी आँखों में कांटे बनेंगे, जब तक कि तुम इस अच्छी ज़मीन से खत्म नहीं हो जाते जो तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम्हें दी है। (जोश. 23:11-13)।

प्रभु ने इज़राइल को, जो चर्च की एक तस्वीर है, चेतावनी दी थी कि वे गैर-ईसाई देशों (विश्वास न करने वालों) से शादी न करें, क्योंकि ऐसा करना उनके साथ उनका वादा तोड़ना होगा। और वे इज़राइलियों (विश्वास करने वालों) का दिल प्रभु के पीछे चलने से हटा देंगे, और इज़राइल के बच्चे दूसरे देवताओं की सेवा करने लगेंगे। प्रभु ने आगे कहा, कि गैर-ईसाई देश (विश्वास न करने वाले) इज़राइल के बच्चों (विश्वास करने वालों) के लिए जाल और जाल होंगे, और उनके लिए कोड़े, उनकी आँखों में कांटे होंगे, जब तक कि वे अपना विश्वास न खो दें। शिष्यों को कृपया इस पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि बहुतों ने अपना विश्वास खो दिया है क्योंकि उन्होंने वासना के कारण, जिसे वे प्यार कहते हैं, भगवान की इस आज्ञा को नहीं माना। बहुत से लोग कहेंगे, जब मैं उससे शादी करूँगा, तो मैं उसका धर्म बदल दूँगा। यह झूठ है, आप किसी का धर्म नहीं बदल सकते क्योंकि यह पवित्र आत्मा का काम है, और आपको यह याद रखना होगा कि जहाँ तक दौड़ किसी के लिए भी खुली है जो इसमें शामिल होना चाहता है, मुक्ति भगवान का एक तोहफ़ा है। सुलैमान को परमेश्वर ने राजा बनाया था, और उसे महान वरदान दिया था।

Machine Translated by Google

बुद्धि और ज्ञान, बहुत सारा पैसा, बिना खतना वाले लोगों की बेटियों से प्यार के नाम पर जुड़ा रहा, और अपना रास्ता भटक गया और अगर उसके पिता डेविड पर भगवान की दया न होती, तो वह नरक में चला जाता। (I Kings 11:1-11)। यह विश्वास करने वालों के लिए सच है क्योंकि भगवान नहीं चाहते कि वे अविश्वासियों से शादी करें, लेकिन अगर किसी ने शिष्य बनने से पहले शादी कर ली है, तो उस व्यक्ति को अपनी पत्नी को नहीं छोड़ना चाहिए। सच्चे शिष्यों से यह उम्मीद नहीं की जाती कि वे कैंप में मौजूद विश्वासियों से शादी करें। क्यों? ऐसा इसलिए है क्योंकि वे (कैंप में विश्वास करने वाले) अभी तक भगवान के साथ वाचा के रिश्ते में नहीं हैं। जो लोग भगवान के साथ वाचा में हैं, वे कैंप के बाहर पाए जाते हैं, जहाँ वे भगवान को अपना शरीर कुर्बान करके वाचा का अपना हिस्सा निभा रहे हैं। सच्चे शिष्य जो शादी में भगवान के सिद्धांत का पालन करना चाहते हैं, वे देखें कि कैसे अब्राहम ने अपने नौकर को इसहाक के लिए पत्नी खोजने के लिए भेजा था।

और अब्राहम ने अपने घर के सबसे बड़े नौकर से, जो उसकी सारी जायदाद पर राज करता था, कहा, अपना हाथ मेरी जांघ के नीचे रख; और मैं तुझसे स्वर्ग और पृथ्वी के परमेश्वर यहोवा की कसम खाऊंगा, कि तू मेरे बेटे के लिए कनानियों (विश्वास न करने वालों) की बेटियों में से, जिनके बीच मैं रहता हूं, कोई पत्नी नहीं लाएगा। बल्कि तू मेरे देश (चर्च या विश्वासियों की एक तस्वीर), और मेरे रिश्तेदारों (उन लोगों की एक तस्वीर जो कैंप से अलग हो गए हैं और प्रभु के साथ वाचा में हैं) में जाएगा और मेरे बेटे इसहाक के लिए एक पत्नी लाएगा। (उत्पत्ति 24:2-4)।

अब्राहम ने यहाँ परमेश्वर पिता को दिखाते हुए अपने सेवक (इंसान में पवित्र आत्मा) को भेजा, जो उनके पास जो कुछ भी था उसका इंचार्ज था।

Machine Translated by Google

अपने बेटे के लिए एक पत्नी ढूंढो। यहाँ अब्राहम कृपा और सच्चाई के सिद्धांत पर काम कर रहा था, इस तरह अपने बेटे के लिए एक सही पसली दे रहा था, और यही हमारे पिता परमेश्वर करेंगे, अगर हम सच्चे शिष्यों के तौर पर अपनी ज़िंदगी पूरी तरह से उनके हाथों में सौंप दें। हमारे अंदर उनकी पवित्र आत्मा आपको अलग हुए बर्तनों में से एक सही पसली ढूंढने का रास्ता दिखाएगी, जो परमेश्वर के साथ वाचा के रिश्ते में हो, और एक सच्चे शिष्य की ज़िंदगी भी जी रही हो। और शादी धन्य होगी और इस तरह यह पवित्र शास्त्र पूरा होगा।

एक से दो बेहतर हैं; क्योंकि उन्हें अपनी मेहनत का अच्छा इनाम मिलता है। क्योंकि अगर वे गिरते हैं, तो एक अपने साथी को उठा लेगा; लेकिन जो अकेला गिरता है, उसके लिए बुरा है, क्योंकि उसे उठाने वाला कोई नहीं है। फिर, अगर दो लेटे रहें (इंतज़ार करें)

एक साथ, तो उनमें गर्मी होती है; (अभिषेक) लेकिन कोई अकेला कैसे गर्म हो सकता है? और अगर एक (शैतान) उस पर हावी हो जाए, तो (पति) दो (पति और पत्नी) उसका (शैतान) सामना करेंगे ; और तीन गुना (तीन लोगों का एक वादा, यानी, आदमी, पत्नी और भगवान) डोरी (प्यार) जल्दी नहीं टूटती।

(सभोपदेशक 4:9-12).

Machine Translated by Google

अध्याय 8

सिंहासन के लिए योग्यता

ईसाई धर्म में हर कोई मानता है कि वह ईसा मसीह के दूसरे आगमन का इंतज़ार कर रहा है, हर कोई मानता है कि एंटीक्राइस्ट के भयानक राज से पहले उसे ले जाया जाएगा। हर कोई यह भी मानता है कि वह ईसा मसीह के आने वाले राज में उनके साथ राजगद्दी पर होगा।

लेकिन, ज़्यादातर मानने वाले लोग न तो पूछते हैं, और न ही उन्हें उन शर्तों में दिलचस्पी होती है जिन्हें पूरा करना होता है, ताकि वे राजगद्दी के काबिल बन सकें। जो लोग शर्तें जानना चाहते हैं, जब उन्हें बताया जाता है, तो वे तुरंत कहेंगे, यह अभी हमारे लिए नहीं है, बल्कि शुरुआती चेलों के लिए है, और आप उन्हें धर्मग्रंथ में जो कुछ भी दिखाएंगे, उससे वे यकीन नहीं कर पाएंगे। जो थोड़े से बचे हुए लोग शर्तें देखने के बाद, ज़िंदगी के सुखों को छोड़ने और राज करने की इस दौड़ में शामिल होने का फैसला करते हैं, उन्हें धोखेबाज और एंटीक्राइस्ट का फॉलोवर कहा जाएगा। भाई पॉल ने इस बारे में बहुत अच्छी तरह से स्टडी की और टिमोथी को समझाया :-

और अगर कोई आदमी भी हुकूमत के लिए कोशिश करे, तो भी उसे ताज नहीं मिलता, जब तक वह सही तरीके से (यानी परमेश्वर के वचन के अनुसार) कोशिश न करे। (II Tim. 2:5).

यह धर्मग्रंथ एक गाइड है, जो मानने वालों को चेतावनी देता है कि अगर कोई राज करने वाली गद्दी पर बैठना चाहता है, तो उसे धर्मग्रंथों में जाकर खोजना चाहिए, ताकि वह जान सके कि वह क्या ढूंढ रहा है। दिलचस्प बात यह है कि हर कोई चाहेगा

Machine Translated by Google

उसे अपने देश पर राज करने का मौका दिया जाए।
फिर भी, हर कोई चुनाव लड़ने के लायक नहीं है, और जो लड़ेंगे भी, वे सभी राज नहीं कर सकते। जैसा इस राज में है, वैसा ही आने वाले राज में भी होगा, हालांकि यह एक ऐसी दौड़ है जो हर किसी के लिए खुली है जो दौड़ना चाहता है, लेकिन हर कोई दौड़ने के लायक नहीं है, और जो दौड़ में दौड़ने के लायक हैं, उनमें से सभी आखिर में राज करने के लायक नहीं बन पाएंगे। इसलिए राजगद्दी के लायक बनने के लिए, आपको शैतान और इस दुनिया में काम कर रहे उसके सिस्टम को हराना होगा। यह एक बहुत मुश्किल शर्त है, और इसीलिए धर्मग्रंथ में उस ग्रुप के बारे में कहा गया है जो ऐसा करेगा;

और उन्होंने (जीतने वालों या मर्द बच्चे की टोली ने) मेमने के खून और अपनी गवाही के वचन के द्वारा उस (शैतान) को हरा दिया; और उन्होंने अपनी जान से प्यार न किया, यहाँ तक कि मर भी गए। (प्रकाशितवाक्य 12:11)।

बहुत से लोगों ने कहा है कि यह जगह माइकल और उसके फ़रिश्तों के बारे में है जिन्होंने शैतान और उसके एजेंट से लड़ाई की थी, और वह बच्चा जीसस के बारे में बात कर रहा है। उन्होंने अपनी बात को सही ठहराने के लिए डेक की बाइबिल में उस जगह के बारे में दिए गए मतलब का भी ज़िक्र किया। खैर, डेक पवित्र आत्मा नहीं है और कभी नहीं होगा। जब जॉन ने यह नज़ारा देखा, तो जीसस क्राइस्ट पहले ही मर चुके थे, फिर से ज़िंदा हो चुके थे, स्वर्ग में चढ़ चुके थे, और महिमा भी पा चुके थे। वही थे जिन्होंने जॉन को ये चीज़ें दिखाने के लिए सिंहासन पर बिठाया था। जहाँ तक फ़रिश्तों की बात है, उनके पास गवाही का कोई शब्द नहीं है क्योंकि वे बनाए जाने के समय से ही अपनी महिमा में जी रहे हैं, और वे मेमने के खून का इस्तेमाल नहीं करते, क्योंकि खून

Machine Translated by Google

उन जीवों के उद्धार के लिए जिन्होंने अपनी पुरानी शान खो दी थी। और वे फ़रिश्ते इंसानों की तरह शारीरिक रूप से नहीं मर सकते। गवाही का वचन बताता है कि उन्होंने, यीशु की तरह, शैतान और उसके सिस्टम को ठुकरा दिया जो इस दुनिया में चल रहा है। और इसी वजह से, शैतान ने उन्हें कुचलने और दुनिया में रहते हुए उनका विश्वास खोने की कसम खाई, और जिसमें वह कभी कामयाब नहीं हुआ। यीशु ने शैतान और उसके दिए सभी ऑफ़र ठुकरा दिए; नौकरी, पढ़ाई, पैसा, शोहरत, राज, खाना, सब कुछ, और जब उन्होंने अपने चेलों और यहूदा के साथ, वादे के खून की जगह इस्तेमाल होने वाली शराब में अपना हाथ डुबोया, तो यहूदा (यहूदा) उन्हें धोखा देने के लिए निकल पड़ा। यह जानते हुए कि वह किसी भी चीज़ का दोषी नहीं है जिसका शैतान उन पर इल्ज़ाम लगा सकता है, उन्होंने कहा,

अब मैं तुम्हारे साथ ज़्यादा बात नहीं करूँगा; क्योंकि इस दुनिया का राजकुमार आ रहा है, और मुझमें उसका कुछ नहीं है। (यूहन्ना 14:30)।

शैतान को उनमें कुछ भी नहीं मिला क्योंकि वे उस सिस्टम का हिस्सा नहीं थे जिसे शैतान ने दुनिया में लाया था, और उन्होंने शैतान की तरफ से आए सभी ऑफ़र को साफ़ तौर पर मना कर दिया, असल में, वे बेगुनाह थे। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि प्रभु ने हमारे भाई जॉन से कहा कि वे रेवेलेशन की किताब में जीतने वालों के बारे में यह लिखें :-

और कोई भी आदमी वह गाना नहीं सीख सका, सिवाय उन एक लाख चौवालीस हज़ार लोगों के, जिन्हें धरती से छुड़ाया गया था। ये वे लोग हैं जो औरतों (शैतान का बनाया हुआ धार्मिक सिस्टम, और जो पूरी धरती पर राज कर रहा है) से गंदे नहीं हुए; क्योंकि वे वर्जिन हैं। ये वे लोग हैं जो मेमने (जिसे उसकी आत्मा दिखाती है) के पीछे-पीछे जाते हैं, जहाँ भी वह जाता है। ये इंसानों में से छुड़ाए गए थे, जो

Machine Translated by Google

परमेश्वर और मेम्ने के लिए पहला फल। और उनके मुँह से कभी झूठ न निकला, क्योंकि वे परमेश्वर के सिंहासन के सामने बेगुनाह हैं। (प्रकाशितवाक्य 14:1-5)।

ये वो लोग हैं जिन्होंने भगवान की तरह शैतान, उसके सिस्टम और उसके सभी ऑफ़र को ठुकरा दिया और धरती पर आग से गुज़रे, अपने खून से बड़ी कीमत चुकाई। और सच में, शैतान को उनमें कुछ नहीं मिला क्योंकि उन्होंने दुनिया के किसी भी धार्मिक ग्रुप के साथ खुद को गंदा नहीं किया। उन्होंने नौकरी, बिज़नेस, पढ़ाई, पैसा, खाना, शोहरत, राज वगैरह के लिए शैतान के ऑफ़र को ठुकरा दिया, और मसीह के साथ दुख उठाकर कीमत चुकाने का फैसला किया ताकि उसके साथ राज कर सकें।

भाई पौलुस ने प्रभु के साथ अपने सेवकाई कार्य के अंत में, जब सिंहासन के लिए इस योग्यता के बारे में सच्चाई जानी, तो उसने तीमुथियुस और कलीसिया से यह कहा;

इसलिए तुम यीशु मसीह के एक अच्छे सैनिक की तरह मुश्किलों को सहो। कोई भी युद्ध करने वाला इंसान इस ज़िंदगी के मामलों में खुद को नहीं उलझाता; ताकि वह उसे खुश कर सके जिसने उसे सैनिक बनने के लिए चुना है। (II Tim. 2:3-4).

जो लोग आने वाले राज में राजगद्दी के लिए लड़ रहे हैं, वे इस जगह पर ध्यान दें, क्योंकि जीतने वाले ही मसीह के सैनिक हैं। एक बार जब आप अपने शिष्य जीवन के ज़रिए एक सैनिक के तौर पर एनरोल हो जाते हैं, तो प्रभु उम्मीद करते हैं कि आप इस दुनिया से जुड़े किसी भी तरह के काम (चाहे पढ़ाई, नौकरी, बिज़नेस, राज, वगैरह) में खुद को न उलझाएं, ताकि आप उस प्रभु को खुश कर सकें जिन्होंने आपको अपना सैनिक चुना है। अगर मसीह के सैनिक के तौर पर एनरोल होने के बाद भी आप इस दुनिया के रोज़ाना के कामों में खुद को उलझाते हैं, तो पक्का जान लें कि आप प्रभु और उनके कामों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

Machine Translated by Google

किंगडम, जिसने तुम्हें उन लोगों का हिस्सा बनने के लिए बुलाया है जो शैतान और इस किंगडम को खत्म कर देंगे। एक सैनिक के तौर पर तुम्हारा एकमात्र काम हमारे प्रभु के आने वाले किंगडम की खुशखबरी फैलाना है, और यह उसका कर्तव्य है कि वह तुम्हें खाना खिलाए, कपड़े पहनाए और जहाँ ज़रूरी हो, तुम्हें घर दे। यह एक बहुत मुश्किल शर्त है, लेकिन उसे यही चाहिए। मैं इस सच्चाई का जीता-जागता गवाह हूँ, मैं अपनी नौकरी छोड़कर आया और साढ़े तीन साल तक एक सच्चे शिष्य के तौर पर ट्रेनिंग ली।

ट्रेनिंग के बाद, मैं दो साल तक एक सच्चे शिष्य की तरह प्रभु का अनुसरण करता रहा, इस बात का इंतज़ार करते हुए कि आगे क्या करना है। और मैंने, पॉल की तरह, पॉल की चिट्ठियों से खुद को सही ठहराते हुए कि अपने हाथों से कैसे काम करना है, अपने हाथों से काम करते हुए बिज़नेस शुरू किया। आप देखिए, मैं ठीक कर रहा था लेकिन साथ ही मुझे अटैक भी आ रहे थे, क्योंकि मैं भगवान की मर्ज़ी में था, जब तक कि दस महीने बाद, उन्होंने मुझ पर दया नहीं की,

मुझे फिर से बाहर लाया ताकि मैं एक सच्चे शिष्य की तरह जीता रहूँ ताकि मैं जीत सकूँ। उसने मुझे चेतावनी भी दी कि मैं कभी पीछे न हटूँ, और मुझे बताया कि पॉल ने क्या लिखा था और उसने ऐसा क्यों लिखा था।

इस चर्च युग में जीतने वालों की दिलचस्पी के लिए, मैं पवित्र आत्मा की मदद से, चर्च के लिए प्रेरित यूहन्ना के खुलासे को समझाने की कोशिश करूँगा, जो प्रकाशितवाक्य की किताब के अध्याय 2 और 3 में लिखा है। ये दो अध्याय खास तौर पर चर्च के लिए लिखे गए हैं, और हर चर्च युग में, प्रभु यीशु कुछ ऐसे मंत्रियों को खड़ा करते थे जिनके पास सच्चाई होती थी, लेकिन उनमें से एक मंत्री ऐसा होता था जिसके पास मुख्य संदेश होते थे, और बाकी सभी लोग इस खुलासे के साथ-साथ प्रचार करते थे।

Machine Translated by Google

मैसेंजर, जिसे उस चर्च का एंजल कहा जाता है।
जो कोई भी ऐसी कोई चीज़ लेता है जो इस मैसेंजर को मिलने वाली चीज़ों से अलग है, वह धोखे में है। कुछ खासियतें भी हैं जिनसे मैसेंजर और बाकी सच्चे मिनिस्टर्स को जाना जाएगा, और जिन्हें पवित्र आत्मा उनके ज़रिए दिखाएगा।

मैं इफिसुस में पहले चर्च युग से शुरू करता हूँ:-
इफिसुस के चर्च के दूत (मैसेंजर) को लिखो; ये बातें वह कहता है जो अपने दाहिने हाथ में सात तारे पकड़े हुए है, और सात सोने की दीवटों के बीच चलता है। फिर भी मुझे तुम्हारे खिलाफ कुछ कहना है, क्योंकि तुमने अपना पहला प्यार छोड़ दिया है। इसलिए याद करो कि तुम कहाँ से गिरे हो, और पछतावा करो, और पहले वाले काम करो; नहीं तो मैं जल्दी तुम्हारे पास आऊँगा, और तुम्हारी दीवट को उसकी जगह से हटा दूँगा, अगर तुम पछतावा नहीं करोगे। (Rev. 2:1-5)।

इफिसुस का मतलब है मनचाहा, (यानी) वे सच की चाहत रखते थे और साथ ही अपने पहले प्यार (प्रभु का इंतज़ार) के साथ आराम कर रहे थे। इसलिए प्रभु यीशु ने उस चर्च युग के मैसेंजर के ज़रिए खुद को दिखाया, जैसे, वह जो अपने दाहिने हाथ में सात तारे पकड़े हुए है, जो सात सोने की मोमबत्तियों के बीच चलता है। और इसका मतलब है कि प्रभु सभी मिनिस्टर्स को मज़बूती से पकड़े हुए थे, और उनके ज़रिए अपना पूरा अधिकार और ताकत दिखा रहे थे, जिससे वे पूरे चर्च में इधर-उधर घूमते रहे ताकि यह पक्का हो सके कि निकोलायतों के काम (जो कि दुनिया के साथ समझौता करके आम लोगों को उखाड़ फेंकना है) की इजाज़त न हो।

Machine Translated by Google

चर्च। Vs.2-3 में इन चेलों की तारीफ़ करने के बाद मैसेंजर ने जो मैसेज दिया, वह Vs.4-5 में है, और वह यह है कि उन्होंने अपना पहला प्यार छोड़ दिया है। उनका पहला प्यार था, प्रभु के साथ रहना या प्रभु का इंतज़ार करना, उनकी बातें सुनना, उन्हें करना और दुनिया से समझौता न करना, और यहाँ जीतने के लिए, उन्हें उस पहले प्यार पर वापस जाना होगा।

दूसरा चर्च युग स्मिर्ना का चर्च है, और यह कहता है, और स्मिर्ना के चर्च के स्वर्गदूत को लिखो; ये बातें वह कहता है जो पहला और आखिरी है, जो मर गया था और अब ज़िंदा है। (प्रकाशितवाक्य 2:8)।

स्मिर्ना का मतलब है गंधरस, और यह एक कड़वा मरहम है जिसका इस्तेमाल लोगों को मौत के लिए अभिषेक करने के लिए इत्र बनाने में किया जाता है, और यहाँ जीतने वालों को भी इसी से अभिषेक किया गया था। प्रभु ने इस चर्च युग में मैसेंजर के ज़रिए खुद को पहले और आखिरी के तौर पर दिखाया, जो मरा हुआ था, और अब ज़िंदा है, जिसका मतलब है कि यहाँ सभी जीतने वालों को एक साथ मार दिया जाएगा, और वे सभी चर्च युगों में जीतने वालों का पहला और आखिरी ग्रुप होंगे, जो उस तरह की एक साथ मौत का सामना करेंगे। हालाँकि वे फिर से जी उठेंगे। Vs.9 में उनकी वफ़ादारी के लिए उनकी तारीफ़ की गई थी, लेकिन Vs.10 में, उन्हें मैसेज दिया गया और मौत तक वफ़ादार रहने के लिए हिम्मत दी गई। कोई भी जिसने इस चर्च युग में जो कुछ भी झेला, उसके कारण खुद को मारे जाने के लिए नहीं दिया, वह जीतने वाला नहीं कहा जा सकता।

तीसरा चर्च युग पिरगमुस है। और पिरगमुस में चर्च के स्वर्गदूत को लिखो; ये बातें वह कहता है जिसके पास दोधारी तेज तलवार है। (प्रकाशितवाक्य 2:12)।

Machine Translated by Google

पेर्गमोस को शादी और तरक्की से दिखाया जाता है, और यह तब हुआ जब इस चर्च के ज़माने में मानने वाले लोग, जो स्मिर्ना चर्च पर आई मुसीबत से बाहर आए थे, कॉन्स्टेंटाइन के राज में सरकार के साथ शादी कर ली, ताकि आगे की मुसीबतों से बचे रहें।

जबकि जीतने वाले आत्मा और सच्चाई से मसीह से शादी कर लेते हैं। प्रभु ने इस चर्च के ज़माने में मैसेंजर के ज़रिए खुद को ऐसे दिखाया, जिसके पास दो धार वाली तेज़ तलवार है, मतलब इस चर्च के ज़माने में जो संदेश दिया गया, वह दो धार वाली तेज़ तलवार जैसा है। यह या तो उन्हें मसीह से शादी करने के लिए बनाता है, या उन्हें शैतान से शादी करने के लिए खत्म कर देता है। Vs.13 में उनकी तारीफ़ की गई थी, लेकिन Vs. 14-16 में, उन्हें अपने बीच बालाम की शिक्षा रखने वालों को, जिसका आध्यात्मिक मतलब है, मूर्ति पूजा में विश्वास करने और दुनिया के सिस्टम में शामिल होने की इजाज़त देने के लिए पछतावा करने की चेतावनी दी गई थी।

और निकोलायत के सिद्धांत भी, जो लोगों के विश्वास को खत्म कर देते हैं, और उन्हें अपने विश्वास के साथ परमेश्वर के वचन के साथ समझौता करने पर मजबूर करते हैं। यहाँ जीतने वालों से कहा गया था कि वे अपने उन भाइयों से अलग होकर पश्चाताप करें जो समझौता कर रहे थे, और अंत तक अपने विश्वास को मज़बूत बनाए रखें।

चौथा चर्च थुआतीरा है और उनका संदेश इस प्रकार है:

और थुआतीरा में कलीसिया के स्वर्गदूत को लिखो, "ये बातें परमेश्वर का पुत्र कहता है, जिसकी आंखें आग की लौ के समान और उसके पैर उत्तम पीतल के समान हैं।" (प्रकाशितवाक्य 2:18)।

थुआतीरा को बलिदान से पहचाना जाता है, क्योंकि वे प्रभु के लिए एक बड़ा बलिदान दे रहे थे और साथ ही मूर्तियों के लिए भी बलिदान कर रहे थे। थुआतीरा को एक ढीला या

Machine Translated by Google

लापरवाह चर्च, जो पोप चर्च के एक सिस्टम की तरह था जिसने हर तरह की मूर्ति पूजा शुरू की। प्रभु यीशु ने उस चर्च युग के मैसेंजर के ज़रिए खुद को परमेश्वर के पुत्र के रूप में दिखाया, जिसकी आँखें आग की लौ जैसी हैं, और उसके पैर बढ़िया पीतल जैसे हैं, और इसका मतलब है कि परमेश्वर के सच्चे पुत्र के रूप में, मैसेंजर परमेश्वर की पवित्रता दिखा रहा था, और भी ज़्यादा इसलिए क्योंकि उसकी आँखें जो जलती हुई आग जैसी हैं, गहराई से खोज रही थीं और सारे झूठ को बाहर निकाल रही थीं। साथ ही, उसके पैर हर तरह के पाप को दबा रहे थे जो अंदर घुसने की कोशिश करता है। उन्हें Vs.19 में उनके अच्छे कामों, प्यार, विश्वास, सब्र और त्याग के लिए हुक्म दिया गया था, लेकिन Vs.20-23 में, उन्हें चर्च में इज़ेबेल आत्मा को काम करने देने और इस तरह परमेश्वर के सेवकों को दुनिया के सिस्टम से समझौता करने और मूर्ति पूजा में विश्वास करने के लिए सिखाने और बहकाने के लिए डांटा गया था।

यह तब शुरू हुआ जब चर्च में महिलाओं की जगह के बारे में I Cor. 14:33-38 और I Tim. 2:11-14 के उलट, उन्होंने महिलाओं को पादरी बनाना शुरू कर दिया, जो संतों के चर्च में, जहाँ पुरुष हैं, सिखा रही थीं, भविष्यवाणी कर रही थीं और कई कामों में लीड कर रही थीं। इसलिए प्रभु ने इस मैसेंजर के ज़रिए चेतावनी दी कि अगर वे अपने बुरे कामों का पछतावा नहीं करते, यानी महिलाओं को वह जगह लेने देते हैं जो परमेश्वर ने उनके लिए नहीं बनाई है, तो वह उन्हें बिस्तर पर डाल देंगे, मतलब उन्हें और इस सिद्धांत को मानने वाले सभी लोगों को आध्यात्मिक नींद में डाल देंगे और बड़ी मुसीबत के दौरान सभी को मार डालेंगे।

इस चर्च युग में जीतने वाला बनने के लिए, उन्हें ईज़ेबेल आत्मा के कामों को रोककर इस सिद्धांत से पश्चाताप करना होगा और

Machine Translated by Google

महिलाओं से आग्रह किया कि वे वापस जाएं और I कुरिन्थियों 14:33-38 और I तीमुथियुस 2:11-14 का पालन करना शुरू करें।

पांचवां चर्च युग सरदीस है और वह कहता है,

और सरदीस में चर्च के स्वर्गदूत को लिखो; ये बातें वह कहता है जिसके पास परमेश्वर की सात आत्माएँ और सात तारे हैं; मैं तेरे कामों को जानता हूँ, कि तू जीवित तो कहलाता है, पर है मरा हुआ। (प्रकाशितवाक्य 3:1)।

सरदीस बचे हुए लोगों को दिखाता है और यह उन लोगों के बारे में है जो ढीले चर्च से बाहर आए थे। प्रभु यीशु ने उस चर्च युग के मैसेंजर के ज़रिए खुद को दिखाया, जिसके पास परमेश्वर की सात आत्माएँ और सात तारे हैं, जिसका मतलब है कि मैसेंजर और बाकी मंत्री, परमेश्वर की सात आत्माओं के साथ काम करते थे, जिनका इस्तेमाल वे उन सभी झूठों को पहचानने में कर पाए जो बाहर आए थे। सात आत्माएँ हैं, प्रभु की आत्मा, बुद्धि की आत्मा, समझ की आत्मा, सलाह की आत्मा, ताकत की आत्मा, ज्ञान की आत्मा और प्रभु के डर की आत्मा (यशायाह 11:2)। उनके कामों के लिए आयत 1 में उनकी तारीफ़ की गई, लेकिन आयत 2-3 में उन्हें थुआतीरा में मिले झूठ से बचे हुए झूठ के लिए पछतावा करने की चेतावनी दी गई। उनसे यह भी कहा गया कि वे इस मैसेंजर ने जो सिखाया है उसे मज़बूती से थामे रहें, और गंभीरता से प्रभु का इंतज़ार करें ताकि वे अनजान न हों, और उस चर्च युग में उनके लिए जीतने की यही एकमात्र शर्त थी।

छठा चर्च युग फिलाडेल्फिया है, और संदेश है,

और फिलाडेल्फिया में चर्च के स्वर्गदूत को लिखो, ये बातें वह कहता है जो पवित्र है, वह जो सच्चा है, वह जो

Machine Translated by Google

उसके पास दाऊद की चाबी है, जो खोलती है और कोई बंद नहीं कर सकता; और बंद करती है और कोई खोल नहीं सकता। (प्रकाशितवाक्य 3:7)।
फिलाडेल्फिया भाईचारे के प्यार को दिखाता है और इसका मतलब है कि वे एक-दूसरे के प्रति प्यार से चल रहे थे। प्रभु यीशु ने इस चर्च युग के मैसेंजर के ज़रिए खुद को इस तरह दिखाया, वह जो पवित्र है, वह जो सच्चा है, जिसके पास डेविड की चाबी है, वह जो खोलता है, और कोई बंद नहीं कर सकता, और बंद करता है, और कोई खोल नहीं सकता, जिसका मतलब है कि मैसेंजर को पवित्रता, सच्चाई में चलना चाहिए, और उसके पास वही अधिकार होना चाहिए जो डेविड के पास था। वह अधिकार जो उसके (डेविड) पास भगवान के प्रति प्यार, समर्पण और आज्ञाकारिता के ज़रिए था, और इसी वजह से, प्रभु ने उनके लिए भगवान के दिव्य प्यार, सुसमाचार और आशीर्वाद का दरवाज़ा खोल दिया जिसे कोई बंद नहीं कर सकता, और उन हमलों का दरवाज़ा भी बंद कर दिया जो शैतान ने उनके खिलाफ खोले थे। उन्हें प्रभु से पूरी तारीफ़ मिली, और उन्हें किसी भी गलती के लिए डांटा नहीं गया, बल्कि उनसे कहा गया कि जो उनके पास है उसे मज़बूती से थामे रहें ताकि वे अपना ताज किसी के हाथों न खो दें, यही उस युग में उनके जीतने वाले बनने की शर्त थी।

सातवां चर्च संत, और आखिरी चर्च जिसे एंटीक्राइस्ट के भयानक शासन से दूर ले जाया जाएगा, वह लाओडिसिया है, और उनके लिए प्रभु का संदेश पढ़ता है;

और लौदीकिया के कलीसिया के स्वर्गदूत को लिखो, कि ये बातें वह कहता है जो आमीन है, और जो विश्वासयोग्य और सच्चा गवाह है, और परमेश्वर की सृष्टि की शुरुआत है। (प्रकाशितवाक्य 3:14)।
लाओडिसिया गुनगुनेपन और खुद को धोखा देने को दिखाता है: यह दिखाता है कि इस चर्च के ज़माने में मानने वाले अपने मतलब के लिए सही चीज़ें ढूंढ रहे हैं और इस तरह वे धोखे में पड़ जाते हैं और

Machine Translated by Google

परमेश्वर की बातों के प्रति उदासीन हो जाओ। प्रभु यीशु इस चर्च युग के मैसेंजर के ज़रिए खुद को एक इंसान, वफ़ादार और सच्चे गवाह, परमेश्वर की रचना की शुरुआत के तौर पर दिखा रहे हैं, जिसका मतलब है कि मैसेंजर परमेश्वर के वचन पर आमीन कहेगा (यानी वह परमेश्वर के वचन को वैसा ही रहने देगा जैसा वह है), वह उस प्रभु के प्रति वफ़ादार रहेगा जिसने उसे बुलाया है, और प्रभु के लिए सच्चाई का गवाह होगा, (और यानी, परमेश्वर का वचन उसके बारे में जो कुछ भी कहता है, वह उसे मानेगा) जैसे जॉन द बैपटिस्ट ने प्रभु के लिए सच्चाई की गवाही दी थी। परमेश्वर की रचना की शुरुआत के तौर पर जो कृपा और सच्चाई है, मैसेंजर में सृष्टि में आदम के गुण होंगे। उसी तरह जैसे परमेश्वर ने आदम को बनाया, उसे एक बगीचे (एक चर्च की तस्वीर) में रखा, एक पत्नी बनाई और उसके पास लाया, और उसे खाना खिलाया और उसके साथ रहा, इससे पहले कि वह (परमेश्वर) पहले इस मैसेंजर में, और इस चर्च युग में सभी सच्चे सेवकों में दिखे। परमेश्वर इस युग में सच्चे सेवकों के लिए कृपा और सच्चाई के सिद्धांत पर काम करेगा। उन्हें प्रभु से कोई तारीफ़ नहीं मिली, बल्कि उन्हें (Vs.15-17 में) अपनी दौलत पर घमंड करने के लिए डांटा गया, यह कहते हुए कि उन्हें किसी चीज़ की कमी नहीं है। लेकिन वे नहीं जानते कि वे गरीब (सच्चाई की कमी), अंधे (आध्यात्मिक अंधापन), और नंगे (पाप) हैं। प्रभु Vs.18-20 में इस मैसेंजर के ज़रिए इस चर्च के ज़माने को चेतावनी दे रहे हैं, कि इस आग से मुझसे सोना खरीदो, ताकि तुम अमीर बन सको, मतलब परमेश्वर जैसा विश्वास ढूंढो जो मुश्किलों से मिलता है ताकि तुम परमेश्वर के वचन में अमीर बन सको और सफेद कपड़े (नेकी) पहन सको, और उनकी शर्म दूर हो जाए।

Machine Translated by Google

नंगापन (पाप) दिखाई नहीं देता। प्रभु ने हमें आगे चेतावनी दी कि हम अपनी आँखों पर आईसलव (पवित्र आत्मा) लगाएँ ताकि हम देख सकें। और प्रभु ने इस मैसेंजर के ज़रिए चेतावनी खत्म की, कि जब तक हम उस गुनगुनेपन से पछतावा नहीं करते जिसने हमारे इस चर्च के समय को तथाकथित खुशहाली के संदेश की वजह से जकड़ लिया है, जिसे हम सुन रहे हैं, और उनके लिए जोशीले नहीं हैं, तो हमें बाहरी अंधेरे में डाल दिया जाएगा। क्योंकि प्रभु जानते हैं कि इस चर्च के समय में विश्वास करने वाले बदलना नहीं चाहेंगे, इसलिए वह हर उस व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो इसे एक विजेता बनाना चाहता है, कि वह अपने दिल का दरवाज़ा खोले और प्रभु को अंदर आने दे और उसे बदलने दे। और इसका पालन करके, आपको एक सच्चा शिष्य होना चाहिए। यह इंडिविजुअलिज़्म का समय है, क्योंकि विश्वासी भटक गए हैं और भटकते रहेंगे, जब तक कि लिक्विड आग या बाद में बारिश न हो, जो बचे हुए कुछ लोगों को ठीक कर सके। परमेश्वर अब सबको अकेले बुला रहा है, जैसे उसने अब्राहम को अकेले बुलाया और उसे आशीर्वाद दिया, और जब वह लूत से अलग हुआ तो उसे बढ़ाया (उत्पत्ति 13:6-

17, यशायाह 51:1-2)। कई पादरी जल्दी से जाकर कहेंगे कि उनके अपने ज़माने के बारे में भगवान ने अच्छा कहा था, और कहेंगे कि उनका अपना ग्रुप या डिनॉमिनेशन उस चर्च को रिप्रेजेंट कर रहा है। अगर आप चाहें, तो अपने डिनॉमिनेशन को सबसे अच्छा होने दें, जब तक आप इस सातवें और आखिरी चर्च के ज़माने में प्रभु जो कह रहे हैं, उसे नहीं मानते, (जो कि अपने पापी कामों से पछतावा करना, अकेले उनके पास आना, और प्रभु के लिए बहुत जोशीला होना है) आप एक विनर के तौर पर नहीं बन सकते। फिर से प्रभु ने कई, कई सदियों पहले पैगंबर यशायाह के ज़रिए अपनी किताब के चैप्टर 3 में चेतावनी दी थी, कि परमेश्वर के लोग

Machine Translated by Google

अपने बच्चों से दबे हुए हैं, और औरतें उन पर राज कर रही हैं। कौन सा ग्रुप या ग्रुप इस बड़ी गलती से बच गया है? क्योंकि इफिसुस से लेकर लौदीकिया तक के सभी सात चर्च युग, किसी न किसी तरह से, इस आखिरी समय में कुछ धार्मिक ग्रुप्स द्वारा दिखाए जा रहे हैं, इसलिए प्रभु ने यशायाह के ज़रिए पूरे चर्चों के बारे में कहा:

और उस दिन (ये वो दिन हैं जिनका ज़िक्र है), सात औरतें (इस कृपा के इंतज़ाम में सात चर्च, जिनका ज़िक्र Rev. चैप्टर 2 और 3 में किया गया है) एक आदमी (यीशु) को पकड़कर कहेंगी, हम अपनी ही रोटी खाएँगे (अपनी ही शिक्षा पर विश्वास करेंगे), और अपने ही कपड़े पहनेंगे (अपनी ही नेकी पर चलेंगे, जो मरे हुए काम हैं); बस हमें तेरे नाम से पुकारा जाए, (बस हम यीशु का नाम इस्तेमाल करें) ताकि हमारी बदनामी दूर हो जाए। (यशायाह 4:1)।

आज विश्वासियों की यही हालत है, क्योंकि कोई भी ग्रुप या चर्च महिलाओं को उनकी सेवा में वह पद लेने की इजाज़त नहीं देता जो परमेश्वर ने उनके लिए तय नहीं किया है। यह साबित करने के लिए कि परमेश्वर जीतने वालों की तलाश में है;

जो जीतेगा, वह सब कुछ का वारिस होगा, और मैं उसका परमेश्वर होऊंगा, और वह मेरा पुत्र होगा। (प्रकाशितवाक्य 21:7)।
जीतने वाले लोग राजा और परमेश्वर के पुजारी बनकर सिंहासन पर बैठेंगे, और उन्हें दूसरी मौत से कोई नुकसान नहीं होगा।

विजेता कैसे बनें

यह साबित हो चुका है कि राजगद्दी के काबिल होने के लिए, आपको जीतने वाला होना चाहिए। मानने वालों का एक अच्छा-खासा हिस्सा यह जानता है और असल में, उन्होंने अपने ग्रुप में सदस्यों से गुज़ारिश करते हुए बहुत सारे प्रोग्राम शुरू किए हैं, और

Machine Translated by Google

आम जनता को उनमें शामिल होने के लिए कहें, क्योंकि जीतने वाला बनने का यही तरीका है। यह बहुत मज़ेदार है, क्योंकि प्रभु जानते थे कि इंसान परमेश्वर के राज्य और शायद राजगद्दी तक पहुँचने का शॉर्टकट चाहता है। और इसी वजह से, प्रभु ने पहाड़ पर अपना उपदेश खत्म करते समय चेतावनी दी थी; तुम सीधे (सख्ती, सटीकता) दरवाज़े से अंदर जाओ; क्योंकि दरवाज़ा चौड़ा है और रास्ता चौड़ा (धन में खुशहाली) है,

जो बर्बादी की ओर ले जाता है, और बहुत से लोग उसमें जाते हैं। क्योंकि दरवाज़ा सीधा (सख्ती, सटीकता) है, और रास्ता तंग (मुसीबत, दुख, तकलीफ) है, जो ज़िंदगी की ओर ले जाता है, और बहुत कम लोग हैं जो उसे पाते हैं।

(मत्ती 7:13-14).

मैंने इस जगह पर यह दिखाने के लिए ज़ोर दिया कि सबसे पहले, पवित्र आत्मा के ज़रिए ही उस सीधे दरवाज़े और पतले रास्ते को ढूंढना आसान है, और प्रोग्राम के ज़रिए नहीं।

दूसरी बात, बहुत कम लोग ही इसे पा सकते हैं जो सच्चे शिष्य के तौर पर प्रभु को अपनी निजी ज़िंदगी को निर्देशित करने देने में विश्वास करते हैं।

फिर से प्रभु ने राजा दाऊद को उनके भजनों में यह बताया:

प्रभु का रहस्य उन लोगों के साथ है जो उससे डरते हैं; और वह उन्हें अपना करार दिखाएगा। (भजन 25:14)।

जो लोग मानते हैं कि वे सच्चे शिष्य बनने के लिए बाइबल में लिखी आज्ञाओं का पालन करके सच्चे दिल से प्रभु का भय मान रहे हैं, उनके लिए यह रहस्य है कि जीतने वाला बनने के लिए क्या करना चाहिए। जीतने वाला बनने के लिए, आपके अंदर के बीज को शैतान का सिर कुचलना होगा।

और मैं तेरे (सांप या शैतान) और स्त्री (चर्च) के बीच, और तेरे वंश (ऐंटीक्राइस्ट) और उसके वंश (यीशु मसीह और बाद में पुरुष बच्चे या

Machine Translated by Google

जीतने वाले); यह तेरे सिर को कुचल देगा, और तू उसकी एड़ी को कुचलेगी। उसने औरत से कहा, मैं तेरा दुख और तेरे गर्भधारण को बहुत बढ़ा दूँगा; तू दुख में बच्चे पैदा करेगी; और तेरी इच्छा तेरे पति की होगी, और वह तुझ पर राज करेगा। (उत्पत्ति 3:15-16)।

प्रभु परमेश्वर अपने सिंहासन पर बैठे और शैतान को देखते रहे कि कैसे वह इस दुनिया की सरकार को, जिसे उन्होंने इंसान के हाथों में सौंप दिया था, उससे (इंसान) छीन रहा है। वह जल्दी से नीचे आए और ध्यान से पूछने के बाद कि यह कैसे हुआ, उन्होंने शैतान को श्राप दिया और आगे श्राप के ये शब्द कहे, जो बाद में औरत के लिए एक छिपा हुआ आशीर्वाद साबित हुए, दुश्मन पर जीत हासिल करने का यही एकमात्र तरीका था। इसलिए प्रभु परमेश्वर ने औरत और शैतान के बीच, और उसके वंश और शैतान के वंश के बीच एक गंभीर युद्ध की घोषणा की। तो फिर औरत और उसका वंश कौन है? शरीर में औरत, मर्द का वह फीमेल हिस्सा है जिसे कमज़ोर बर्तन माना जाता है और भगवान ने उसे बच्चे पैदा करने का काम दिया है। और आत्मा में, वह मसीह के शरीर का वह कमज़ोर हिस्सा है जिसे चर्च माना जाता है, और उसे स्पिरिचुअल बीज (इंसान-बच्चा) पैदा करने का काम दिया गया है जो शैतान का सिर कुचल देगा। मैरी शरीर में पहली औरत थीं जिन्होंने पहले बीज को जन्म दिया जिसने शैतान पर जीत हासिल की, और वह बीज प्रभु यीशु हैं। और आत्मा में, औरत (चर्च) का पहला बीज जो शैतान का सिर कुचलेगा या शैतान पर जीत हासिल करेगा, वह मर्द बच्चा (जीतने वाले) है। Rev. 12:1-6 में, यह अच्छी तरह समझाया गया है, औरत ने मर्द बच्चे को जन्म दिया, जिसे लोहे की छड़ से सभी देशों पर राज करना था, और यह बच्चा ऊपर उठा लिया गया।

Machine Translated by Google

परमेश्वर के पास, और उसके सिंहासन के पास। लेकिन वह औरत खुद लड़के की तरह परमेश्वर के पास नहीं गई, बल्कि वह एंटीक्राइस्ट के राज से छिपने के लिए जंगल में भाग गई (एक तरह का अलगाव)। फिर से, मसीह के शरीर का कोई भी सच्चा सदस्य, आध्यात्मिक रूप से एक औरत है क्योंकि हम उसकी दुल्हन हैं, और उनका वंश जो शैतान का सिर कुचलेगा, वह उनके अंदर परमेश्वर का वचन है। हालाँकि, तीन स्थितियाँ जो किसी भी शिष्य के वंश (परमेश्वर का वचन) को शैतान पर विजय पाने या उसका सिर कुचलने का कारण बनेंगी, वे उत्पत्ति 3:16 में हैं।

(a) औरत दुख में बच्चों को जन्म देगी; आध्यात्मिक रूप से इसका मतलब है कि मसीह के शरीर का कोई भी सच्चा सदस्य कराहेगा, पीड़ा सहेगा, रोएगा, दहाड़ेगा, विलाप करेगा, चीखेगा, ताकि राज्य के बच्चों को जन्म दे सके (Ref. Gal. 4:19, Isa. 66:7-8, Rev. 12:1-2).

(b) औरत की इच्छा उसके पति के लिए होगी; आध्यात्मिक रूप से इसका मतलब है कि किसी भी शिष्य की इच्छा प्रभु यीशु के लिए होगी। यह दिखाता है कि इस दुनिया में एक न्यायपूर्ण या नेक जीवन जीने के लिए, एक शिष्य को पूरी तरह से प्रभु यीशु पर निर्भर रहना होगा। और यहीं से यह शब्द, न्यायपूर्ण विश्वास से जीएगा, आता है। धरती पर शिष्य के जीवन से जुड़ी हर चीज़, हमारे प्रभु यीशु के फिर से जी उठने पर उसके विश्वास के अनुसार होनी चाहिए (संदर्भ: हब. 2:4, गला. 3:11, इब्रानियों 10:38)।

(c) वह तुम पर राज करेगा; आध्यात्मिक रूप से इसका मतलब है कि जब आप अपनी मर्ज़ी उसके अधिकार के चैनल के ज़रिए उसे सौंप देंगे, तो प्रभु यीशु का तुम पर पूरा कंट्रोल होगा। (सबमिशन, द अथॉरिटी चैनल ऑफ़ गॉड और द ओनली वे टू द किंगडम ऑफ़ द किंगडम पर मेरी किताब देखें।

Machine Translated by Google

भगवान)। प्रभु ने कुछ काबिल मिनिस्टर बनाए हैं जो शिष्य बनने की इन शर्तों को पूरा करते हैं, और उन्हें पार करने की कोशिश कर रहे हैं, और वह अपने उन लोगों को, जो सच्चे शिष्य बनना चाहते हैं और जो आखिरकार उन्हें पार करेंगे, ऐसे मिनिस्टर के अंडर रख रहे हैं। वह इन शिष्यों से मिनिस्टर के ज़रिए उनके (भगवान) सामने झुकने और उनकी बात मानने के लिए भी कह रहे हैं (Ref. Heb. 13:7 और 17, Jas. 4:7, I Pet. 5:5-6)।

यह सब डिटेल में समझाने के बाद, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि कोई भी चेला जो दुख में कराहते, तकलीफ़ में, रोते हुए, वगैरह से आध्यात्मिक बच्चे पैदा कर रहा है, जिसकी इच्छा प्रभु यीशु की है (यानी, नेक लोग विश्वास से जीएँगे), और जो पति (प्रभु यीशु) को अपने ऊपर राज करने देता है (प्रभु यीशु के अधिकार के ज़रिए उनके प्रति पूरी तरह से समर्पण), उसका वंश (उसके अंदर परमेश्वर का वचन) शैतान का सिर कुचल देगा, और वह आखिर में दुश्मन पर जीत हासिल कर लेगा। वह आने वाले राज में मसीह के साथ राज करने के लायक भी होगा। याद रखें कि परमेश्वर ने यह नहीं कहा कि तुम इन तीन चीज़ों में से एक या दो कर सकते हो ताकि जीत हासिल हो सके, बल्कि उसने तीन शर्तें बताईं क्योंकि तुम्हारा वंश (तुम्हारे अंदर परमेश्वर का वचन) दुश्मन पर जीत हासिल करने का एकमात्र तरीका है और परमेश्वर के नंबरों के हिसाब में नंबर 3, फिर से जी उठना है। और सभी जीतने वालों को पहला फिर से जी उठना होगा। बहुत से लोग दुख में बच्चे पैदा करना और भगवान को अपने ऊपर राज करने देना पसंद करेंगे (भगवान के अधिकार के आगे झुकना), लेकिन वे यह सुनना या मानना नहीं चाहते कि नेक लोग विश्वास से जिएंगे। वे इंतज़ार नहीं कर सकते।

Machine Translated by Google

भगवान अपने समय पर उनकी ज़रूरतें पूरी करें, बल्कि वे घोड़ों (इंसानी ताकत) पर सवार होकर अपना गुज़ारा कर सकते हैं। अगर आप इन तीन प्रोसेस से नहीं गुज़रना चाहते, तो जीतना भूल जाइए।

Machine Translated by Google

अध्याय 9

एक सच्चे शिष्य के पुरस्कार

उसकी ईसाई जाति का अंत

एक सच्चे शिष्य को ऐसा क्या मिलेगा जिससे उसे अपने पिता, माता, भाई, बहनों, बच्चों, पत्नी को छोड़ने और यहाँ तक कि अपनी जान से नफ़रत करके इतना बड़ा जोखिम उठाने की हिम्मत मिले? पॉल के पास इसका जवाब था और उसने इब्रानियों को लिखे अपने खत में कहा,

हमारे विश्वास के रचयिता और पूरा करने वाले यीशु की ओर देखते रहें, जिसने उस खुशी के लिए जो उसके सामने थी, शर्म की परवाह न करते हुए क्रूस सहा, और परमेश्वर के सिंहासन के दाहिने हाथ पर बैठा है। (इब्रानियों 12:2)।

अगर प्रभु यीशु के सामने कोई खुशी या इनाम नहीं होता, जिससे वे इन हालात से गुज़रे, तो मुझे नहीं लगता कि वे आने के लिए राज़ी होते। यह हिम्मत वाला कदम उठाने से पहले, आपको यह जानना होगा कि बदले में आपको क्या मिलेगा। डेविड को यह पता था और गोलियत से लड़कर और उसे मारकर अपनी जान का सबसे बड़ा रिस्क लेने से पहले, उसने यह जानने की मांग की कि

उसे इनाम के तौर पर मिलेगा।

और दाऊद ने अपने पास खड़े आदमियों से पूछा, "जो आदमी इस पलिश्ती को मारकर इस्राएल से बदनामी दूर करेगा, उसके साथ क्या किया जाएगा?" क्योंकि यह कौन है?

Machine Translated by Google

बिना खतना वाला पलिश्ती, कि वह जीवित परमेश्वर की सेनाओं को ललकारे? (I Sam. 17:26)

डेविड का यह एक समझदारी भरा सवाल था, क्योंकि वह जानता था कि उसे किसका सामना करना पड़ेगा, और इसलिए उसे यह बताने की ज़रूरत थी कि उसे इनाम के तौर पर क्या मिलेगा। पॉल को कोरिंथियंस को यह साबित करना था कि शादी छोड़ने और सब कुछ छोड़ने के उसके कारण बेकार नहीं थे, क्योंकि उसने उनसे पूछा, कौन अपने खर्चे पर कभी भी लड़ाई में जाता है? कौन अंगूर का बाग लगाता है, और उसका फल नहीं खाता? या कौन झुंड को चराता है, और झुंड का दूध नहीं पीता? क्या मैं ये बातें एक आदमी की तरह कहता हूँ? या कानून भी यही नहीं कहता? (I Cor. 9:7-8)।

अपनी बात खत्म करते हुए उन्होंने कहा कि जो कुछ उन्होंने अभी कहा है, वह प्रभु की ओर से है, न कि उनकी ओर से या किसी इंसान की ओर से।
एक सच्चे शिष्य को अपनी ईसाई दौड़ के आखिर में जो पहला इनाम मिलेगा, वह है, शरीर की मौत से फिर से ज़िंदा होना और हमेशा की ज़िंदगी पाना।

और इसके लिए प्रभु ने स्पष्ट रूप से कहा;
और जिसने मुझे भेजा है, उसकी इच्छा यह है कि जो कोई पुत्र को देखे और उस पर विश्वास करे, उसे हमेशा की ज़िंदगी मिले; और मैं उसे आखिरी दिन फिर ज़िंदा करूँगा।

(यूहन्ना 6:40).
परमेश्वर पिता ने यीशु को इस धरती पर बेकार में नहीं भेजा, बल्कि उन्हें यह शक्ति दी कि वे किसी भी ऐसे व्यक्ति को उठा सकें, जो उनके पीछे चलने के लिए इस दुनिया में अपनी जान देने को तैयार हो, और इसीलिए प्रभु यीशु ने अपने शिष्यों को जवाब देते हुए कहा:

जो अपने जीवन से प्रेम रखता है, वह उसे खो देगा; और जो इस संसार में अपने जीवन से घृणा करता है, वह उसे अनंत जीवन तक सुरक्षित रखेगा। (यूहन्ना 12:25)।

Machine Translated by Google

अगर आप इस दुनिया में अपनी ज़िंदगी से नफ़रत नहीं करते, तो आपको हमेशा की ज़िंदगी नहीं मिल सकती। यह समझना अच्छा है कि हमेशा की ज़िंदगी क्या है, क्योंकि इंसान हमेशा की आत्मा के साथ पैदा हुआ है। लेकिन, ज़रूरी यह होना चाहिए कि इस खराब शरीर को छोड़ने के बाद इंसान की आत्मा हमेशा कहाँ रहेगी? क्या यह भगवान और उनके पवित्र फ़रिश्तों के सामने होगी, या शैतान और उसकी शैतानी आत्माओं के साथ जलती हुई आग और गंधक की झील में होगी? हमेशा की ज़िंदगी पाने का मतलब है अपनी ज़िंदगी हमेशा भगवान के साथ बिताना, स्वर्ग की खुशी का मज़ा लेना। और एक बेटे के तौर पर, अपने पिता के तौर पर उनके साथ रिश्ता बनाना, जिससे स्वर्ग और धरती दोनों जगह भगवान की हर चीज़ तक हमारी पहुँच हो और साथ ही भगवान जैसे बनाने वाले की ताकत भी हो, जिससे हम उस ताकत का इस्तेमाल तब करेंगे जब हम उनके साथ राज करेंगे। दूसरी तरफ, हमेशा की मौत का मतलब है भगवान से हमेशा के लिए अलग होना, और भगवान के साथ सारी स्वर्ग की खुशी और पूरी संगति खो देना, और भगवान के दुश्मनों (शैतान और उसके सभी एजेंट) के साथ हमेशा जलती हुई आग और गंधक की झील में रहना।

एक सच्चे शिष्य का दूसरा इनाम, अपनी ईसाई दौड़ के आखिर में यह है कि उसे महिमा मिलेगी, और एक पत्नी के रूप में, वह पति (प्रभु यीशु) के साथ एक महान शादी के बंधन में बंधेगी।

आओ, हम खुश हों और आनंद मनाएँ, और उसका आदर करें, क्योंकि मेमने की शादी आ गई है, और उसकी पत्नी ने खुद को तैयार कर लिया है। और उसे यह इजाज़त दी गई कि वह महीन, साफ़ और सफ़ेद लिनन पहने, क्योंकि महीन लिनन संतों की धार्मिकता है। (प्रकाशितवाक्य 19:7-8)।

यह दुनिया में शादीशुदा जोड़ों के लिए सबसे बड़ा पल होता है, और यही वह समय होता है जब वे शादी के बंधन में बंधते हैं, और साथ मिलकर जीना शुरू करते हैं।

Machine Translated by Google

एक साथ। इसी तरह, यह एक सच्चे शिष्य के लिए भी सबसे खुशी का पल होगा, जब वह दूल्हे के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए सबसे शानदार तरीके से बाहर निकलेगा। शादी में दोनों पक्षों के माता-पिता, उनके रिश्तेदार और दोस्त शामिल होंगे। और बाद में दुल्हन हमेशा के लिए दूल्हे के साथ उस बड़े शहर में रहने लगेगी जो उनके लिए तैयार किया गया है, और वह है न्यू जेरूसलम, चौकोर शहर।

हे पिता, मैं चाहता हूँ कि जिन्हें तूने मुझे दिया है, वे भी जहाँ मैं हूँ, मेरे साथ रहें; ताकि वे मेरी महिमा को देखें, जो तूने मुझे दी है, क्योंकि तूने मुझे दुनिया की शुरुआत से पहले से प्यार किया है। (यूहन्ना 17:24)।

और मैंने देखा, और देखो, एक मेम्ना सिय्योन पहाड़ पर खड़ा था, और उसके साथ एक लाख चौवालीस हज़ार लोग थे, जिनके माथे (दिमाग) पर उसके पिता का नाम (परमेश्वर का वचन) लिखा हुआ था। (प्रकाशितवाक्य 14:1)

प्रभु ने खास तौर पर पिता से प्रार्थना की कि वह दुल्हन को उनके साथ रहने दें, चाहे वह कहीं भी हों, ताकि वह उनकी महिमा देख सके। और जैसे दुल्हन दूल्हे की महिमा देखती है, वैसे ही वह भी उस महिमा के फल का आनंद लेगी।

एक सच्चे चेले को अपनी ईसाई जाति के आखिर में तीसरा इनाम यह मिलेगा कि उसे राजा बनाया जाएगा, और वह आने वाले राज में, बचाए गए लोगों के देश या शहरों पर राज करेगा।

और जो जीतेगा, और मेरे कामों को आखिर तक करता रहेगा, मैं उसे देशों पर अधिकार दूंगा; और वह उन पर लोहे की छड़ (पवित्र आत्मा की ज़बरदस्त शक्ति) से राज करेगा, जैसे कुम्हार के बर्तन तोड़ दिए जाते हैं।

Machine Translated by Google

कंपकंपी, जैसे मुझे अपने पिता से मिली। और मैं उसे सुबह का तारा दूंगा। (प्रकाशितवाक्य 2:26-28)।

जो चेला आखिर तक टिका रहेगा, उसे राज करने का इनाम मिलेगा, और वह पवित्र आत्मा की मज़बूत शक्ति से, उसे दिए गए देश या शहरों पर राज करेगा।

लेकिन उसे कौन सा देश या शहर दिया जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह प्रभु के प्रति कितना वफ़ादार है, और इस दुनिया में रहते हुए उसने उस पर क्या भरोसा किया है।

इसलिए उन्होंने कहा, एक अमीर आदमी अपने लिए एक राज्य पाने और वापस आने के लिए दूर देश गया।
और उसने अपने दस नौकरों को बुलाया, और उन्हें दस पाउंड दिए, और उनसे कहा, मेरे आने तक काम चलाओ। लेकिन उसके शहरवाले उससे नफ़रत करते थे, और उसके पीछे यह कहला भेजा, कि हम इस आदमी को अपने ऊपर राज करने नहीं देंगे। और ऐसा हुआ कि जब वह राज पाकर लौटा, तो उसने उन नौकरों को, जिन्हें उसने पैसे दिए थे, अपने पास बुलाने का हुक्म दिया, ताकि वह जान सके कि हर आदमी ने लेन-देन से कितना कमाया है। तब पहला आया और बोला, मालिक, तेरे पाउंड से दस पाउंड मिले हैं। और उसने उससे कहा, अच्छा अच्छे नौकर; क्योंकि तू बहुत थोड़े में भी वफ़ादार रहा है, इसलिए दस शहरों पर अधिकार रख। और दूसरा आया और बोला, मालिक, तेरे पाउंड से पाँच पाउंड मिले हैं। और उसने उससे भी कहा, तू भी पाँच शहरों का अधिकारी हो जा। (लूका 19:12-

19).
इस कहानी ने इस सवाल का साफ़ जवाब दिया कि हर शिष्य को कितने देश या शहर दिए जा सकते हैं।
और एक शिष्य इस तरह से वफादार होता है, जो अपने लक्ष्य को पूरा करता है।

Machine Translated by Google

प्रभु ने मंत्रालय का काम उसके हाथ में सौंप दिया। जो सेवक परमेश्वर के राज्य में सच्ची भेड़ें लाने के लिए वफ़ादार नहीं था, उससे जो कुछ उसे बदले में मिलता, वह ले लिया गया, और उसे दे दिया गया जिसके पास दस शहर थे, ताकि उसके पास और शहर हों।

और उसने पास खड़े लोगों से कहा, "इससे वह सिक्का ले लो, और जिसके पास दस सिक्के हैं, उसे दे दो।" (आयत 24)।

एक सच्चे शिष्य को अपनी ईसाई जाति के आखिर में चौथा इनाम यह मिलता है कि उसे परमेश्वर का महायाजक बनाया जाता है, इस तरह वह परमेश्वर के सामने उस देश को रिप्रेजेंट करता है जिस पर वह राज कर रहा है।

जो जीतेगा, उसे मैं अपने परमेश्वर के मंदिर में एक खंभा बनाऊंगा, और वह फिर कभी बाहर नहीं जाएगा, और मैं उस पर अपने परमेश्वर का नाम, और अपने परमेश्वर के शहर का नाम लिखूंगा, जो नया यरूशलेम है, जो मेरे परमेश्वर के पास से स्वर्ग से उतरता है, और मैं उस पर अपना नया नाम लिखूंगा। (प्रकाशितवाक्य 3:12)।

परमेश्वर के मंदिर में एक खंभा वह है जिसे महायाजक बनाया गया है, और प्रभु ने कहा, वह अब बाहर नहीं जाएगा, जिसका मतलब है कि वह हमेशा के लिए महायाजक रहेगा, ठीक वैसे ही जैसे प्रभु यीशु स्वर्ग में सबसे पवित्र जगह में जाने के बाद पिता के सामने हमेशा के लिए महायाजक बन गए, जहाँ उन्होंने अपने खून से हमारे लिए आखिरी प्रायश्चित किया। इसीलिए हमें मेल्कीसेदेक (इब्रानियों 7:26) की तरह पुजारी कहा जाता है।

और ऐसा होगा कि यरूशलेम के खिलाफ़ आने वाले सभी देशों में से जो लोग बचेंगे, वे हर साल राजा, सेनाओं के यहोवा की पूजा करने के लिए वहाँ जाएँगे।

Machine Translated by Google

और झोपड़ियों का त्योहार मनाना। और ऐसा होगा कि दुनिया के सभी परिवारों में से जो कोई भी राजा, सेनाओं के प्रभु की पूजा करने के लिए यरूशलेम नहीं आएगा, उन पर भी बारिश नहीं होगी। और अगर मिस्र का परिवार ऊपर नहीं जाता, और नहीं आता, जहाँ बारिश नहीं होती, तो प्लेग आएगा, जिससे प्रभु उन जातियों को मारेगा जो झोपड़ियों का त्योहार मनाने नहीं आतीं। यह मिस्र की सज़ा होगी, और उन सभी देशों की सज़ा होगी जो झोपड़ियों का त्योहार मनाने नहीं आते। (जकर्याह 14:16-19)।

एक राजा के तौर पर, सच्चा शिष्य अपनी प्रजा को इकट्ठा करेगा और उन्हें यरूशलेम ले जाएगा, और एक महायाजक के तौर पर, वह उन्हें हज़ार साल में हर साल लगने वाले त्योहारों के मंडपों में राजाओं के राजा की पूजा करने के लिए ले जाएगा।

एक सच्चे शिष्य को अपनी ईसाई दौड के आखिर में पाँचवाँ इनाम यह मिलेगा कि उसे प्रभु एक हवेली देंगे, और उसका साइज़ उन सच्ची भेडों की संख्या के हिसाब से होगा जिन्हें उसने धरती पर रहते हुए प्रभु के लिए जीता था। यह हवेली वह जगह है जहाँ वह अपने उन धर्म बदलने वालों का मनोरंजन करेगा जो स्वर्ग जा पाए थे।

मेरे पिता के घर में बहुत से घर हैं; अगर ऐसा न होता, तो मैं तुम्हें बता देता। (यूहन्ना 14:2)।

ये वो महल हैं जिन्हें वो उन लोगों के लिए तैयार करने गए थे जो आखिर तक वफ़ादार रहेंगे, और वो अभी भी और महल बना रहे हैं।

एक सच्चे शिष्य का अपनी ईसाई दौड के अंत में छठा इनाम यह है कि उसे दूसरी मृत्यु से कोई नुकसान नहीं होगा।

Machine Translated by Google

धन्य और पवित्र वह है जो पहले पुनरुत्थान में हिस्सा लेता है; ऐसे लोगों पर दूसरी मौत का कोई अधिकार नहीं, बल्कि वे परमेश्वर और मसीह के पुजारी होंगे, और उसके साथ हज़ार साल तक राज करेंगे। (प्रकाशितवाक्य 20:6)।

बहुत से लोग जो बड़ी मुसीबत के दौरान नहीं मरेंगे, और उसके बाद आने वाले परमेश्वर के गुस्से के दौरान नहीं मरेंगे, और वे सभी अविश्वासी जो परमेश्वर के साथ फिर से मेल-मिलाप किए बिना मर गए हैं, वे फिर भी दूसरी मौत का सामना करेंगे।

एक सच्चे शिष्य का अपनी ईसाई दौड़ के आखिर में सातवां इनाम यह है कि वह सिंहासन पर बैठकर जज की भूमिका निभाएगा, और गिरे हुए फरिश्तों का भी न्याय करेगा।

क्या तुम नहीं जानते कि संत दुनिया का न्याय करेंगे? और अगर दुनिया का न्याय तुम करोगे, तो क्या तुम छोटी-छोटी बातों का न्याय करने के लायक नहीं हो? क्या तुम नहीं जानते कि हम फ़रिश्तों का न्याय करेंगे? तो फिर इस जीवन से जुड़ी बातों का तो और भी ज़्यादा? (I Cor. 6:2-3).

महान व्हाइट थ्रोन जजमेंट में संत सिंहासन पर बैठकर नास्तिकों और गिरे हुए फ़रिश्तों, दोनों का न्याय करेंगे। गिरे हुए फ़रिश्तों में वे लोग शामिल हैं जिन्होंने अपनी पहली जागीर छोड़ दी, इस धरती पर आए और इंसानों की बेटियों से शादी की, और बच्चे पैदा करने के लिए, उन्होंने धरती पर बड़े-बड़े लोगों को पैदा किया।

इसलिए भगवान ने उन्हें हमेशा की सज़ा के लिए बचाकर रखा है, और संतों द्वारा पापियों के साथ उनका न्याय किया जाएगा। अभी के लिए, वे टार्टारोस में ज़ंजीरों में बंधे हुए हैं, ठीक वैसे ही जैसे पापी जो मसीह को स्वीकार किए बिना मर गए हैं, वे नरक में आखिरी फैसले का इंतज़ार कर रहे हैं, और जलती हुई आग और गंधक की झील में फेंक दिए जाने का इंतज़ार कर रहे हैं।

Machine Translated by Google

एक सच्चे शिष्य को उसकी ईसाई दौड़ के अंत में इनाम के तौर पर पाँच ताज मिलेंगे।

जैसे एक एथलीट जिसने ओलंपिक गेम्स में कई इवेंट्स में हिस्सा लिया, उसे उन सभी इवेंट्स के लिए कई गोल्ड मेडल मिलेंगे जो उसने जीते थे, वैसे ही एक सच्चे शिष्य को अपनी ईसाई रेस के आखिर में पांच गोल्डन क्राउन इनाम में मिलेंगे। और ये क्राउन हैं:-

(ए) अविनाशी, या विजेता, या
विजेता का ताज।

तुम नहीं जानते कि दौड़ में भाग लेने वाले सब दौड़ते हैं, परन्तु एक ही दौड़ता है। इनाम मिलेगा? वैसे ही दौड़ो, ताकि तुम जीत सको। और हर आदमी जो जीतने की कोशिश करता है, वह हर चीज़ में संयम रखता है। वे तो नाश होने वाला ताज पाने के लिए ऐसा करते हैं, लेकिन हम तो अविनाशी ताज पाने के लिए ऐसा करते हैं। (I कुरिन्थियों 9:24-25)।

यह ताज किसी के लिए भी है, जो जीत जाएगा
इस दुनिया के सिस्टम में दुश्मन। इसे अविनाशी ताज कहा जाता है, क्योंकि जीतने वाले सच में दुनिया के सिस्टम से दूषित नहीं थे, जैसा कि आप Rev. 14:4-5 में देख सकते हैं।

(ख) जीवन का मुकुट, या शहीदों का मुकुट या
अमरता का ताज.

धन्य है वह मनुष्य जो परीक्षा को सहता है; क्योंकि जब वह परखा जाएगा, तो उसे जीवन का ताज मिलेगा, जिसका वादा प्रभु ने अपने प्रेम करने वालों से किया है। (याकूब 1:12)।

मृत्यु तक वफ़ादार रह, तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा। (प्रकाशितवाक्य 2:10)।

Machine Translated by Google

यह एक ताज है जो उन लोगों को दिया जाएगा जो मसीह के लिए या सुसमाचार के लिए दुख उठाते हुए मर गए। यह उन लोगों को भी दिया जाएगा जो आखिर तक दुख सहेंगे, और फिर जब उन्हें पवित्र आत्मा की बड़ी बारिश (पवित्र आत्मा का अंदर रहना) मिलेगी, जो प्रभु की सेना पर डाली जाएगी, तो वे अमर हो जाएंगे। और इसलिए वे बदल जाएंगे और धरती पर फिर से ज़िंदा शरीर के साथ चलेंगे। (I कुरिन्थियों 15:51-54, योएल 2:1-11)।

(सी) महिमा का मुकुट, या बड़ों का मुकुट, या उच्च पुजारी का मुकुट।

और जब प्रधान चरवाहा प्रकट होगा, तो तुम
महिमा का ऐसा ताज पाओ जो मुरझाता नहीं। (1 पतरस 5:4)।

यह एक ताज है जो उन आध्यात्मिक बुज़ुर्गों को दिया जाएगा जो महायाजक के पद के लिए ज़रूरी शर्तें पूरी करते हैं (इब्रानियों 7:3,26)।

और सिंहासन के चारों ओर चौबीस आसन थे, और उन आसनों पर मैंने चौबीस एल्डर्स को बैठे देखा, जो सफेद कपड़े पहने हुए थे; और उनके सिर पर सोने के मुकुट थे। (Rev. 4:4)। यह एक बड़ा रहस्य है जो सैकड़ों सालों से छिपा हुआ है, और मुझे पता है कि दुनिया भर में बहुत से लोग इस पर गंभीरता से बहस करेंगे। चौबीस एल्डर्स वे एक लाख चौवालीस हज़ार जीतने वाले (हाई प्रीस्ट) हैं जिनका ज़िक्र Rev. 4:4 में किया गया है।

14:1. बाइबल का एक स्टूडेंट जो पुराने नियम में परमेश्वर के सिंहासन को देखने का सौभाग्य पाने वालों के दर्शनों का ध्यान से अध्ययन करता है, वह देखेगा कि किसी ने भी चौबीस बड़ों के बारे में कुछ नहीं कहा। मूसा जो आए थे

Machine Translated by Google

परमेश्वर के ज़्यादा करीब, परमेश्वर के सिंहासन की समझ, और यहाँ तक कि स्वर्ग में जो है, उसके नमूने के अनुसार एक तम्बू बनाने का आदेश भी, उन्हें न तो देखा और न ही उनका ज़िक्र किया। दाऊद (प्रेरितों के काम 2:25:35 में) ने चौबीस बुज़ुर्गों का ज़िक्र नहीं किया। सिर्फ़ प्रेरित यूहन्ना ने उनका ज़िक्र किया, और यह ध्यान देना चाहिए कि प्रकाशितवाक्य की किताब चर्च के लिए लिखी गई थी, जैसा कि जल्द ही होना है (प्रकाशितवाक्य 1:1-2)।

चौबीस की संख्या का मतलब यह नहीं है कि वहाँ सिर्फ़ चौबीस लोग होंगे, बल्कि यह I Chronicles 24:1-19 से आया है। और उस चैप्टर में, पुजारी का पद हारून के बेटों के लिए बाँटा गया था जो नादाब और अबीहू की मौत के बाद बचे थे, और वे थे एलीएज़र और इथामार। राजा दाऊद ने पुजारी का पद एलीएज़र के बेटे ज़ादोक और इथामार के बेटे अहीमेलेक को बाँटा। इसलिए एलीएज़र से सोलह पुजारी निकले, जबकि इथामार से आठ निकले। ज़ादोक के बेटे अपने क्रम के अनुसार, ज़ायोन में दाऊद के तम्बू में सेवा कर रहे थे, जबकि अहीमेलेक के बेटे गिबोन में सभा के तम्बू में सेवा कर रहे थे। हालाँकि, जब सुलैमान ने मंदिर बनाना पूरा कर लिया, तो उसने दाऊद के तम्बू और गिबोन में सभा के तम्बू दोनों को एक साथ जोड़ दिया, और दोनों जगहों के चौबीस पुजारी अपने क्रम के अनुसार सेवा करने लगे। अब यह साबित हो गया है कि क्रॉनिकल्स और भगवान के अंकगणित में दर्ज पुजारी पद के लिए चौबीस नंबर है। एल्डर शब्द

इसका मतलब है कि वे इस पद पर I Chronicles में बताए गए पद से ज़्यादा उम्र के हैं। फिर से, एक सौ और

Machine Translated by Google

Rev. 7:3-8 में बताए गए 44 हज़ार जीतने वाले, धरती पर इज़राइल देश के पुजारी हैं और जो धरती पर फिर से बने यरूशलेम में परमेश्वर के तंबू में सेवा करेंगे, क्योंकि दाऊद इज़राइल का राजा होगा। जबकि Rev. 14:1-5 में बताए गए लोग धरती के सभी देशों के महायाजक हैं, जिन्हें चौबीस एल्डर के तौर पर बताया गया है, और जो स्वर्ग में परमेश्वर के सिंहासन के चारों ओर बैठे हैं।

और वह आया और जो राजगद्दी पर बैठा था, उसके दाहिने हाथ से किताब ले ली। और जब उसने किताब ले ली, तो चारों जानवर और चौबीस बुज़ुर्ग मेमने के सामने गिर पड़े, और हर एक के पास वीणा और सोने के प्याले थे, जो संतों की प्रार्थनाएँ हैं। और उन्होंने एक नया गीत गाया, जिसमें कहा गया, तू किताब लेने और उसकी मुहरें खोलने के लायक है; क्योंकि तू मारा गया था, और तूने अपने खून से हर जाति, और भाषा, और लोगों, और राष्ट्र में से हमें परमेश्वर के लिए छुड़ाया है; और हमें हमारे परमेश्वर के लिए राजा और पुजारी बनाया है, और हम धरती पर राज करेंगे। (प्रकाशितवाक्य 5:7-10)।

यह याद रखना होगा कि चार जानवर हमारे प्रभु के आने से पहले से ही सिंहासन के सामने रह रहे थे, और इसलिए उन्हें छुड़ाने की ज़रूरत नहीं है। कम से कम यहेजकेल ने उन्हें अपनी किताब के चैप्टर 1 और 10 में दो बार देखा। यहाँ खून से छुड़ाने की बात की गई है, जिसका मतलब चौबीस एल्डर्स से है, और यह हर तरह, भाषा, लोगों और देश से है। हालाँकि, छुटकारा अभी नहीं हुआ है, यह तब होगा जब चर्च को परमेश्वर के सिंहासन पर बिठाया जाएगा, और तब ये चौबीस एल्डर्स (हाई प्रीस्ट) बनेंगे। एक सच्चा शिष्य जो इस शर्त को पूरा करता है

Machine Translated by Google

पुजारी का पद, और अंत तक बना रहता है, उनमें से एक होगा, और इसमें वे महिलाएँ भी शामिल हैं जो सच्ची शिष्या हैं।

(घ) धार्मिकता का मुकुट, या उन लोगों के लिए मुकुट जो उसके प्रकट होने से प्रेम करते हैं।

मैंने अच्छी लड़ाई लड़ी है, मैंने अपना कोर्स पूरा कर लिया है, मैंने विश्वास बनाए रखा है। अब से मेरे लिए नेकी का ताज रखा हुआ है, जिसे प्रभु, नेक जज, उस दिन मुझे देगा, और सिर्फ़ मुझे ही नहीं, बल्कि उन सभी को भी जो उसके आने से प्यार करते हैं। (II Tim. 4:7-8).

इस ताज का मतलब समझने के लिए, नेकी का मतलब जानना अच्छा है। नेकी वह काबिलियत है जिससे आप बिना किसी गिल्ट या हीन भावना के भगवान के सामने खड़े हो सकते हैं। आप उनके सामने तभी खड़े हो सकते हैं जब आपने भगवान की बात मानी हो, और जब वह आएंगे तो आप उन्हें देखना पसंद करेंगे। इसीलिए पॉल यह तभी कह सका जब उसने भगवान द्वारा उसके हाथों में सौंपी गई ज़िम्मेदारी को पूरी तरह से पूरा कर लिया हो।

(ई) खुशी का ताज, या आत्मा विजेता

ताज

हमारी आशा, या खुशी, या खुशी का ताज क्या है? क्या तुम भी हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने पर उसके सामने नहीं होगे? क्योंकि तुम ही हमारी शान और खुशी हो। (I थिस्सलुनीकियों 2:19-20)।

यह वह ताज है जो एक सच्चे शिष्य को उन आत्माओं के कारण दिया जाएगा जिन्हें उसने प्रभु के लिए जीता है। प्रभु के लिए जीती गई आत्माएं सिर्फ़ वे नहीं हैं जो दोबारा जन्म लेती हैं, लेकिन अंत तक नहीं पहुंच पातीं। बल्कि इसका मतलब है, वे आत्माएं जिनकी वह अंत तक देखभाल कर सकता है जब तक कि वे परमेश्वर के राज्य में न पहुंच जाएं।

Machine Translated by Google

आखिर में, कोई भी सही सोच वाला इंसान इन सभी शानदार इनामों को नहीं देख पाएगा जो उसे बिना चाहे मिल सकते हैं। और अगर तुम उन्हें चाहते हो, लेकिन एक सच्चे शिष्य के तौर पर शामिल नहीं होना चाहते, तो मैं प्रभु के पीछे-पीछे यह पूछूंगा, क्योंकि अगर कोई इंसान पूरी दुनिया (इस दुनिया की चीज़ें) जीत ले और अपनी आत्मा खो दे, तो उसे क्या फायदा होगा? (ये सभी इनाम जो हमेशा रहेंगे)। कोई हैरानी नहीं कि भाई पॉल ने कहा कि उसने सब कुछ कूड़ा-करकट गिना ताकि वह क्राइस्ट को जीत सके और उनमें पाया जा सके। उसने (पॉल ने) आगे कहा कि वह सब कुछ भूल गया है जो पीछे रह गया है, और वह क्राइस्ट जीसस में भगवान के ऊंचे बुलावे के इनाम के निशान की ओर बढ़ रहा है। इसलिए मैं इस किताब के पढ़ने वालों से गुज़ारिश करना चाहता हूं कि हम गैर-यहूदियों के उस महान प्रेरित से इजाज़त लें, और क्राइस्ट को जीतने और उनमें पाए जाने के लिए इस दुनिया की हर चीज़ को कूड़ा-करकट गिनें, ताकि हमें आखिर में ये बड़े इनाम मिलें। अच्छा प्रभु हम सभी को आशीर्वाद दे और यीशु के नाम पर हमारे साथ रहे, आमीन।

Machine Translated by Google

(1) सबमिशन (प्राधिकरण चैनल)
भगवान का और एकमात्र रास्ता
भगवान का साम्राज्य)

(2) छाया के रूप में तम्बू
ईसा मसीह

(3) अंतिम समय में प्रार्थना करने के आध्यात्मिक तरीके
(वाचा की प्रार्थनाएँ जो उत्पन्न करती हैं
तुरंत परिणाम)

यह किताब उन लोगों के लिए नहीं है जो
बिक्री

Machine Translated by Google

लेखक के बारे में

हमारे प्रभु यीशु मसीह के सच्चे शिष्य के रूप में जीने के लिए बुलाए जाने पर, लेखक को 1989 में कैंप (दुनिया का संगठित धार्मिक सिस्टम), उनकी नौकरी, रिश्तेदारों और दोस्तों से अलग कर दिया गया।

और प्रभु ने उसे अपने अधिकार (समर्पण) के तहत रखकर, उसे नाइजीरिया के एनुगु में अकपुओगा-एमेने में जंगल जैसी खेती वाली बस्ती में ले गए।

उसे कड़ी ट्रेनिंग से गुज़ारा गया, क्योंकि प्रभु ने उसमें परमेश्वर के शुद्ध वचन को पीस दिया, और उसके शरीर को आग में जलाकर बहुत सारी मुश्किलों, अकाल, दुखों, ज़रूरतों, परेशानियों, कोड़ों, कैद, जागते रहने, उपवास, खतरों वगैरह से गुज़ारा, जो उसने मसीह के लिए सहे।

वह 1992 में ट्रेनिंग से बाहर आए, और एक ऐसे आदमी के तौर पर जिन्हें आखिरी समय में सच्चाई को शरीर तक पहुँचाने का अधिकार मिला था।
मसीह, चाहे आप किसी भी धर्म के हों, फिर भी वह दुख उठाते हैं क्योंकि पवित्र आत्मा उनका इस्तेमाल करते हैं, ताकि वे वचन के पवित्र चाहने वालों के दिलों तक यह सच्चाई पहुंचा सकें। वह चर्चों, घरों, मिनिस्ट्रीज़, लोगों वगैरह तक यह सच्चाई पहुंचाने के लिए यात्रा करते हैं, जैसा कि प्रभु उन्हें बताते हैं।

वह प्रभु के अनमोल तोहफ़े, मैरी ब्लेसिंग से खुशी-खुशी शादीशुदा हैं, जो सच में प्रभु की बड़ी कृपा का कारण रही हैं। और इस शादी से उन्हें तीन बेटे हुए, टिमोथी जॉन (जूनियर), बेंजामिन सैमुअल और डेविड जोसेफ।